

30	महेश वन्द उदरम जालि अघरिया सा.देह मूर्ति स्वामी
29	भुजबल पिता सुखदेव जालि रावल सा.देह मूर्ति स्वामी
28	वृधनी पति नरसिंह जालि भईया सा.देह मूर्ति स्वामी
27	भूमिस्वामी धनरागर, दिव्या, बरती पिता बहादुर संख्या बेवा बहादुर वृद्धियादेन पिता लालमणी जालि गाई सा. देह
26	बुलवराज पि. दुखराज जालि गाई सा.देह मूर्ति स्वामी
25	बहादुर व. विष्णु जालि कंवट सा.देह मूर्ति स्वामी
24	बासुदेव पिता अनादी जालि गाई सा. देह मूर्ति स्वामी
23	पार्वती प्रदान पति प्रथमावराज जालि कोलता सा. विरककाकानी मूर्ति स्वामी
22	पंडित,साहेबराज पिता हरिहर,नीलावती, बेवा भारत जालि अघरिया सा.देह मूर्ति स्वामी
21	पुंजबलम पिता दीवान जालि कंवर सा.देह मूर्ति स्वामी
20	पदमावती पति सारिक जालि गाई सा. देह मूर्ति स्वामी
19	नानकन पिता लोकराज जालि कंवर सा. देह मूर्ति स्वामी
18	नारायण पिता हरिहर जालि कोलता सा.देह मूर्ति स्वामी
17	बेवा मनपत जालि अघरिया सा.देह मूर्ति स्वामी दालाराम पिता लेखराम, ना.बा. मोहन, ना.बा. धर्ति पिता मनपत पा.मा. भोजकमारी बेवा मनपत भोजकमारी
16	हिलेखर पिता नरसिंह किशन पि नरसिंह वृधनी बेवा नरसिंह जालि भईया सा.देह मूर्ति स्वामी
15	हिलेखर पिता विष्णु जालि कंवट सा.देह मूर्ति स्वामी
14	टीकाराम पिता सुखराज जालि अघरिया धनागर मूर्ति स्वामी
13	जगताराम पिता धनेश्वर जगदीश पि धनेश्वर जालि कंवर सा.देह मूर्ति स्वामी
12	लक्ष्मी, पिता नेरक, शांति पिता गोरख जालि गाई सा.देह मूर्ति स्वामी जवाहर पिता गोरख नाबा शत्रुघन पि नेरक पालक बही बहन सुकेला पिता नेरक, सुकेला पिता नेरक..
11	जगताराम पिता जेठू जालि गाई सा. देह मूर्ति स्वामी
10	छिलिया. नैजानंद पिता विवेकेश्वर जालि कोलता सा. देह मूर्ति स्वामी
9	गोवर्धन पिता विद्याधर जालि धोबी सा देह मूर्ति स्वामी
8	नाबा खलकमर पि. मोतीराम पालक पि. मोतीराम पि. गाधीराम सा.देह मूर्ति स्वामी
7	खेड़ पिता धीरया जालि गाई सा.देह मूर्ति स्वामी
6	कीर्तन पिता शत्रुघन जालि कोलता सा.देह मूर्ति स्वामी
5	साहिता, सपना पि धोबी जालि गाई सा देह मूर्ति स्वामी कुमार पिता सहेदेव, कल्पना बेवा धोबी, ना बा सदीप पिता धोबी पा मा कल्पना पति धोबी, साहिता.
4	उग्रसेन पिता अर्कुर सुरेशन पिता अर्कुर जालि कोलता सा.देह मूर्ति स्वामी
3	अहिंया पति वल्लभ सिंह जालि गाई सा.देह मूर्ति स्वामी
2	अविनाश सिंह पि. गांडासिंह सुविनाश सिंह पि गांडासिंह जालि गाई सा.दानसरा सा.रा.ह
1	अहिंया पिता पलव जालि गाई सा देह मूर्ति स्वामी

विरुद्ध

आवेदक

धरबाई लिला रायगढ (छ.ग.)
 एनटीपीसी तलाईपाली कोल माईनेंग परिव्याजना
 महाप्रबंधक,

तहसील रायगढ लिला रायगढ(छ.ग.)

गाम जुई प.ह.नं. 38

मू-अर्जन प्र.क. 46 /अ-82/2014-15

६४	सावित्री बेवा टीकाराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
६३	लेखराम पिता जनकराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
६२	रामलाल पिता लालाराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
६१	राधेश्याम पिता पुरुषोत्तम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
६०	मंगलप्रसाद पिता दयाराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
५९	मोतीराम पिता गोपीराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
५८	पि. ब्रह्मग.राधामति बेवा ब्रह्मग. जालि कबर सा. देह मूनि स्वामी नारायण, हरिवरण, पि. महेशराम, नरमति, श्रीमति पि. महेशराम, फूलमति बे. महेशराम, मटारी, फूलमति, सहीदा, भोजकुमारी बेवा मनपत जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
५७	भगताराम पिता टिकाराम ना.बा. मोहन, ना.बा. वृति पिता मनपत पा.मा. भोजकुमारी बेवा मनपत, पदमा, माधव, गोषमती, विजली, पिता साहेबो जालि कोलला सा.देह मूनि स्वामी
५५	दिनेश पिता गंगाराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
५४	गोषराम पिता गौरांगो जालि भुईया सा.देह मूनि स्वामी
५३	टीकाराम पिता जनकराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
५२	जीवधन पिता सहेब जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
५१	भगवति पति जीतराम, नरनर, माधुसी कुमारी गोला, पिता जीतराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी , प्रभा पिता रामहरि जालि रामरु सा.देह मूनि स्वामी
५०	बंदमणी बेवा लिलेश्वर रजनी, रविम, रिषम पिता लिलेश्वर, सीतल, पिताम्वर, पुरुषोत्तम, सतीश, विष्णु, शंका
४९	धनरथराम पिता दयाराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
४८	गोपीराम पिता जनकराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
४७	गोपीराम पिता कृपाराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
४६	कृपाराम पिता संतराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
४५	आनंद पिता रामनाथ जालि कबर सा.देह मूनि स्वामी
४४	मूनि स्वामी अवधूल, भोगीलाल पि. बेंदग. गुरुबारी बेवा तेजराम, सविता काशिल्या पिता तेजराम जालि कबर सा. देह युष्टिहरि जालि कोलला सा.देह मूनि स्वामी
४३	गुरुबारी, शेषा पिता भोगीरथी, रुपेश्वर पिता श्रीराम मनोहर उर्फ जलन्धर, हलधर, सत्यभामा, पदमा, पि फाजिलाल, रघुवीर, सुभाषिणी पि अलेश, गोसाई, जोगीराम पिता भोगीरथी, नवादाई पति सत्याशी, उरकुली, पि. सुखलाल जडा पिता दुर्लभ सिंह जालि कबर सा.देह मूनि स्वामी
४२	नाबा राकेश पि सुखलाल सीमा, रेशमा पिता सुखलाल नाबा निशा पि. सुखलाल पालक बही बहन सीमा
४१	सुखमल पति सहेब जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
४०	सकंद पति बांधाराम जालि कोलला सा.देह मूनि स्वामी
३९	सहेब पिता सखाराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
३८	वृदा प्रसाद, जयति, पिता लिलेश्वर, पुरुषोत्तम पिता तेजराम जालि भुईया सा. देह मूनि स्वामी
३७	गाडा सा देह मूनि स्वामी
३६	धरतराम, सनतकुमार, कस्तुरी, गुलाबती, सावित्री, दशादा, महिमा पिता लोचन, रथकुंवर बेवा लोचन जालि पंडितराम पिता हरिहर जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
३५	रामतरन पिता कमल प्रसाद जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
३४	राजेश उर्फ धरमसिंह पिता गोपीराम जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
३३	रंजल विठ्ठल पूढ कपनी की ओर से भोगीदार मनीष पिता रमेश अगवाल
३२	भोजकुमारी बेवा मनपत, भोजकुमारी बेवा मनपत जालि अधरिया सा.देह मूनि स्वामी
३१	महेशराम भगताराम पि. टीकाराम दाताराम, पिता लेखराम ना.बा. मोहन, ना.बा. वृति पिता मनपत पा.मा. मधु पिता हरिहर, केशवा, गोष, गुरुबारी पिता मंगल जालि सीसा सा.देह मूनि स्वामी

(Signature)
 (Date)
 (Name)

1. कलेक्टर द्वारा मुआवजा का निर्धारण मू-अर्जन पुनर्वासन और पुनर्वासन में उचित प्रतिकर और समहित कर पुनर्वास योजना का अनुमोदन किया गया है :-
2. भासन द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन किया जावेगा।
3. मूँसि अर्जन के बाद स्थल पर जिस कृषक की इतनी कम मूँसि शेष बचती है कि उस पर लाभदायक कृषि संभव न हो, ती शेष मूँसि का भी अधिग्रहण किया जावेगा।
4. पहावरण संतुलन को बनाये रखने के लिये वृक्षारोपण किया जावेगा। वृक्षारोपण हेतु कार्य योजना दो माह के भीतर तैयार किया जावे, ताकि आगामी बरसात के पूर्व वृक्षारोपण का कार्य किया जा सके।
5. पुनर्वास कृषक एवं प्रतिकर के पूर्ण भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जावे।
6. मकान विस्थापितों के लिये वैकल्पिक व्यवस्था की जावे।
7. कलेक्टर रायगढ़ मू-अर्जन कार्य का समुचित पर्यवेक्षण करेंगे, एवं प्रत्येक तीन माह में अपना प्रगति प्रतिवेदन राज्य शासन को एवं इस कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करेंगे।
8. एनटीपीसी लिमिटेड तलाईपाली तहसील परवाड़ा जिला रायगढ़ कोल माईस ताप विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन एवसीई द्वारा कार्य गणवत्ता के अनुसार ही, यह सुनिश्चित किया जावे।

(1) उपरोक्त मू-अर्जन प्रस्ताव के संदर्भ में पुनर्वास योजना तैयार कर महाप्रबंधक एनटीपीसी तलाईपाली कोल माईस परियोजना द्वारा प्रस्तुत किसे जाने पर प्रस्तावित पुनर्वास योजना का अनुमोदन प्रस्तावित निम्नों के तारतम्य में आयुक्त, बिलासपुर संभाग, बिलासपुर के पत्र क्रमांक 3062 / राजस्व / मू-अर्जन / 2015 बिलासपुर दिनांक 25.7.2015 अनुसार प्रस्तावित पुनर्वास योजना में निम्नांकित शर्तें समाहित कर पुनर्वास योजना का अनुमोदन किया गया है :-

65. हरिबंद, शशिभूषण निरंजन, सुभाषिनी पिता सदानंद, जमुना बेवा सदानंद भुवबल पिता जनकराम जाति
66. सायराज, कुलचुड़ी पिता धीवाराम जाति कोलता सा देह मूँसि स्वामी
67. हिराम पिता ललितराम जाति अघरिया सा देह मूँसि स्वामी
68. गोपश, दिनेश पिता बुद्धराम, दुरपति बेवा बुद्धराम जाति भुईया सा देह मूँसि स्वामी
69. महक, जहक, मोट पिता लोकेश्वर जाति भुईया सा देह मूँसि स्वामी
70. जिलावन, पिता लुकेश्वर, चन्द्रमा पिता लुकेश्वर जाति भुईया सा देह मूँसि स्वामी
71. गोदली, उदराम, पिता भुक्त भिलाप पिता किरौल जाति गांडा सा देह मूँसि स्वामी
72. टिकम कुमार पिता हिरालाल जाति शाहवा सा देह मूँसि स्वामी
73. जगतराम पिता धनेश्वर जाति कवर सा देह मूँसि स्वामी

(दिनांक 08-03-2017)
अर्द्ध आदेश

अनावेदकगण,

(अनुसूची 2) धारा 11(1)
 अधिनियम संख्या 11(1) का
 अंश 11(1)

| रकबा (हे०) में |
|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|----------------|
| 295/2 | 0.069 | 24/1 | 0.053 | 94 | 0.004 | 350/6 |
| 326/16 | 0.089 | 293/9 | 0.081 | 73/1 | 0.146 | 68/1 |
| 77/2 | 0.106 | 25/1 | 0.020 | 78/3 | 0.231 | 341/2 |
| 250/3 | 0.145 | 253/4 | 0.020 | 78/9 | 0.146 | 344/1 |
| 293/3क, | 0.300 | 568/1 | 0.008 | 73/2 | 0.125 | 347/1 |
| 293/8क | 0.075 | 260 | 0.121 | 78/5 | 0.967 | 293/8 ग |
| 326/5 | 0.214 | 18 | 0.182 | 64/2 | 0.121 | 106/5 क |
| 293/7 | 0.101 | 51 | 0.040 | 58/4 | 0.133 | 99/7 |
| 324/2 | 0.101 | 51 | 0.020 | 568/4 | 0.016 | 66/4 |
| 63/4 | 0.255 | 52 | 0.287 | 79 | 0.232 | 66/6 |
| 60 | 0.049 | 58/1 | 0.008 | 68/7 | 0.024 | 568/2 |
| 326/9 | 0.154 | 564/12 | 0.065 | 567 | 0.028 | 78/11 |
| 31/22 | 0.178 | 564/14 | 0.069 | 106/1 | 0.323 | 78/6 |
| 31/24 | 0.024 | 564/3 | 0.065 | 65/8 | 0.010 | 106/4 |
| 293/1 | 0.305 | 573/3 | 0.061 | 66/5 | 0.040 | 253/1 |
| 31/7 | 0.226 | 573/6 | 0.061 | 66/7 | 0.028 | 327/2 |
| 166/1, | 0.243 | 573/7 | 0.061 | 253/6 | 0.020 | 326/7 |
| 167/1 | 0.243 | 573/8 | 0.061 | 350/4 | 0.053 | 95/2 |
| 106/5ग | 0.040 | 573/9 | 0.061 | 568/3 | 0.004 | 105/1 |
| 17/4 | 0.081 | 17/5 | 0.121 | 574/2 | 0.036 | 17/7 |
| 61/1 | 0.081 | 82/1 | 0.898 | 64/1 | 0.170 | 295/4 |
| 96/1 | 0.028 | 106/5 घ | 0.040 | 326/17 | 0.097 | 300 |
| 17/2 | 0.202 | 295/5 | 0.032 | 69/7, 69/8, | 0.108 | 54/2 |
| 256/2 | 0.145 | 324/5 | 0.105 | 76/1 | 0.243 | 54/3 |
| 61/4 | 0.081 | 259/1 | 0.060 | 248/2 | 0.162 | 54/4 |

अधिनियम संख्या 11(1) का विवरण :-

9. प्रस्तावित परिवारों को योजनाएं सुनिश्चित करने की दृष्टि से आजीविका ढ़ंड में प्रशिक्षण व्यवस्था किया जावेगा। पश्चात सफल प्रशिक्षणार्थियों को ग्रामीणता में प्रत्यक्ष/परोक्ष रूप से योजनाएं/जीविका उपलब्ध करने की व्यवस्था करेगा।
10. बिना के नि:शक्तताओं के लिए आजीविका प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार हेतु विशेष प्रयास करना होगा।
11. नवीन-अर्जन अधिनियम 2013 के दृष्टी अनुरूपी धारा 31(1) 38(1) और धारा 105 (3) के प्रावधानों का भी पालन किया जाना सुनिश्चित किया जाना होगा।
- (2) उपरोक्त अनुक्रम में महाप्रबंधक एनटीपीसी तलाइपल्ली कोल माइनिंग परियोजना से ग्राम जुड़ा के प्रस्तावित निम्नांकित ग्रामों के अधिनियम किचे जाने हेतु ग्राम अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्वासनार्थी ग्रामों में वित्त प्रतिकर और पादशिला का अधिकार अधिनियम 2013 के संदर्भ में छ.ग.मासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग रायपुर द्वारा जारी निर्देशों के अनुक्रम में अधिनियम काव्यवाही हेतु प्रकल्प में ग्राम-अर्जन अधिनियम की धारा-11(1) के अर्थान अधिसूचना का प्रकाशन निम्नानुसार कराया गया :-

म. अ. वि. वि. (अ. वि. वि.)
 म. अ. वि. वि. (अ. वि. वि.)
 म. अ. वि. वि. (अ. वि. वि.)

का अर्जन किया जावे। आवेक के पिला गोपीराम के स्वामित्व व कब्जे की अर्जन की जा रही ख.नं. चारों तरफ से रेल लाईन से और जने के कारण खेती योग्य नहीं रह जायेगी, इस कारण पूर्ण रकबे ख.नं.350/6, 253/7, 58/4,64/2 एवं 60 से कुछ रकबे का अर्जन किया जा रहा है जिससे शेष आपत्तिकर्ता गोपीराम आ. गोपीराम अग्रिया सा. जूडा द्वारा आपत्ति की गई है कि

प्रस्तावित रकबे से अधिक का अर्जन किया जाना संभव नहीं है। रकबा 1.214 है. में से 0.607 है. भूमि अर्जन हेतु प्रस्तावित है। शेष भूमि प्रभावित क्षेत्र से बाहर है, तथा उप पर स्थित सम्पत्तियों का मूल्यांकन किया जावे। एनटीपीसी रेल लाईन हेतु ख.नं. 17/2 लिए उपयुक्तता समाप्त हो जाती है। इसके समाधान के लिये स्थल जांच कर संपूर्ण भूमि का अर्जन कर है. भूमि में से 0.607 है. भूमि का अर्जन इस प्रकार से किया जा रहा है कि शेष भूमि का कृषि कर्ष के लिए

1- आपत्तिकर्ता नारायण आ.0 होराधर साहू ग्राम जूडा द्वारा आपत्ति की गई है कि ख.नं. 17/2 रकबा 1.214 हुआ है। दावा/आपत्ति के संबंध में प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार आपत्तिवार विवरण निम्नानुसार है:-

महाप्रबंधक, एनटीपीसी लि. तिराईपाली एवं तहसीलदार, रायगढ़ से संयुक्त पुनर्जांच प्रतिवेदन प्राप्त नहीं जाया प्राप्त। तहसीलदार, रायगढ़ से जांच प्रतिवेदन प्राप्त। अधिनियम की धारा 16 के अनुसार प्रकरण में अधिनियम की धारा-11 (1) का आपत्ति के संबंध में महाप्रबंधक, एनटीपीसी लि. तिराईपाली से सम्पत्तियों का मूल्यांकन करने के लिए संबंधित विभाग को आदेशित करने की कृपा करें।

स्थल का जांच निरीक्षण कर संपूर्ण भूमि का अर्जन करना प्रस्तावित करें तथा उसमें स्थित सम्पत्तियों को उपयुक्त कृषि करने के लिए समाप्त हो जाती है। उक्त समस्या का समाधान करने के लिए भूमि प्रकार से किया जा रहा है कि शेष भूमि 0.607 है. रेललाईन के दोनों ओर विभाजित हो जाती है जिससे कुल रकबा 1.214 है. जिसमें से 0.607 है. भूमि अर्जन किया जाना प्रस्तावित है, बूकी भूमि अर्जन इस में एनटीपीसी कोल माइनिंग परियोजना के रेल लाईन निर्माण हेतु भू-अर्जन के तहत खसरा नं. 17/2 साहू पिला श्री होराधर साहू निवासी ग्राम पंचायत जूडा तहसील व जिला रायगढ़ द्वारा प्रस्तुत आपत्तियां प्रकरण में अधिनियम की धारा-11(1) के अधिसूचना प्रकाशन पश्चात् आपत्तिकर्ता श्री नारायण

1. छ.ग. राजपत्र दिनांक 2/10/15 भाग-एक पृ.क. 1522
2. स्थानीय समाचार पत्र रायगढ़ संदेश दिनांक 18/10/2015
3. क्षत्रिय समाचार पत्र हरिभूमि दिनांक 18/10/2015
4. ग्राम जूडा में मुनादी के माध्यम से दिनांक 08/11/2015

अधिनियम की धारा-11 (1) के प्रकाशन का विवरण निम्नानुसार है:-

104	0.243	योग - कुल ख.नं. 132 कुल रकबा 16.189 है.			
326/8	0.117	78/4	0.081	59/2	0.012
326/6	0.214	78/8	0.312	69/9	0.053
96/2	0.243	252/2	0.020	69/4	0.040
129/2	0.008	57	0.024	69/11	0.061
166/2, 167/2	0.028	56	0.360	68/3	0.109
35/4क	0.202	349/2	0.089	50	0.129
			0.243	47	

श्री. राजेश कुमार (कर्मचारी)
 श्री. राजेश कुमार (कर्मचारी)
 श्री. राजेश कुमार (कर्मचारी)

1 आपत्तिकर्ता श्री मोदीराम पिता गोपीराम जाति अहारिया ग्राम जुडा तहसील जिला रायगढ़ का निवासी हैं मूँसि ख.नं. 253/7 रकबा 0.109 है तथा 350/6 रकबा 0.202 है का मूँ-अर्जन औद्योगिक प्रयोजन हेतु किया गया है। उक्त दर्जित मूँसि की रकबा अधिक है और शेष बचत मूँसि मूँ-अर्जन न होने के अयोग्य हो जावेगी जिससे आवेदक को आर्थिक क्षति होगी ऐसी स्थिति में दर्जित रकबा की संपूर्ण मूँसि को मूँ-अर्जन किया जाना उचित है उक्त मूँसि का मुआवजा राशि अत्यंत कम किया गया है जबकि ग्राम कोतवलिया विटकाकानी मुंडरीपानी की मूँसि का मुआवजा अधिक निर्धारित किया गया है ऐसी स्थिति में आर्थिक क्षति हो रही है। अतः

(5) प्रतिवेदन प्राप्त किया गया। आपत्तिवार निराकरण निम्नानुसार है :-
 गई। तथा प्राप्त दावा/आपत्तियों के संबंध में तहसीलदार, रायगढ़ एवं आवेदक निकय से संयुक्त जांच अर्थात् सुनवाई हेतु उचित अवसर देते हुए दावा/आपत्ति प्रस्तुत करने की तारीख 30.7.2016 तक बढ़ाई की सुनवाई हेतु दिनांक 27.6.2016 को आहूत किया गया। कुछ मूँ-स्थानियों के निवेदन पर धारा 21 के प्रकरण में अधिनियम की धारा-21 की सूचना दिनांक 20.5.2016 को जारी कर मूँ-स्थानियों को सूचित किया गया।

1. छ.ग. राजपूर में दिनांक 03.06.2016 भाग-1 पृ.क्र. 999,1000
2. स्थानीय समाचार पत्र 1. जनकर्म में दिनांक. 11.5.2016
3. स्थानीय दौर पर ग्राम में मुनादी के माध्यम से दिनांक 23.05.2016

कार्यवाही निम्नानुसार करायी गया:-
 कुल रकबा 15.946 है. मूँसि का प्रकरण में अधिनियम की धारा-19 की धारा का प्रकाशन की जायगी तथा 104 की अधिनियम की धारा 19 की कार्यवाही से प्रथक करके हुए शेष कुल खसरा नं.132 कि ग्राम जुडा की सेवा मूँसि ख.नं.104 की अधिनियम की धारा 19 की कार्यवाही से प्रथक किया जावे। मूँसि / 04 / 16 दिनांक 22.4.2016 के साथ ग्रामवार सेवा मूँसि की सूची संतान कर निवेदन किया है महाप्रबंधक, एनटीपीसी लिमि. तलाईपानी की पत्र क्रमांक 5073 / तलाईपानी / एमजीआर / सेवा एवं पुनर्बांधवस्थापन योजना का ग्राम में प्रकाशन दिनांक 07.11.2015 को करायी गया है।

अनुसार एनटीपीसी लिमिटेड तलाईपानी कोल माइंस परियोजना द्वारा प्रस्तावित तथा आयुक्त, बिलासपुर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के अन्तर्गत दिनांक 31-12-2014 के अधिनियम की धारा-11 की अधिसूचना में शामिल है। मूँसि अर्जन पुनर्वासि और पुनर्बांधवस्थापन में उचित प्रतिफल आपत्तिकर्ता द्वारा उल्लिखित खसरा नं. 343/9 मूँ-अर्जन हेतु प्रस्तावित नहीं है, और न ही अधिनियम का अहिमामूलक नहीं किया जा सकता।
 पर पूल बना कर दोनों तरफ अवगमन सुचारु रखा जावेगा। ऐसी स्थिति में प्रस्तावित रकबा से अधिक रहा है। एनटीपीसी लि. तलाईपानी द्वारा प्रस्तुत जवाब के अनुसार देव लार्डेन से प्रभावित हो रहे मार्ग रायगढ़ के समक्ष लंबित है इसके अर्जन की कार्यवाही मालिकराम आ. जनकराम के नाम पर किया जा 343/9 वर्तमान में राजस्व अभिलेखा में नुतिवश गुल हो गया है, इस संबंध में प्रकरण तहसीलदार,

तथा आर्थिक क्षति उत्पन्न होगी।

किया गया है। यह कि उक्त भूमि दो फसली क्षेत्रों से अधिग्रहण में चले जाने से कृषि से बाधित होगी भूमि पर 9 वृक्ष मरुआ, 1 वृक्ष परसा स्थित है। जिस पर किसी प्रकार का मुआवजा राशि निर्धारण नहीं फसली है तथा प्रथित आवेदन पत्र की कालम में वृक्षां की संख्या गलत दर्शायी गई है। जबकि उक्त जिसमें से खसरा नं. 78/4 रकबा 0.081 है लिया जा रहा है 11. यह कि आवेदक यह कि उक्त भूमि दो प्रयुक्त आपतित में भूमि स्वामी हक की भूमि कुल खसरा नं. 16 कुल रकबा 1.410 है. भूमि स्थित है आपतितकर्ता उपासी पिता सोनराम वास्ते जोधियाम राठिया जालि कवर सा. देह भूमि स्वामी द्वारा

4

किया गया है।

कुआं भी स्थित होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिभाषणा गाइड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार निम्न 2 नग सीताफल 1 नग बेहरी 1 नग साजा 1 नग बावडा 3 नग बार एवं 1 नग अन्य, वृक्ष 1 रकबा 0.429 है. भूमि में से रकबा 0.375 है. भूमि पर 18 नग मोहा, 2 नग बीजा, 1 नग बीड़, 2 नग सयुक्त खल जांच में मौके पर अधिग्रहित की जा रही भूमि खसरा नं. 293/3 क एवं 293/8 क कुल

मरुआ वृक्ष है तथा 1 कुआं स्थित है, उचित मुआवजा निर्धारित करें।

0.375 है.खसरा नं. 293/3 रकबा 0.375 है भूमि अर्जन में जा रहा है। यह की उक्त भूमि पर वृक्ष 7 श्री उमसेन पिता अंकर सुरेन पिता अंकर जालि कोलाला सा.देह भूमि स्वामी खसरा नं. 293/8 रकबा

3

कार्पाही की जा रही है।

लाईन के अनुसार निर्धारित दर पर मुआवजा का निर्धारण किया गया है। अधिनियम की धारा 93 के तहत कंकट 1 नग डुमर 1 नग परसा 2 नग एवं अर्जित की जा रही भूमि का मूल्यांकन वर्ष 2015-16 के गाइड प्रभावित नहीं हो रहा है तथा प्रभावित खसरा नं. 60 से रकबा 0.073 है. एवं 0.049 है. भूमि पर स्थित वृक्ष सयुक्त खल जांच में आपतितकर्ता के भूमि खसरा नं. 59/2 रकबा 0.012 है.भूमि मू-अर्जन में

ग्राम जुड़ा की भूमि का मूल्यांकन कर मू-अर्जन निर्धारित किया जावे।

राशि निर्धारण ग्राम कोलरलिया खटककानी पंडरीपानी ग्राम की भूमि से कम किया गया है। ऐसी स्थिति में जावे, अथवा आवा-गमन हेतु रिहाई से रास्त आवेदक को प्रदान किया जावे। उक्त दर्शित भूमि का मुआवजा फिर जा रही है। शेष बचत रकबा कृषि योग्य नहीं रह जाईगी। ऐसी स्थिति में सम्पूर्ण भूमि का अर्जन किया कि भूमि पर कंकट 1 नग डुमर 1 नग परसा 2 नग उक्त भूमि खसरा नं. 60 धारा और से सेलवे लाईन से किया गया है। दर्शित भूमि खसरा नं. 60 रकबा 0.049 है. स्थित वृक्ष की सूची दर्ज नहीं किया गया है। जब रकबा 0.012 है 0.073 है तथा खसरा 60 रकबा 0.049 है स्थित है जिस औद्योगी प्रयोजन हेतु भूमि अर्जन आपतितकर्ता ना.बा. खलकुमार वास्ते पिता श्री मोदीराम जालि अघरिया ग्राम जुड़ा भूमि ख.नं. 59/2

2

किया गया है।

आवश्यकता नहीं है। उक्त भूमि की मुआवजा वर्तमान गाइड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मूल्यांकन आव यकतानुसार भूमि की अधिग्रहित की जा रही है। के अतिरिक्त भूमि का मू अर्जन किसे जाने की खसरा नं. 253/7 रकबा 0.506 है. में से 0.109 है. 350/6 रकबा 0.267 में से रकबा 0.202 है. भूमि को सयुक्त खल जांच में प्रतिवेदित किया गया है कि आवेदक के स्वामित्व की ग्राम जुड़ा स्थित भूमि

निर्धारित कर मुआवजा प्रदान की जावे अन्यथा आपतित स्वीकार करने की कृपा करें।

निवेदन है कि उक्त संबंध में आवेदन स्वीकार कर उचित मुआवजा राशि सम्पूर्ण खसरा नंबर की भूमि का

अधिकांश (अ.स.स.स.स.)
 अधिकांश (अ.स.स.स.स.)
 अधिकांश (अ.स.स.स.स.)

स्थल जांच में मौके पर अधिग्रहित की जा रही भूमि खसरा नं. 99/7 रकबा 0.425 है. में से 0.142 है. भूमि पर 1 नग शीशम, 1 नग खेहर, 1 नग सरसिवा 2 नग पलास 1 नग मुण्ड्री 1 नग ककट वृक्ष स्थित अनावदक को भंगान किया जाना न्यायोचित होगा।

वृक्ष है उनका कोई भी आंकलन नहीं किया गया है। जिसका जांच किया जाकर समर्थित मुआवजा राशि पलास 1 नग मुण्ड्री 1 नग ककट वृक्षों का ही उल्लेख है। परन्तु प्रभावित स्थानों पर छोटी छोटी अनेकों यह की अनावदक के उपरोक्त उल्लेखित भूमियों में 1 नग शीशम, 1 नग खेहर, 1 नग सरसिवा 2 नग भी जांच कर मुआवजा राशि प्रदान कि जावे।

दिया जावे। यह कि अनावदक के उपरोक्त वृक्षों को छोड़कर और अनेक छोटे छोटे वृक्ष मौजूद है इनका होगा। अनावदक को अपने भूमि का मुआवजा गम जुद्ध के आसपास स्थित ग्रामों के मुआवजा अनुसार कार्य कर पाना संभव नहीं है उपरोक्त सभी वृक्ष भूमि का भू अर्जन कर मुआवजा राशि देना न्यायोचित ही अपने परिवार का जीवन यापन करते हैं। इस कारण उपरोक्त उल्लेखित ख. नं. के वृक्ष भूमि पर कृषि हेतु भूमि अर्जन करने संबंधी कार्यवाही की जा रही है, अनावदक का एक मात्र आय का जरिया कृषि पर किया गया है। यह कि अनावदक के उपरोक्त उल्लेखित ख. नं. के कुछ भागों पर औद्योगिक प्रयोजन साध 27.06.2016 को न्यायालय भू अर्जन अधिकारी रायगढ़ के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु नोटिस प्रदाय हिल संबंधी दावे तथा भूमि के परिमाण / नस्ली संबंध अथवा आपत्ति मय अभिलेखा दर्खावेनों प्रमाणों के करते हुए समर्थित खतेदार को अपने हिल अधिकारी राशि भूमि पर अधिकार के फलस्वरूप मुआवजा में नं. 99/7 रकबा 0.142 हे 0 भूमि को सांख्यिक प्रयोजन हेतु भूमि का अर्जन किये जाने का उल्लेख लेखराम पिता जनक राम जालि अदरिया सा. देह भूमि स्वामी यह कि अनावदक के स्थिति की भूमि ख.

2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है। रकबा 0.024 कुल रकबा 0.507 का अधिग्रहित भूमि का भू अर्जन पत्रक अनुमोदित माईड लार्डेन वर्ष 31/24 सयुक्त स्थल जांच में प्रतिवेदित किया गया है कि खसरा क 31/22 रकबा 0.483 एव क. 31/24 आंकलन की अपेक्षा बहुत ही कम है। कृपया उचित मुआवजा देने कि कृपा करें।

धारा 26 के अनुसार किया जा रहा है। जो कि बहुत ही कम है हमारे पड़ोसी ग्रामों के जमीनों के 507 का अधिग्रण किया जा रहा है। उक्त भूमि की मुआवजा राशि का आंकलन वर्तमान में भू अर्जन की के अनुसार हमारे भूमि का खसरा क 31/22 रकबा 0.483 एव क. 31/24 रकबा 0.024 कुल रकबा 0. है, हमारे परिवार का मरण पोषण का मुख्य आधार हमारी जमीन है। आपके द्वारा जारी किये गये नोटिस छलिया. नेशनल पिता विरवरर जालि कोलला सा. देह भूमि स्वामी उक्त भूमि से हमारे परिवार आश्रित

मुआवजा निर्धारण किया गया है। भूमि एवं भूमि पर स्थित वृक्षों का भू अर्जन पत्रक अनुमोदित माईड लार्डेन वर्ष 2015-16 के अनुसार नग माईड, 12 नग चार, 18 नग पलास, 3 नग कुहड़ी, एवं 1 नग खेहर वृक्ष स्थित होना पाया गया है। सयुक्त स्थल जांच में मौके पर खसरा 63/4 रकबा 0.255 है. भूमि अधिग्रहित की जा रही भूमि पर 12

किया जाना न्यायोचित होगा। धति से वह सके ग्राम कोलरलिया, विटकाकानी, पड़ोसीपानी के आधार पर ग्राम जहाँ स्थित भूमि को प्रदान की हो जावेगी ऐसी स्थिती में चारों कोना में उक्त भूमि को भू अर्जन में जोड़ा जावे ताकी कृषक आर्थिक वृद्धि की सूची में दर्ज किया जावे उक्त भूमि के चारों भाग में भूमि छुट जा रही है जो अनुपयोग कृषक निरंक अंकित किया गया है। जबकी उक्त भूमि में माईड 13 चार 12 कुहड़ी 1 सैमर 1 फरसा 9 जिसे है। आवदक का उपरोक्त भूमि औद्योगिक प्रयोजन हेतु भू अर्जन किया गया है जिसमें वृक्षों की सूची में खर्च पिता धीसया जालि गौड के नाम से भूमि खसरा नं. 63/4 रकबा 0.255 है. का तैयार किया गया

की धारा 93 की कार्यवाही की जा रही है। अनुमोदित भूमि देल लार्डेन में प्रभावित नहीं हो रहा है। भू-अर्जन अधिनियम सयुक्त स्थल जांच में आवेदित भूमि ख. नं. 78/4 रकबा 0.081 है. भूमि कृषक के कल्याण कारन एवं

(9) यह कि धारा 11 के परिच्छेद में आपत्तिकर्ता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक प्रविष्टन के आधार पर मू-अर्जन अधिकांश, रायगढ़ के द्वारा प्रस्तुत आपत्ति का निर्यात निराकरण नहीं एन.टी.पी.सी. एवं तटस्थीदार के द्वारा अस्पष्ट प्रतिवेदन एवं मू-अर्जन की प्रक्रियाओं के विपरीत प्रस्तुत यह कि धारा 11 के परिच्छेद में आपत्तिकर्ता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक

(9) यह कि धारा 19 राजपत्र में दिनांक 03/06/2016 की प्रकाशित करया जाता है वह भी उपरोक्तानुसार जूटिपूर्व है एवं धारा 19 मू-अर्जन अधिनियम का प्रकाशन के प्रारूप पूर्ण करावे वगैरे धारा 21 के नीटिस व्यतिरिक्त जाही कर दिया जाता है। अतएव समस्त प्रक्रिया मू-अर्जन अधिनियम के तहत आदेशानुसक कायदावाही है, जिसका पालन नहीं किया गया है। अतएव सम्यक् कायदावाही शून्य व अवैधानिक है।

(9) धारा 19 के पुनर्वासन व पुनर्स्थापना तथा धोषा और सार्क का प्रकाशन करया जाना प्रावधानित है किन्तु पुनर्वासन व पुनर्स्थापना सार्क का प्रकाशन आज दिनांक तक नहीं करया गया है। जबकी मू-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 19 (2) की उप धारा 1 में यह स्पष्ट प्राधान है कि इस उप धारा के अर्जन कोई धोषा तब तक नहीं किया जावेगा, तब तक पुनर्वासन व पुनर्स्थापना का योजना का सार स्पष्टी धोषा के साथ नहीं किया जाता। एतएव जूटिपूर्व प्रक्रियाओं का समवेश कर मान प्रबंधक एन.टी.पी.सी. द्वारा मू-अर्जन करना चाहता है, जो कि अवैधानिक है।

(9) धारा 4 (1) मू-अर्जन अधिनियम 1894 के तहत पूर्व में गाम जुडा प.ह.न. 38 तह.व लिला रायगढ़ में दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर दिनांक 22/12/2013 की प्रकाशन करया गया था, जिसमें आपत्तिकर्ता के स्थानित की मू-अर्जन न. /रकबा हे 60 कृषि मू-अर्जन प्रस्तावित उल्लेखित है। उक्त मू-अर्जन की कायदावाही (Leps) किया जाना प्रावधानित है, जिसके तहत आज दिनांक तक प्रस्तावित मू-अर्जन नहीं किया गया है।

(9) यह कि धारा 17.10.2015 की धारा (1) मू-अर्जन अधिनियम के तहत प्रांशिक अधिसूचना प्रकाशित करया जाता है एवं समुचित सरकार के वेवसाइड में प्रकाशन न करा कर छल पूर्वक एन.टी.पी.सी. में कायदा कर्मचारियों के द्वारा रायगढ़ के वेवसाइड में दिनांक 13.05.2016 को करया जाता है तथा उसी दिनांक 13.05.2016 को धारा 19 का भी वेवसाइड में प्रकाशन करया जाता है जबकी मू - अर्जन की प्रक्रिया में समयावधि का गणना अंतिम प्रकाशन दिनांक की माना जाना प्रावधानित है तथा धारा 11 (1) के प्रकाशन पश्चात 60 दिन के समयवाधि आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु प्रावधानित है, जिसका भी पालन नहीं किया गया है।

(9) यह कि समिति का अधिकार विधिक अधिकार के साथ साथ मानवाधिकार भी है, जिसे आधिक व छल पूर्वक उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

(9) यह कि उक्त प्रस्तावित मू-अर्जन के विना मुक्त किसे एवं आपत्तिकर्ता के नामान्तरण की आधिक प्रक्रियाओं का पालन कर निरस्त कर दिया गया है, जिसके तहत उक्त निरस्तीकरण आदेश के विरुद्ध आपत्तिकर्ता के द्वारा तटस्थीदार रायगढ़ के द्वारा नामान्तरण निरस्तीकरण के विरुद्ध पुनः विधिवत नामान्तरण हेतु तटस्थीदार रायगढ़ के समक्ष प्रस्तुत कर सम्पूर्ण प्रक्रिया (पटवारी प्रतिवेदन, उमय पक्ष के साक्ष इत्यादी) पूर्ण किया जा चुका है एवं उक्त प्रकरण आदेश हेतु लंबित है, जिसकी सूचना तटस्थीदार रायगढ़ के प्रारंभ से है तथा आपत्तिकर्ता के द्वारा धारा 11 के अधिसूचना प्रकाशन पर आपत्ति प्रस्तुत किया गया था जिस पर उपरोक्त तथ्यों का उल्लेख किया गया था। जिस पर तटस्थीदार रायगढ़ के प्रारंभ से है तथा आपत्तिकर्ता के द्वारा धारा 11 के अधिसूचना प्रकाशन पर आपत्ति प्रस्तुत किया गया था जिस पर उपरोक्त तथ्यों का उल्लेख किया गया था। जिस पर तटस्थीदार रायगढ़ के द्वारा प्रतिवेदन में उचित निराकरण न कर धारा 19 का मू-अर्जन अधिनियम 2013 अधिसूचना जूटिपूर्व प्रकाशन करया गया जो न्याय संगत नहीं है।

(9) यह कि धारा 11 के वेवसाइड में प्रकाशन के पूर्व ही धारा 19 का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में कर दिया गया है। एक और धारा 11 के प्रकाशन के प्रारूप पूर्ण नहीं किया गया था वही दृष्टी और धारा 19 का प्रकाशन किया जाना नहीं मू - अर्जन अधिनियम 2013 के प्राधानों के विपरीत है।

- (9)11. भारतीय अर्थशास्त्र विभाग के प्रकाशन के पश्चात् भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18.12.2015 को जारी किया गया था जिसमें मूँसि अधिनियम को अद्यतन कराने की नियम उल्लिखित है जिसके अनुसार मूलक व्यक्तियों के नामों को लीप करना, मूलक व्यक्तियों के वारिसों को नामों को प्रवृत्ति करना, मूँसि पर अधिकारों के रजिस्ट्री के समन्वयकारों जैसे- विकी, दान, विमान आदि को प्रवृत्ति करना बंधक के सभी प्रवृत्तियों को अभिलेखा प्रवृत्ति करना इत्यादी उल्लिखित है, किन्तु उक्त अधिसूचना के प्रकाशन के उपरान्त दिनांक 23.02.2016 को धारा 11 (1) में आपत्ति पर निराकरण हेतु नियत किया गया था किन्तु उक्त अधिसूचना में दक्षिण बिन्दुओं को नजर अंदाज करते हुए या ताक में रखते हुए आपत्तिकर्ता के संबंधित अधिकार का हनन कर छल पूर्वक अनावश्यक एवं तटस्थीतदार के द्वारा दृष्टिपूर्वक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो कि मूँसि-अर्जन की धारा 86.87 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।
- (9)12. एक ओर एन.टी.पी.सी. के पुनर्वासि निधि के कलिका 9.6 संलग्नार एवं वार्षिकी में प्रति प्रभावित एक बार 5.00 लाख दिया जावेगा या वार्षिकी पारिसी कीमत सूचकांक के अनुसार कम से कम 2000/- रु. प्रति माह उल्लिखित है, जबकी 02.07.2014 जिला स्तरीय पुनर्वासि समिति की बैठक में मूँसि - अर्जन के मुआवजे के आतिरिक्त 30000/- रु. प्रति एकड़ अनुपातिक 20 वर्ष तक मूँसि विस्थापित परिवार को दिया जावेगा। प्रत्येक 2 वर्ष में प्रति एकड़ 500/- रु. बढ़ाया जावेगा। जबकी सूचना के अधिकार के तहत खादी गयी जानकारी में जिला कार्यालय रायगढ़ के द्वारा जिला स्तरीय पुनर्वासि समिति का गठन वर्ष 2013-14 में नहीं हुआ है और न ही इस संदर्भ में सविवालय रायपुर में दिशा निर्देश प्राप्त हुआ है, बताया गया। अतः न तो पूर्व में पुनर्वासि स्कीम विधिवत बनया गया और नहीं धारा 16 (5) के तहत पुनर्वासि प्रतिवेदन के संदर्भ में कोई सुनवाई किया गया है। चूंकि छ.ग. शासन का केषि मूँसि में निरन्तर मूँसि-स्वामी है एवं एन.टी.पी.सी. प्रस्तावक है, ऐसी स्थिति में वर्ष 2013 मूँसि-अर्जन अधिनियम के प्राधान्यों को मनमाने ढंग से लागू कर आपत्तिकर्ता/रजिस्टर्ड मूँसि स्वामी को उसके संबंधित अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, जो कि अन्याय है।
- (9)13. एन.टी.पी.सी. की पुनर्वासि निधि समूर्ण भारत में एक होती है। वर्ष 2015 में एन.टी.पी.सी. के द्वारा ग्राम -गहिराना (पं.) विद्यालय (मध्यप्रदेश) में केषि मूँसि का रजिस्टर्ड सेल जीड के माध्यम से कय किया गया है एवं दिनांक 18.03.2015 को कीमत सूचकांक के अनुसार प्रभावित मूँसिस्वामियों को नौकरी के एवज में 700000/- रु. (सात लाख) प्रकज दिया गया है, चूंकि एन.टी.पी.सी. के द्वारा रायगढ़ के पुनर्वासिनाओं हेतु पुनर्वासि प्रतिवेदन, धारा 19 के साथ पुनर्वासि का सार प्रकाशन नहीं करया गया है। अतएव वर्तमान कीमत सूचकांक के अनुसार नौकरी के एवज में प्रकज प्राप्त करने के अधिकारी है एवं प्रति एकड़ 2000000/- (बीस लाख रुपये) की दर से मुआवजा राशि का निर्धारण कर नवीन मूँसि-अर्जन अधिनियम के तहत 4 गुना, दिया जावे चूंकी अन्य प्राप्त में (सुन्दरगढ़ ओडिसा) में एन.टी.पी.सी. के द्वारा 22.00 लाख रु. प्रति एकड़ की दर से मुआवजा राशि का निर्धारण किया गया है।
- (9)13. यह कि उपरोक्त कलिकार बिन्दुओं की ध्यान में रखते हुए एवं विधिवत मूँसि-अर्जन प्रकिया के अनुकूल निराकरण कर आपत्तिकर्ता को सूचना/जानकारी देने के उपरान्त ही मूँसि - अर्जन की आगम कार्यावाही किया जावे ताकि मविष्य में एन.टी.पी.सी. द्वारा पुनर्वासिना की भांती इस पुनर्वासिना में भी मूँसि पर कब्जा लेने के उपरान्त प्रभावितों को अनावश्यक न्यायालयीन कार्यावाही में उलझना न पड़े। यदि जानबूझ कर आपत्तिकर्ता के हित को ताक में रखते हुए अवैधिक पूर्ण कार्यावाही की जाती है तो उसकी समस्त जवाबदारी महप्रबंधक एन.टी.पी.सी. की होगी। एन.टी.पी.सी. काल माइनिंग पुनर्वासिना के सेल लाइन्स निर्माण हेतु मूँसि-अर्जन के तहत धारा नं. 17/2 कुल रकबा 1.214 है, जिसमें से 0.607 है. मूँसि अर्जन किया जाना प्रस्तावित है, के अतिरिक्त मूँसि का मूँसि अर्जन किसे जाने की आवश्यकता नहीं, तथा प्रस्तावित सेल लाइन्स से सीनो और से विधी मूँसि का पृथक से पृथक प्रकरण तैयार किया जा रहा है।
- (9)1. मूँसि अर्जन, पुनर्वासिना एवं पुनर्वासिनापन में उचित प्रतिकर एवं परदाशिला अधिकार अधिनियम 2013 के अध्याय 2 व 3 का प्राधान्यों से 2 मार्च 2015 को छ.ग. शासन के द्वारा अध्याय राजपत्र के माध्यम से औद्योगिक करीडर एवं अन्य परियोजना को छूट प्रदान की गई थी। इस अध्यादेश के अतिरिक्त में रहते

(9)11. दिनांक 02.7.2014 को विना स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक के विन्दुओं को सक्षम अधिकारी (कमिन्स विनास्पय) के द्वारा श्री अर्जुन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के अनुसूचित 2 के अनुसूचित कालिकाओं का पालन करते हुए 25 जुलाई 2015 को अनुसूचित किया गया है। विना स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक वर्ष 2014-15 में माननीय मंत्री

(9)10. भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18/12/15 की अधिसूचना के अध्याय 1 में उल्लेख है कि उहाँ केन्द सरकार समुचित सरकार के रूप में श्री अर्जुन कर रही है वही इस अधिसूचना के प्रावधान लागू होंगे। प्रकल्प में प्रस्तुत राजस्व अभिलेख एवं श्री अर्जुन द्वारा प्रस्तुत बैंक बरखा बरखा के अनुसूचित राजस्व अभिलेख को नियमानुसार दुरुस्त कर कायदाही की जा रही है।

(9)9. अधिनियम की धारा 11 के पश्चात् समयावधि में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निम्नानुसार जांच कर निरकल्प किया गया है।

(9)8. दिनांक 03.6.2016 की धारा 19 के राजपत्र प्रकाशन उपरान्त 27.6.2016 एवं पुनः 30.7.2016 की तिथि निवत कर धारा 21 की सुनवाई की गई। इस प्रकार श्री-अर्जुन अधिनियम की धारा 19 एवं 21 के मध्य दिनांक 03.6.2016 का एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियाँ ली गईं। धारा 21 के नोटिस के पूर्व धारा 19 का प्रकाशन क्षत्रिय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में, संबंधित ग्राम प्रकाशन एवं अतिरिक्त रूप से निम्नानुसार एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियाँ ली गईं। धारा 21 के नोटिस के पूर्व धारा 19 का प्रकाशन की वृत्त में अधिसूचना के अध्याय 1 में उल्लेख है।

(9)7. कमिन्स विनास्पय, समाज विनास्पय द्वारा अनुसूचित पुनर्वासन योजना का धारा का प्रकाशन प्रभावित पत्र/ग्राम प्रकाशन/वृत्त साइट में उपलब्ध कर दिया गया था।

(9)6. ग्राम वृत्त के पूर्व में देल लार्डन किसी प्रकार का श्री-अर्जुन की कायदाही नहीं हुई है। आपत्तिकर्ता द्वारा को गई आपत्ति पूर्ण एवं असत्य है।

(9)5. निम्नानुसार प्रारंभिक अधिसूचना ई-राजपत्र के रूप में समुचित सरकार (छ.ग. शासन) की वेबसाइट में दिनांक 31/12/2015 तक 60 दिन की समयावधि निवत थी। इस समय श्रीमा में प्राप्त आपत्ति 02.10.15 की प्रकाशित की जा चुकी है। ग्राम वृत्त में प्रारंभिक अधिसूचना का अंतिम प्रकाशन 30.10.15 विचार के तहत स्वीकार की गई थी।

(9)4. श्री अर्जुन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधानों का पालन करते हुए वर्तमान में श्री-अर्जुन की कायदाही की जा रही है।

(9)3. उपरोक्त प्रकाशन की पूर्ण करने के पश्चात् ही धारा 19 का प्रकाशन करवाया गया।

1. छ.ग. राजपत्र - दिनांक 2/10/2015
2. समुचित सरकार (छ.ग.शासन) वेबसाइट (www.cg.nic.in/ e Gazette) ई - राजपत्र - दिनांक 2/10/2015
3. स्थानीय समाचार पत्र राजपत्र संदेश दिनांक 18/10/2015
4. क्षत्रिय समाचार पत्र हरिमौ दिनांक 18/10/2015
5. ग्राम प्रकाशन दिनांक 08/11/2015

(9)2. धारा 11 का प्रकाशन निम्नानुसार किया गया है :-
जा चुकी थी।

ईए कलेक्टर राजपत्र द्वारा श्री अर्जुन प्रकल्प की प्रारंभिक अधिसूचना का अनुसूचित दिनांक 31.08.2015 को कर दिया था एवं आवेदक संख्या एनटीपीसी विनाईधारी द्वारा श्री-अर्जुन की राशि भी जमा कि

11) पंडितराम पटेल ग्राम जुड़ा निवेदन है कि पादरी वगैरह ग्राम जुड़ा के एक अधिकार में ग्राम ख. नं. 129/2 रकबा 0.008 के नाम से स्थित है जिसे औद्योगिक प्रयोजन हेतु भू-अर्जन किया गया है उक्त दर्शाते हैं वृक्षों में वृक्षों कि गणना नहीं हुआ है जबकि वृक्ष की संख्या 2 मीटर, संभर 2 नग, केकट 1 नग वृक्ष है। पादरी का खर्चावास ही युका है। जिस कारण मुआवजा पत्रक सूची में पादरी का नाम काटा जाकर पंडित, राईबरम पिता हरिहर, नीलसवती पिता भारत, राजकुमार के नाम से मुआवजा निर्धारण

नहीं है। का प्रावधान किया गया है, जो कि रोजगार के स्थान पर हींगा जवत भूमि मुख्य खंडक से लगाकर स्थित कानिहर विनासपुर के द्वारा अनुमोदित है। अनुमोदित योजना के अनुसार प्रभावित परिवारों को वार्षिकी प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के श्रेयल 1 एवं 2 के अनुसार हेतु पुनर्वास नीति एन.टी.पी.सी. तलाईपादरी के भू-अर्जन प्रकल्प हेतु भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासनप्रदान में उचित पाया गया है। जिसका मुख्यांकन परिणामा गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार किया गया है। बहरा, 4 नग पलास, एवं 3 नग नीम वृक्ष तथा 3 एच. पी. वार 1, एवं पक्का कुआं 1 भी स्थित होना खसरा नं. 17/2 रकबा 1.214 है भूमि में से रकबा 0.607 है में पर 39 नग मीटर, 6 नग वार, 3 नग सड़क स्थल जांच में आपत्तिकारों के विरुद्ध क. 1 से 5 तक का मौके पर अधिमंडित की जा रही भूमि प्रदान करने की कृपा करे।

3. अधिमंडित भूमि वार से स्थित है जिसमें स्थित सम्पत्तियां वार, कुआं, वृक्षों की संख्या निम्न है— संख्या 1, सावा 2, कसई 1, कुल 85 पड़/वार 5 एच.पी., पक्का कुआं 1, ग्राम जुड़ा के जमीन का वर्तमान बाजार मूल्य आर्थिक कम है। बाजार मूल्य निकट गांव में स्थित समान प्रकार के जमीन के मूल्य के बराबर किया जाये। अधिमंडित भूमि के अलावा भू-नाम में और कोई जमीन नहीं है। जिसमें 4 खदर्यों का जीवन व्यपन ही रहा है, अतः भू-परिवार के कम से कम 1 खदर्य की योग्यता के अनुकूल नौकरी का जीवन व्यपन ही रहा है, अतः भू-परिवार के कम से कम 1 खदर्य की योग्यता के अनुकूल नौकरी

2. युक्ति भूमि में दो अलग अलग रें लाइन बिछाई जा रही है अतः दोनों लाइनों के मध्य शेष जमीन का या ती अधिमंडल कर लिया जाय या उतनी ही क्षेत्रफल की भूमि उस और प्रदान की जाय जहां अधिकतम अप्रभावित भूमि शेष बच रही है ताकि एक मूल जमीन पर किसान को खेती करने में काई असुविधा न हो और मविष्य में भूमि का मूल्य भी कम ना हो।

1. अधिमंडित भूमि राड से लगा हुआ है इसे ध्यान रखकर मुआवजे के रकम तय की जाय।

10) आपत्तिकारों नारायण साहू पिता हीराधर साहू निवासी जुड़ा द्वारा अधिमंडित भूमि खसरा नं. 17/2 भूमि का अधिमंडल किया जा रहा है जिसके संबंध में निम्नलिखित दावा आपत्तियां निम्नानुसार है :-

(9)13) प्रकरण में निम्नानुसार अधिसूचना के प्रकाशन उपरंत समयावधि में प्राप्त दावा/आपत्तियों का निराकरण प्रस्ताव अनुसार राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमिखमी को धारा 21 की सूचना जारी कर सुना गया

(9)12) भारत में राज्य शासनों की पुनर्वास नीति के अनुसार, प्रचलित शासकीय नियम, भूमि का गाईड लाईन/बिडो छोट मूल्य आदि का पालन करते हेतु पुनर्वास नीति हर जगह राज्य शासन द्वारा अनुमोदित की जाती रही है। भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासनप्रदान में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के श्रेयल 1 एवं 2 के अनुसार एन.टी.पी.सी. तलाईपादरी के भू-अर्जन प्रकल्प हेतु पुनर्वास नीति सक्षम अधिकारी (कानिहर विनासपुर) के द्वारा अनुमोदित है।

एवं विधायक महोदय, कलक्टर, सी.ई.ओ. जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी ग्राम पंचायत आदि को सूचना देकर उपस्थिति में हुई। सभी बिट्टुओं में चर्चा होने के पश्चात 08.7.2016 को बैठक के बिट्टुओं की प्रति सभी संबंधितों एवं पंचायत को उपलब्ध कराई गयी है।

संयुक्त स्थल जांच में आवेदित भूमि खसरा नं. 24/1 रकबा 0.243 है. में से 0.053 है. भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। तथा स्थल जांच में मौके पर अधिग्रहित की जा रही भूमि पर 1 नग आम, 2 नग महंगा वृक्ष स्थल होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिगणना माईड लार्डन वर्ष 2015-16 के

कि जाती है। तो मुआवजा आपत्ति जनक एवं अस्वीकार होगा।
 जमीन का वर्तमान बाजार मूल्य अत्यधिक कम है, यदि इसे ही मूल्य मान्य कर मुआवजे की रकम तय संशोधन कि आवश्यकता है, अतः पुनः गणना कर मूल्यांकन करने के लिए आदेशित करें। ग्राम जुई के भूमि पुनः स्पष्ट रेखांकन करने के लिए आदेशित करें। अधिग्रहित भूमि में स्थित संपत्तियों की संख्या में दावा आपत्तियां सादर प्रस्तुत है। अधिग्रहित भूमि का रेखांकन स्पष्ट नहीं है अतः अधिग्रहित की जा रही जिला रायगढ़ प.ह.नं. 38 यह की भू-अर्जन का अधिग्रहण किया जा रहा है। इसके संबंध में निम्नलिखित

वृक्षनी प्रति र. नरसिंह जालि भूईया सा.देह भूमि खसमी खसरा नं. 24/1 निवासी ग्राम जुई तह व. अधिग्रहित भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। इसके संबंध में निम्नलिखित जिला रायगढ़ प.ह.नं. 38 यह की भू-अर्जन का अधिग्रहण किया जा रहा है। इसके संबंध में निम्नलिखित

मूल्यांकन परिगणना माईड लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार किया गया है।
 भूमि पर 4 नग बार, 2 नग रिया, 1 नग सेमर, एवं 2 नग बेल वृक्ष स्थल होना पाया गया है। जिसका अद्यतन बाजार अभिलेख के अनुसार भू अर्जन पत्रक तैयार किया गया है। तथा अधिग्रहित की जा रही है। बहादुर जिला लालमणी का फौजी नागातरण किया जाकर उसके विधिक वारिसानों के नाम पर संयुक्त स्थल जांच में खसरा नं. 326/8 रकबा 0.405 है में से रकबा 0.117 है. अधिग्रहित की जा रही

दर्ज नहीं किया गया है जिससे आवेदक को अधिक क्षति हो रही है।
 दृष्टि भूमि वृक्ष महंगा 2 नग बार 1 नग सोनारी 1 नग बार नग रिया 2 नग है जिन्हें वृक्ष कालम में बहादुर का नाम विलीपित कर उनके विधिक वारिसानों के नाम से भू-अर्जन प्रकरण तैयार किया जावे युका है। तथा उनके विविध वारिसार प्रमसागर, दिया, बसंती, संख्या वृधधारिन है। ऐसी स्थिति में मूलक एक अधिकार में खसरा नं. 326/8 रकबा 0.117 है. तैयार किया गया है। बहादुर का स्वभाव हो

प्रमसागर जिला र. बहादुर ग्राम जुई निवेदन है कि श्रीमती बहादुर, वृधियारीन जिला लालमणी ग्राम जुई प्रक अर्जुनादित माईड लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।
 उक्त अधिग्रहित की जा रही भूमि पर गृह निर्माण (गौशाला) पर्यु पालन स्थल नहीं है। भू अर्जन अधिग्रहण किया जा रहा है। मौके पर स्थित परिसमत्तियों का परिगणना मूल्यांकन कर दिया गया है। संयुक्त स्थल जांच में आवेदित भूमि खसरा नं. 17/3 रकबा 0.809 है. में से रकबा 0.061 है. भूमि का

एवं अस्वीकार होगा।
 कम है, यदि इसे ही मूल्य मान्य कर मुआवजे की रकम तय कि जाती है। तो मुआवजा आपत्ति जनक तय कर मुआवजा प्रदान करने की कृपा करें। ग्राम जुई के जमीन का वर्तमान बाजार मूल्य अत्यधिक आपके द्वारा किचे जा रहे भू अर्जन में शामिल करने कि कृपा करे एवं गृह को अधिकतम उचित मूल्य आपकी द्वारा दिये गये नीटिस में किसी प्रकार का कोई विवरण नहीं है। भूमि का निरीक्षण कर गृह को खसमी द्वारा उक्त भूमि पर गृह निर्माण (गौशाला) पर्यु पालन कार्य के लिए किया गया है, जिसका कि संख्या में संशोधन कि आवश्यकता है, अतः पुनः गणना कर मूल्यांकन करने के लिए आदेशित करें भूमि क्षेत्रकल का पुनः स्पष्ट रेखांकन करने के लिए आदेशित करें। अधिग्रहित भूमि में स्थित संपत्तियों की आपके समक्ष प्रस्तुत है। अधिग्रहित भूमि का रेखांकन स्पष्ट नहीं है। अतः अधिग्रहित की जा रही भूमि के रायगढ़ यह कि भू-अर्जन का अधिग्रहण किया जा रहा है जिसके संबंध में निम्नलिखित दावा आपत्तियां बहादुर व. विष्णु जालि कंबट सा.देह भूमि खसमी ख नं. 17/3 निवासी ग्राम जुई प.ह.नं. 28 तह. जिला प्रक अर्जुनादित माईड लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।
 जा रही भूमि पर वृक्ष स्थल नहीं होना पाया गया है। अद्यतन बाजार अभिलेख के अनुसार भू अर्जन संयुक्त स्थल जांच में मौके पर खसरा नं. 129/2 रकबा 0.134 है में से रकबा 0.008 है. अधिग्रहित की पड़ोशानी के आधार पर ग्राम जुई स्थित भूमि को प्रदान किया जाना न्यायोचित होगा।
 किया जाना उचित है। अतः निवेदन है कि आवेदन स्वीकार किया जाकर ग्राम कोतरलिया, चितकाकानी,

14

13

12

[Handwritten signature]

किया गया है। जिसका मूआवजा भूगोलान निम्नानुसार देय होगा।

सक्षम अधिकारी के बिना अनुशा के कृष राजेश उर्फ धरमसिंह पिता गोपीराम जालि अहरिया द्वारा कय तथा खसरा नं. 17/5, रकबा 0.405 मं से रकबा 0.121 हे भूमि शासकीय पट्टा से प्राप्त भूमि हे जिसे अनुसार प्रभावित परिवारों को बाँटिकी का प्रावधान किया गया है, जो कि राजगार के स्थान पर होगा। 1 एवं 2 के अनुसार हेतु पुनर्वास नीति कमिश्नर बिलासपुर के द्वारा अनुमोदित है। अनुमोदित योजना के अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के बौद्धिक अनुसार मूआवजा निर्धारण किया गया है। एन.टी.पी.सी. बलाईपाली के मू-अर्जन प्रकरण हेतु भूमि वर्ष 2015-16 के अनुसार किया गया है। मू अर्जन पत्रक अनुमोदित गाँइड लाईन वर्ष 2015-16 के वर्ष एवं 1 नलकृप 5 एवं पी. पी. भी स्थित होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिगणना गाँइड लाईन जा रही भूमि पर 11 नग महुआ, 1 नग बरगद, 1 नग बहेरा 2 नग पलास 4 नग मुनगा 2 नग सेन्हा रकबा 0.898 हे भूमि अधिग्रहित की जा रही है उक्त भूमि मुख्य सड़क से लगाकर नहीं है, अधिग्रहित की संयुक्त स्थल जांच सं खसरा नं. 17/5, रकबा 0.405 मं से रकबा 0.121 हे भूमि एवं खसरा नं. 82/1

करे।

जिसमें 3 सदस्यों का जीवन व्यापन हो रहा है, अतः मही योग्यतानुसार नौकरी प्रदान करने की कृपा जमीन का मूल्य बराबर किया जाए। अधिग्रहित भूमि के अलावा मरे नाम और कोई जमीन नहीं है। के जमीन का वर्तमान बाजार मूल्य अत्यधिक कम है, बाजार मूल्य निकट गाँव में स्थित समान प्रकार के सम्पत्तियों की संख्या में संशोधन की आवश्यकता है, भूमि में निम्न संपत्तियाँ स्थित है बोर 5 एवपी. 1 नग, महुआ 8 नग, बरगद 1 नग, हरा 1, पलास 2, कसही 3 नग, मुनगा 7, नीबू 2, नीम 2 नग। जुड़ा खककर मूआवजे कि रकम तय कि जाये। अधिग्रहित भूमि स्थित है जिसमें 5 एवपी बोर स्थित है। अन्य संबंध में दवा आपत्ति आपके समाने सादर प्रस्तुत है। अधिग्रहित भूमि रोड से लगा हुआ है, इसे स्थान ग्राम जुड़ा प.ह. नं. 38 तह व जिला रायगढ़ यह कि मरे भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है जिसके राजेश उर्फ धरमसिंह पिता गोपीराम जालि अहरिया सादेह भूमि स्वामी खसरा नं. 17/5, 82/1 निवासी

16

अनुसार किया गया है।

पलास वृक्ष स्थित होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिगणना गाँइड लाईन वर्ष 2015-16 के अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। भूमि पर 1 नग बोर, 3 नग महुआ, 1 नग धोबनी, एवं 2 नग खसरा नं. 568/1 रकबा 0.008 हे. मं से रकबा 0.008 हे भूमि के अतिरिक्त शेष बचत भूमि को पत्रक खसरा नं. 25/1 रकबा 0.069 हे. मं से 0.020 खसरा नं. 253/4 रकबा 0.170 हे. मं से 0.020 हे. संयुक्त जांच प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया है कि स्थल जांच में मौके पर अधिग्रहित की जा रही मू अर्जन मू-अर्जन के संबंध में आवेदक अपना आपत्ति दर्ज कराना है अतः आवेदन स्वीकार करने की कृपा करे। मं रखते हुए मू-अर्जन मूआवजा राशि तैयार किया जावे ताकि आवेदक को आर्थिक क्षति न हो अन्यथा आवेदन पत्र महेश के पुत्र द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। अतः निवेदन है कि उपरोक्त विनियमों को स्थान ग्राम से कम होने से आवेदक को आर्थिक क्षति हो रही है। कृषक महेश राम अक्षय्य होने के कारण ग्राम जुड़ा के भूमि से मूल्यांकन काफी अधिक है और आवेदक की भूमि का मू-अर्जन मूल्यांकन उक्त कोतरतियाँ, विटकाकानी, पण्डरीपानी स्थित भूमि का मू-अर्जन औद्योगिक प्रयोजन में किया गया है जो बोर दो नग, परसा 2 नग, तैन्दू 3 नग है जिन्हें भी वृक्षा की सृष्टि में जोड़ा जावे। ग्राम क्षति हो रही है। दर्शित भूमि में वृक्षा में मात्र 3 नग महुआ का वर्णित है। जबकि उक्त भूमि में की बचत हो रही है और मू अर्जन के छूट जाने से उक्त भूमि कृषि योग्य न रहने से आवेदक को काफी अधिक है और मात्र उपरोक्त रकबा की भूमि का अर्जन किये जाने से खसरा नं. से दर्शित भूमि में रकबा तह व जिला रायगढ़ को औद्योगिक प्रयोजन हेतु अर्जन में लिया गया है। उक्त दर्शित भूमि का रकबा रकबा 0.020 हे. खसरा नं. 253/4 रकबा 0.020 हे. तथा 568/1 रकबा 0.08 हे. ग्राम जुड़ा प.ह. नं. 38 तह व जिला रायगढ़ जालि अहरिया सादेह भूमि स्वामी प्रशा की भूमि खसरा नं. 251/

15

निर्धारण किया गया है।

अनुसार किया गया है। मू अर्जन पत्रक अनुमोदित गाँइड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मूआवजा

(18)6 यह कि धारा 4 (1) में-अर्जन अधिनियम 1894 के तहत पूर्व में ग्राम जुर्ना पर 38 तह.व जिना रायगढ़ में दैनिक समाचार पत्र दैनिक भारकर दिनांक 22/12/2013 को प्रकाशन कराया गया था, जिसमें आपत्तिकर्ता के स्थानित की मूँसि खसरा नं. 78/2.78/8 रकबा 0.389 हे० कृषि मूँसि प्रमावित उल्लेखित है। उक्त मूँ-अर्जन की कायवाही की व्यपगत (Lepts) किया जाना प्रावधानित है, जिसके तहत आज दिनांक तक प्रस्तावित मूँसि को मुक्त नहीं किया गया है।

(18)5 यह कि दिनांक 17.10.2015 की धारा (1) मूँ-अर्जन अधिनियम के तहत प्रारंभिक अधिसूचना प्रकाशित कराया जाता है एवं समुचित सरकार के वेवसाईड में प्रकाशन न करा कर उक्त पूर्वक एन.टी.पी.सी. में कायद कर्मचारियों के द्वारा रायगढ़ के वेवसाईड में दिनांक 13.05.2016 को कराया जाता है तथा उसी दिनांक 13.05.2016 की धारा 19 का भी वेवसाईड में प्रकाशन कराया जाता है जबकी मूँ - अर्जन की प्रकिया में समयावधि का गणना अंतिम प्रकाशन दिनांक को माना जाना प्रावधानित है तथा धारा 11 (1) के प्रकाशन पश्चात 60 दिन के समयावधि आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु प्रावधानित है, जिसका भी पालन नहीं किया गया है।

(18)4 यह कि समन्वित का अधिकार विधिक अधिकार के साथ साथ मानवाधिकार भी है, जिस अतिरिक्त व उक्त पूर्वक उक्त अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

(18)3 यह कि उक्त प्रस्तावित मूँ-अर्जन के बिना मुक्त किये एवं आपत्तिकर्ता के नामान्तरण को अतिरिक्त प्रकियाओं का पालन कर निरस्त कर दिया गया है, जिसके तहत उक्त निरस्तीकरण आदेश के विरुद्ध आपत्तिकर्ता के द्वारा तहसीलदार रायगढ़ के द्वारा नामान्तरण निरस्तीकरण के विरुद्ध पुनः विधिवत नामान्तरण हेतु तहसीलदार रायगढ़ के समक्ष प्रस्तुत कर सम्पूर्ण प्रकिया (पटवारी प्रतिवेदन, उभय पक्ष के साक्ष्य इत्यादी) पूर्ण किया जा चुका है एवं उक्त प्रकरण आदेश हेतु लंबित है, जिसकी सूचना रायगढ़ के प्रारंभ से है तथा आपत्तिकर्ता के द्वारा धारा 11 के अधिसूचना प्रकाशन पर आपत्ति प्रस्तुत किया गया था जिस पर उपरोक्त तथ्यों का उल्लेख किया गया था। जिस पर तहसीलदार रायगढ़ के द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में उचित निराकरण न कर धारा 19 का मूँ-अर्जन तहसीलदार रायगढ़ के द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में उचित निराकरण न कर धारा 19 का मूँ-अर्जन अधिनियम 2013 अधिसूचना रूटिपूर्व प्रकाशन कराया गया जो न्याय संगत नहीं है।

(18)2 यह कि धारा 11 के वेवसाईड में प्रकाशन के पूर्व ही धारा 19 का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में कर दिया गया है। एक ओर धारा 11 के प्रकाशन के प्राकण पूर्ण नहीं किया गया था वहीं दूसरी ओर धारा 19 का प्रकाशन किया जाना नवीन मूँ - अर्जन अधिनियम 2013 के प्रावधानों के विपरीत है।

(18)1 यह कि भारत सरकार के द्वारा दिनांक 31.12.2014 को जारी अधिसूचना में जिन परिचयना में समुचित सरकार का मूँसि स्थानी निरस्त बना हो उन परिचयनाओं पर मूँ-अर्जन के अध्याय अधिनियम 2व०3 का छुट प्रदान किया गया है। जिसके तारतम्य में छ.ग. शासन के द्वारा 02.03.2015 की अधिसूचना जारी कर अध्याय 2 व 3 का प्रावधान लागू किया गया था, उक्त अधिसूचना की अंतिम दिनांक 31.08.2015 था, चूंकि भारत सरकार के द्वारा लाये गये अध्यादेश पूर्व में शून्य हो चुका है, जिसको आचार बना कर केंद्रल आदेश पत्रक में उल्लेखित कर छुट के दाखरे में लाया गया है, जबकी उक्त दिनांक को धारा 11 के प्रकाशन के प्राकण, मुनादी, समाचार पत्र, राजपत्र, वेवसाईड में कियी भी शैति से प्रकाशन नहीं किया गया था, ऐसी स्थिति में छ.ग. शासन के द्वारा एवं मूँ-अर्जन अधिकारी के द्वारा अध्याय 2 व 3 का पालन किये गये अंतिम कायवाही किया जाना न्याय संगत नहीं है।

पत्रक अनुमोदित गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है। मूँ अर्जन 3 नग कसही 7 नग पलास, 1 नग लूँ 1 नग कुन्ही 1 नग जामुन, 25 नग बार वृक्ष स्थित होना पाया गे। मूँ अर्जन पर अधिसूचित की जा रही मूँसि पर 10 नग महुआ, 5 नग नीम, 1 नग डुमर 3 नग खैर 1 नग बेहरा आवेदित मूँसि खसरा नं. 78/8 रकबा 0.312 है, मूँसि का अधिग्रहण किया जा रहा है। स्थल जांच में पत्रक अनुमोदित गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।

- (18)12. एन.टी.पी.सी. की पुनर्वासि नीति सम्पूर्ण भारत में एक होती है। वर्ष 2015 में एन.टी.पी.सी. को द्वारा ग्राम-महिलाएं (पु.) विद्यालय (मध्यप्रदेश) में कृषि मूँसि का एलिस्टड सेल जीव के माध्यम से कथ किया गया है एवं दिनांक 18.03.2015 को कीमत सूचकांक के अनुसार प्रभावि मूँसिखानियों को नौकरी के एवज में 70000/-रु. (सात लाख) प्रकल दिया गया है, यौंकि एन.टी.पी.सी. को द्वारा रायगाढ़ के परिवारजनाओं है व पुनर्वासि प्रतिवेदन, धारा 19 के साथ पुनर्वासि का सार प्रकाशन नहीं करया गया है। अतएव वर्तमान कीमत सूचकांक के अनुसार नौकरी के एवज में प्रकल प्राप्त करने के अधिकारी है एवं राष्ट्रीय राज मार्ग से लगी हुई मूँसि की दर से मुआवजा राशि का निर्धारण कर मूँ-अर्जन प्राप्त करने का प्रयत्न कर रहे हैं। जो कि अज्ञेय है।
- (18)11. एक और एन.टी.पी.सी. के पुनर्वासि निधि के कडिका 9.6 राजनगर एवं बाँकी में प्रति प्रभावि एक बार 5.00 लाख दिया जावेगा या बाँकी प्रतिशत कीमत सूचकांक के अनुसार कम से कम 2000/-रु. प्रति माह उल्लेखित है, जबकी 02.07.2014 जिला स्तरीय पुनर्वासि समिति की बैठक में मूँ - अर्जन के मुआवजे के अतिरिक्त 30000/-रु. प्रति एकड अनुपातिक 20 वर्ष तक मूँसि विस्थापित परिवार को दिया जावेगा। प्रत्येक 2 वर्ष में प्रति एकड 500/-रु.बर्बाया जावेगा। जबकी सूचना के अधिकार के तहत बाँकी मूँसि जानकारी में जिला कार्यालय रायगाढ़ के द्वारा जिला स्तरीय पुनर्वासि समिति का गठन वर्ष 2013-14 में नहीं हुआ है और न ही इस संदर्भ में सविवालय रायपुर में दिशा निर्देश प्राप्त हुआ है, बलाया गया। अतः न तो पूर्व में पुनर्वासि स्कीम विधिवत बनाया गया और नहीं धारा 16 (5) के तहत पुनर्वासि प्रतिवेदन के संदर्भ में कोई सुनवाई किया गया है। यौंकि छ.म. शासन का कृषि मूँसि में निरन्तर मूँ-खानी है एवं एन.टी.पी.सी. प्रस्तावक है, ऐसी स्थिति में वर्ष 2013 मूँ-अर्जन अधिनियम के प्रावधानों को मनमाने ढंग से लागू कर आपत्तिकर्ता/एलिस्टड मूँसि खानी को उसके संवैधानिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, जो कि अज्ञेय है।
- (18)10. प्राथमिक अधिसूचना के प्रकाशन के पश्चात भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18.12.2015 को जारी किया गया था जिसमें मूँसि अभिलेखों को अद्यतन करवाने की नियम उल्लेखित है जिसके अनुसार मूलक व्यक्तियों के नामों को लीप करना, मूलक व्यक्तियों के वारिसों का नामों को प्रवृत्ति करना, मूँसि पर अधिकारों के रजिस्ट्री के समुपकरणों जैसे- विकी,दान, विभाजन आदि को प्रवृत्ति करना बंधक के समी प्रवृत्तियों को अभिलेखों प्रवृत्ति करना इत्यादी उल्लेखित है, किन्तु उक्त अधिसूचना के प्रकाशन के उपरान्त दिनांक 23.02.2016 को धारा 11 (1) में आपत्ति पर निराकरण हेतु नियत किया गया था किन्तु उक्त अधिसूचना में दक्षिण बिन्दुओं को नजर अंदाज करते हुए या ताक में रखते हुए आपत्तिकर्ता के संवैधानिक अधिकार का हनन कर उल पूर्वक अनवेदक एवं तहसीलदार के द्वारा रजिस्ट्रार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो कि मूँ-अर्जन की धारा 86.87 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।
- (18)9. यह कि धारा 11 के परिप्रेक्ष्य में आपत्तिकर्ता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक एन.टी.पी.सी. एवं तहसीलदार के द्वारा अप्पट्ट प्रतिवेदन एवं मूँ-अर्जन की प्रक्रियाओं के विपरीत प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर मूँ-अर्जन अधिकारी रायगाढ़ के द्वारा प्रस्तुत आपत्ति का बिन्दुवार निराकरण नहीं किया गया है तथा बिना निराकरण के ही आदिम कार्यावाही की गई है, जो कि अज्ञेय है।
- (18)8. यह कि धारा 19 राजपत्र में दिनांक 03/06/2016 को प्रकाशित करया जाता है वह भी उपरोक्तानुसार रजिस्ट्रार है एवं धारा 19 मूँ-अर्जन अधिनियम का प्रकाशन के प्राकप पूर्ण करते वरि धारा 21 के नोटिस जारी किया जावेगा। अतएव समस्त प्रकिया मूँ-अर्जन अधिनियम के तहत आदेशात्मक कार्यावाही है, जिसका पालन नहीं किया गया है। अतएवं सम्पूर्ण कार्यावाही शून्य व अवैधानिक है।
- (18)7. धारा 19 के पुनर्वासन व पुनर्स्थापना तथा घोषणा और सार्क का प्रकाशन करया जाना प्रावधानित है किन्तु पुनर्वासन व पुनर्स्थापना सार्क का प्रकाशन आज दिनांक तक नहीं करया गया है। जबकी मूँ-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 19 (2) की उप धारा 1 में यह स्पष्ट प्रावधान है वकके उप धारा के अधिन कोई घोषणा तब तक नहीं किया जावेगा, तब तक पुनर्वासन व पुनर्स्थापन का योजना का सार ऐसी घोषणा के साथ नहीं किया जाता। एतएवं रजिस्ट्रार प्रक्रियाओं का समावेश कर मात्र प्रबंधक एन.टी.पी.सी. द्वारा मूँसि प्राप्त करना चाहता है, जो कि अवैधानिक है।

- (18)8. दिनांक 03.6.2016 को धारा 19 के राजपत्र प्रकाशन उपरि 27.6. एवं पुनः 30.7.2016 की तिथि निवत कर धारा 21 की सुनवाई की गई इस प्रकार मू-अर्जन अधिनियम की धारा 19 एवं 21 के मध्य नियमानुसार एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियां ली गई। धारा 21 के नोटिस के पूर्व धारा नियमानुसार एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियां ली गई। धारा 21 के नोटिस के पूर्व धारा
- (18)7. कनिष्ठ विभागाध्यक्ष, समाज विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित पुनर्वास योजना का धारा 19 के प्रकाशन प्रभावित धारा 19 के प्रकाशन के साथ कराया गया है। इसका उल्लेख धारा 19 के (राजपत्र/समाचार पत्र/ग्राम प्रकाशन/वेब साइट प्रकाशन) प्रकाशन में भी किया गया है।
- (18)6. ग्राम जुड़ा में पूर्व में मू- अर्जन की कार्यवाही नहीं हुई। आपत्तिकर्ता द्वारा कि गई आपत्ति अपूर्ण एवं असत्य है।
- (18)5. नियमानुसार प्रारंभिक अधिसूचना ई-राजपत्र के कप में समर्थित सरकार (छ.ग. शासन) की वेबसाइट में 02.10.15 को प्रकाशित की जा चुकी है। ग्राम जुड़ा में प्रारंभिक अधिसूचना का अंतिम प्रकाशन 30.10.15 के अनुसार 31/12/2015 तक 60 दिन की समयवाधि निवत थी। इस समय सीमा में प्राप्त आपत्ति विचार के लिए स्वीकार की गई थी।
- (18)4. मू-अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शा आधिकार अधिनियम 2013 के प्रावनों का पालन करते हुए वर्तमान में मू-अर्जन की कार्यवाही की जा रही है।
- (18)3. ग्राम जुड़ा तह. रायगढ़ अंतर्गत है एवं आपत्तिकर्ता द्वारा धारा 11 की प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन उपरि कोई भी आपत्ति अनुविभागीय आधिकारी रायगढ़ को निवत समय सीमा में प्राप्त नहीं हुई थी।
- (18)2. धारा 11 का प्रकाशन निम्नानुसार किया गया है :-
1. छ.ग. राजपत्र - 2/10/15
 2. समर्थित सरकार (छ.ग. शासन) वेबसाइट (www.cg.nic.in/ e gazette) ई - राजपत्र - 2/10/2015
 3. स्थानीय समाचार पत्र रायगढ़ संदेश दिनांक 18/10/2015
 4. क्षत्रिय समाचार पत्र हरिद्वारी दिनांक 18/10/2015
 5. ग्राम प्रकाशन दिनांक 08/11/2015
- (18)1. मू-अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शा आधिकार अधिनियम 2013 के अध्याय 2 व 3 का प्रावधानों से 2 मार्च 2015 को छ.ग. शासन के द्वारा असाधारण राजपत्र के माध्यम से आधिकारिक कालेण्डर एवं अन्य परिचयना को छूट प्रदान की गई थी। इस अध्याय के अस्तित्व में रहते हुए कलेक्टर रायगढ़ द्वारा मू-अर्जन प्रकल्प की प्रारंभिक अधिसूचना का अनुमोदन 31.08.2015 को कर दिया गया था एवं आवेदक संख्या एनटीपीसी लिगाईपाली द्वारा मू-अर्जन की राशि भी जमा कि जा चुकी थी।
- (18)13. यह कि उपरोक्त कठिनायों का ध्यान में रखते हुए ए व के धारा मू-अर्जन प्रकल्प के अर्जित निराकरण कर आपत्तिकर्ता को सूचना/जानकारी देने के उपरि ही मू- अर्जन की अधिम कार्यवाही किया जावे ताकि भवि य में एन.टी.पी.सी. द्वारा परिचयना की जाती इस परिचयना में भी मू-अर्जन प्रकल्प के उचित प्रभावितों को अनावश्यक न्यायालयीन कार्यवाही में उलझाने न पड़े। यदि जानबूझ कर आपत्तिकर्ता के हित को नुकसान में रखते हुए आवेदक पूर्ण कार्यवाही की जाती है तो उसकी समस्त जवाबदाही महाप्रबंधक एन.टी.पी.सी. की होगी।
- अधिनियम के तहत 4 गुना, दिया जावे एवं संबन्ध पुनर्वास नीति लागू किया जाना प्रावधानित है जिसका लाभ प्रदान किया जावे। पूर्व में दिनांक 20.01.16 का आपत्ति के साथ प्रकीर्ण विषय पत्र की छाया प्रति संलग्न किया गया है।

(Handwritten signature)

20 कृपयम पिता संतरम जाति अधिया सा.देह मूिम स्वामी उवत मूिम के मय मं खसरा नं. 64/2 रकबा 0.121 हे0 मूिम स्थित हे जिस औद्योगिक प्रयोजन हेतु मू अर्जन किया गया हे उवत दर्शित मूिम जो चारों ओर से घिर जाने से कषक को आने जाने में काफी परेशानी हेगी ऐसी स्थिति में इस मूिम को अर्जन

निर्धारण किया गया हे ।
पत्रक तैयार किया गया हे । मू अर्जन पत्रक अनुमोदित गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा किया गया हे । मूलक तेजरम का फौली नामांतरण किया जाकर अर्जन अभिलेख के अनुसार मुआवजा वृक्ष स्थित होना पया हे । जिसका मूल्यांकन परिगणना गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार नग चार 2 नग बीजा, 1 नग साना, 1 नग कठली, 2 नग रिया 1 नग कसही 1 नग तेंदू एवं 1 नग नीम स्थल जांच में मौके पर अधिग्रहित की जा रही मूिम पर 36 नग महुआ 2 नग पलास 11 नग खैर 12 हे । ऐसी स्थिति में अन्य ग्रामों की भांति का मुआवजा निर्धारित किया जावे ।

मू अर्जन प्रकरण में तेजरम का मूल्य ही चुका हे तथा फौली नामांतरण में उसकी पति गुरुवारी का नाम दर्ज हो गया हे मूल तेजरम के स्थान पर उसकी पति का मुआवजा प्रदान किया जावे । ग्राम जर्ज मूिम का मुआवजा राशि कम निर्धारित हे जब कि पड़ोसियों की कोतरिया आदि ग्रामों का मुआवजा राशि ज्यादा है । ऐसी स्थिति में अन्य ग्रामों की भांति का मुआवजा निर्धारित किया जावे ।

अर्जत, तेजरम, भोगीलाल बि.देरा जाति कवर सा. देह मूिम स्वामी ख. नं. 73/1, 78/3 रकबा 0.146 0.231 हे. तथा खसरा नं. 78/9 रकबा 0.146 हे. मूिम को औद्योगिक प्रयोजन हेतु अधिग्रहित किया गया हे । जिसमें वृक्षों कि संख्या का सही गणना नहीं किया गया हे । उवत मूिम में कठली एक नग, नीम एक नग, फरसा दो नग जिसका भी वृक्ष कालम में गणना किया जावे ।

19 प्रकरण में निधमानुसार अधिसूचना के प्रकाशन उपरान्त समयावधि में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निराकरण पश्चात प्रस्ताव अनुसार राजस्व अभिलेख में दर्ज मूिमस्वामी को धारा 21 की सूचना जारी कर

(18)12. भारत में राज्य शासनों की पुनर्वास नीति के अनुसार, प्रचलित शासकीय नियम, मूिम का गाईड लाईन /बिकी खाट मूिम आदि का पालन करते हुये पुनर्वास नीति हर जगह राज्य शासन द्वारा अनुमोदित की जाती रही हे । मूिम अर्जन,पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के सेड्यूल 1 एवं 2 के अनुसार एन.टी.पी.सी. तलार्डपाली के मू-अर्जन प्रकरण हेतु पुनर्वास नीति सक्षम अधिकांश (कमिश्नर बिलासपुर) के द्वारा अनुमोदित हे ।

(18)11. दिनांक 02.7.2014 को जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक के बिन्दुओं को सक्षम अधिकांश (कमिश्नर बिलासपुर) के द्वारा मूिम अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के सेड्यूल 2 के अनुसार निर्देशित कालेडकाओं का पालन करते हुये 25 जुलाई 2015 को अनुमोदित किया गया हे । जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक वर्ष 2014-15 में माननीय मंत्री एवं विधायक महोदय, कलेक्टर, सी.ई.ओ. जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकांश, लहसीलदार, पटवारी, ग्राम पंचायत आदि को सूचना देकर उपस्थिती में हुई । सभी बिन्दुओं में चर्चा होने के पश्चात 08.7.2016 को बैठक के बिन्दुओं की प्रति सभी संबंधितों एवं पंचायत को उपलब्ध कराई गयी हे ।

(18)10. भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18/12/15 की अधिसूचना के अध्याय 1 में उल्लेख हे कि जहाँ केन्द्र सरकार समुचित सरकार के रूप में मू अर्जन कर रही हे वही इस अधिसूचना के प्रावधान लागू होंगे । प्रकरण में प्रस्तुत राजस्व अभिलेख एवं मूिम स्वामी द्वारा प्रस्तुत वृक्ष दर्शावणों के अनुसार राजस्व अभिलेख की निधमानुसार दुरुस्त कर कायदाही की जा रही हे ।

(18)9. अधिनियम की धारा 11 के पश्चात् समयावधि में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निधमानुसार जांच कर निराकरण किया गया हे ।

राधानंद की वेब साइट में अपलोड कर दिया गया था ।

19 का प्रकाशन क्षत्रिय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में, संबन्धित ग्राम प्रकाशन एवं आतिरिक्त रूप से

धनश्याम पिता दयाराम जालि अष्टरिया सा.देह भूमि स्वामी ग्राम जर्डी खसरा नं. 68/7, 567 रकबा 0.024, 0.028 हे. भूमि की औद्योगिक प्रयोजन हेतु अधिग्रहण किया गया है। जबकी भूमि स्वामी का सही नाम धनश्याम पटेल है अतः मुआवजा पत्रक में सही नाम धनश्याम के स्थान पर धनश्याम अंकित किया जावे। भूमि का मुआवजा राशि कम निर्धारित है विषयवर्तित लेख है कि ग्राम पंचायत जर्डी जो कि जिला मुख्यालय से लग्ना हुआ है (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के भूमि बाजार मूल्य राजस्व निरिहाक मजदूर रायगढ़ के मार्गदर्शक सिद्धांत के अनुसार अन्य गांवों से अत्यधिक कम आंका गया है जो संहारपद है। यैकि ग्राम जर्डी जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से लग्ने होने के बावजूद अन्य गांवों जैसे कि महपल्ली, कोतरलिया, शिवारलिया आदि जो कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की तुलना में भूमि का बाजार मूल्य बहुत कम है। यहां यह भी बात है कि ग्राम का भूमि आस पास के सभी गांवों से अपेक्षाकृत अधिक उपजाऊ एवं किमती है। आप कृषि यहाँ की अपेक्षा अधिक मात्रा में धान एवं सब्जी का उत्पादन हो रहा है इसकी पुष्टि आप कृषि विभाग एवं कृषि मण्डली से भी कर सकते हैं। विदित हो कि ग्राम पण्डरीपानी (पू) एवं ग्राम जर्डी एक ही पटवाणी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए ग्राम पंचायत है किंतु दोनों गांवों के भूमि के बाजार मूल्य में समान आसमान का अंतर है। वर्तमान में इस गांव से होकर एनटीपीसी की रेलवे लाईन जा रही है, जिसके भू-अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर इन्ही दरों के आधार पर भू-अर्जन का मुआवजा दर दिया जाता है तो ग्रामवासियों को भी नुकसान होने का अनुमान होने है। अतः आपसे कवरहू आग्रह है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकांश अधिनियम है कि

हो रही है।

जनकराम के नाम पर अधिग्रहण की जा रही भूमि खसरा नं. 342/2 रकबा 0.012 हे० भूमि प्रभावित नहीं रकबा 0.174 हे. में से रकबा 0.012 हे० भूमि का पूरक प्रकाशन किया जावेगा तथा मातृकराम पिता गाड्डे लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है। आवेदित भूमि ख.नं. 343/9 हेतु एनटीपीसी प्रधान द्वारा स्थायी रास्ता का सुविधा उपलब्ध करवाया जावेगा। भू अर्जन पत्रक अनुमोदित भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। के अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है। आवागमन आवेदित भूमि ख.नं. 58/4, रकबा 0.166 हे. में से 0.133 हे. 568/4 रकबा 0.016 हे. में से 0.016 हे०

राशि निर्धारण की जावे अन्यथा आवेदक को आपतित है।

मुआवजा पत्रक ग्राम कोतरलिया, बिककाकानी व पंडरीपानी स्थिति भूमि आधार पर तैयार कर मुआवजा न्यायविहित होगा। अतः निवेदन है कि उक्त संबंध में उचित विचार किया जावे तथा भूमि का भू अर्जन निरिहाकी प्रति संलग्न है ऐसी स्थिति में भू अर्जन प्रकल्प आवेदक के नाम से तैयार किया जाना उचित भूमि तहसीलदार के रा.प्र.क. 104/अ 6 अ /14-15 में गोपीराम के पक्ष से आदेश पारित हुआ है। अतः अर्जन मातृक राम के पिता जनकराम के नाम से धारा 19 के तहत भू अर्जन प्रकाश हुआ है। जबकि 58/4 की संपूर्ण भूमि को अर्जन में लिया जावे 1343/9 रकबा 0.174 हे. में से रकबा 0.012 हे० का भू स्थिती में केषक को भू अर्जन की गई भूमि में खार्डू रूप आवागमन हेतु रास्ता दिया अथवा खसरा नं. धार युक्त है जिससे आवागमन हेतु केषक को काफी परेशानी होनेगी और कृषी कार्य प्रभावित होगा ऐसी नं. 558/4 रकबा 0.133 हे. के अलावा इस खसरा नं. ज्यादा भूमि है जो धारों और से रेल लाईन से रकबा 0.133 हे० 568/4 रकबा 0.016 हे. का औद्योगिक प्रयोजन हेतु अर्जन किया गया है। भूमि खसरा नं. 558/4 गोपीराम पिता कृपाराम जालि अष्टरिया सा.देह भूमि स्वामी उक्त भूमि के मध्य में खसरा नं. 558/4

अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।

रास्ता का सुविधा उपलब्ध करवाया जावेगा। भू अर्जन पत्रक अनुमोदित गाड्डे लाईन वर्ष 2015-16 के उक्त भूमि को अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। आवागमन हेतु एनटीपीसी प्रधान द्वारा स्थायी खसरा नं. 64/2 रकबा 0.773 हे. में से 0.121 हे. भूमि अधिग्रहित की जा रही है। के अतिरिक्त संघ स्थित भूमि को प्रदान किया जाना न्यायविहित होगा।

कि आवेदन स्वीकार किया जाकर ग्राम कोतरलिया, बिककाकानी,पंडरीपानी के आधार पर ग्राम जर्डी किया जाना उचित है, अथवा आवागमन हेतु रास्ता खार्डू रूप से दिया जाना उचित है। अतः निवेदन है

भागवति प्रति जोतराम, नरेन्द्र, माधुरी कुमारी गीता, पिता जोतराम जाति अष्टरिया सा.देह मूँन स्वामी खसरा नं. क्रमशः 65/4, 65/8, 66/5, 66/7, 253/6, 350/4, 568/3 कुल रकबा क्रमशः 0.036, 0.010, 0.040, 0.028, 0.020, 0.063, 0.004 हे० मूँन स्थल हे निचे औद्योगिक प्रयोजन हेतु मूँ अर्जन किया गया है। उक्त दक्षिण मूँन निस्का मूँ अर्जन किया गया है। उक्त मूँन में चारी तरफ रकबा छूट जा रही है निस्का कृषक को आर्थिक क्षति हो रही है अतः बचत रकबा के कृषि कार्य कर पाना असम्भव है उक्त दक्षिण मूँन में मात्र 2 नग महुआ वृक्ष बालित किया गया है, जबकि इसके अलावा 12 मीटा, 4 चार वृक्ष, 1 नीम वृक्ष, 2 कसडी वृक्ष तथा 2 केकट वृक्ष है। निस्का गणना न करने से आवेदक को काफी क्षति हो

जाँ कि रोजगार के स्थान पर होगा।

अनुमोदित है। अनुमोदित योजना के अनुसार प्रभावित परिवारों को बाँकी का प्राधान्य किया गया है, अधिनियम 2013 के शीटनु 1 एवं 2 के अनुसार हेतु पुनर्वास नीति कमिशनर विभासपुर के द्वारा मूँ-अर्जन प्रकरण हेतु पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाण में उचित प्रतिकर एवं परदक्षिणा अधिकार तैयार किया गया है। के नाम पर मुआवजा राशि का भुगतान किया जावेगा। म.टी.पी.सी. तलाईपानी के निर्धारण किया गया है। अधिग्रहित की जा रही मूँन का मुआवजा पत्रक अद्यतन अभिलेख के अनुसार अनुसार किया गया है। मूँ अर्जन पत्रक अनुमोदित गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा पत्रक कुआँ मी स्थल होना पाया गया है। निस्का मूँनकन परिमाणना गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के निर्धारण, 2 नग मीटा, 1 नग कसडी, 7 नग अन्य, 3 नग महुआ, 1 नग केकट 1 नग नीम वृक्ष एवं 1 अधिग्रहित की जा रही मूँन पर 7 नग पलास, 24 नग शीशम, 6 नग कसडी, 2 नग बाँस मीरा, 2 नग है। के अतिरिक्त शेष बचत मूँन को अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। स्थल जाँच में मौके पर संयुक्त स्थल जाँच मूँ खसरा नं. 106/1 रकबा 0.922 हे. में से 0.323 हे. मूँन अधिग्रहित की जा रही

पृथक होकर अलग अलग स्थानों में निवास कर रहे है।

पृथक - पृथक रूप में एक एक सदस्यों को नौकीरी प्रदान की जावे कयोंकी प्रत्येक परिवार अलग अलग निम्नान 8 बराबर भागों में किया जाकर वेक भुगतान हिस्सा अनुसार प्रदान किया एवं प्रत्येक परिवार से मुआवजा राशि को 8 भागों में बराबर बाँटकर मुआवजा राशि प्रदान कि जावे। मुआवजा राशि का रजनी, रक्षिम व वृष्म पुत्र व पुत्री होने से उनके नाम से पृथक मुआवजा राशि प्रदान किया जावे। प्रमा के नाम पृथक राशि प्रदाय किया जावे। तथा हिलेवर की मूँन पश्चात चन्द्रमणी प्रति हिलेवर, कारण मणी को संयुक्त रूप से नोटिस जारी किया गया है। खतेदार शीट, पितावर, पुत्रोत्तम, सतीश, कर मुआवजा राशि निर्धारण किया जावे। यह कि अनावेदकगण के संयुक्त खाते में मूँन दर्ज होने के हेतु कि उपरोक्तानुसार अनावेदक गण निवेदन करते है आपत्ति दर्ज किया जाकर मौका जाँच करा है कसाई 16 वृक्ष, बाँस के 8 मीरा, निर्वाणी कई वृक्ष, महुआ 3 वृक्ष केकट 2 वृक्ष, नीम के 2 वृक्ष स्थल नग कम दर्शाया गया है। उक्त मूँन पर वास्तव में मौके पर शीशम के 40 वृक्ष जो 25 - 30 वर्ष पुराना निस्का साईज 18 फुट निचे नोटिस में दर्शाव नहीं किया गया है इसी तरह उक्त मूँन पर लगे वृक्ष का को मूँ अर्जन की जाने वाली उक्त मूँन ख. नं. 106/1 रकबा 0.323 हे० मूँन पत्रका निम्न कुआँ किचे जाने हेतु मूँ अर्जन धारा के तहत अनावेदक को नोटिस शीट किया गया है यह कि अनावेदकगण का मूँ अर्जन किया जावे अन्यथा कृषक का शेषमूँन बेकार हो जावेगा। यह कि उक्त मूँन का मूँ अर्जन से ग्राम जुर्दा प.ह.नं. 38 तह. व जिना रायगढ़ में खसरा नं. 106/1 में जितना रकबा है उसके पूरे मूँन रक्षिम, रिसम पिता हिलेवर, शीहिल, पितावर, पुत्रोत्तम, सतीश, विष्णु, श्रद्धा, प्रमा पिता रामहरी के नाम प्रमा पिता रामहरी जाति ब्राह्मण सा.देह मूँन स्वामी यह कि अनावेदकगण चन्द्रमणी वृक्ष हिलेवर, रजनी चन्द्रमणी वृक्ष हिलेवर रजनी, रक्षिम, रिसम पिता हिलेवर, शीहिल, पितावर, पुत्रोत्तम, सतीश, विष्णु, श्रद्धा

हे। अद्यतन अभिलेख के अनुसार मुआवजा पत्रक तैयार किया गया है।

मूँ अर्जन पत्रक अनुमोदित गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया

उपमें संशोधन कर उचित मूँन का निर्धारण करने की कृपा करें।

धारा 26 (1) (ख) के अंतर्गत मूँन के मूँन का निर्धारण कर मूँन के बाजार मूँन में जो विषमता है मूँन अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाण में उचित प्रतिकर एवं पारदक्षिणा अधिकार अधिनियम 2013 के

(संशोधन) विभाग
 भारतीय पशु चिकित्सक संस्थान (पं.)
 इलाहाबाद

26

भारतियाम पिता टीकाराम, गणपत पि लेखराम जति अवरिया सा.देह मूनि स्वामी द्वारा ग्राम जुडा प.ह.नं.38 स्थित अपने स्थानित की मूनि खसरा नं. 54/1, 54/2, 54/3, 54/4 रकबा कभरा 0.024, 0.020, 0.020, 0.065 हे. मूनि का साठवनि प्रयोजन अर्थात औद्योगिक प्रयोजन हेतु मूनि का अर्जन किंचे जाने का उल्लेख करते हुए सम्बन्धित अनावदकगण खातेदार को अपने हित अधिकायी मुआवजा राशि मूनि पर अधिकार के फलस्वरूप मुआवजा में हित सम्बन्धि दावे तथा मूनि के परिमाण नस्ली सम्बन्धी अथवा आपूर्ति मय अन्तर्गत दरतावेची प्रमाणों के साथ 27.06.2016 को न्यायालय मू अर्जन अधिकायी रायाप्राद के समक्ष करने हेतु नोटिस प्रदाय किया गया है। यह की अनावदकगण के उपर्युक्त उल्लेखित खसरा नं. के कुछ भागों पर औद्योगिक प्रयोजन हेतु मूनि अर्जन करने सम्बन्धी कार्यवाही की जा रही है अनावदक का एक मात्र आय का जारिया कृषि है तथा कृषि पर ही अपने परिवार का जीवन यापन करते है इस कारण उपर्युक्त उल्लेखित मूनिचा को मू अर्जन से मुक्त किया जावे अन्वया उपर्युक्त उल्लेखित खसरा नस्ली के मोष बचत मूनि पर कोई भी कृषि कार्य ही पाना सम्भव नहीं है, इस कारण सम्पूर्ण मूनिचा को मू अर्जन से शानित कर मू अर्जन मुआवजा राशि दिया जाना न्यायवित्त होगा। अनावदकगणों को अपने पास प्राप्त स्थित ग्रामों के अनुसर मुआवजा दिया जावे। प्रभावित स्थलों में छोटी-छोटी अनाक वृक्ष है। जिसका जौब किया जाकर मुआवजा राशि भुगतान किया जाना न्यायवित्त होगा।

मुआवजा निर्धारण किया गया है।
 0.809 में से रकबा 0.162 हे मूनि मू अर्जन पत्रक अनुमोदित माडेड लाइने वर्ष 2015-16 के अनुसर हे. में से रकबा 0.108 हे मूनि खसरा नं. 76/1 रकबा 0.405 में से रकबा 0.243 खसरा 248/2 रकबा संयुक्त स्थल जांच में खसरा नं. 34/5 रकबा 0.178 में से 0.004 हे. 69/7, 69/8, 69/9, 69/10 रकबा 0.279

25

वो विषमता है उसमें संशोधन कर उचित मूल्य निर्धारण करने की कृपा करे।
 अधिनियम 2013 के धारा 26(1) (ख) के अंतर्गत मूनि के मूल्य का निर्धारण कर मूनि के बाजार मूल्य में आया है कि मूनि अर्जन, पुर्नवास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार का मुआवजा दिया जाता है वो ग्रामवासियों की भावी नुकसान होने का अनुमान है। आते आते करबद्ध खेद लाइने जा रही है, जिसके मू अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर इन्ही दरों के आधार पर मू अर्जन गावों के मूनि के बाजार मूल्य में उमीन आसमान का ओतर है। वर्तमान में इस गाव से होकर एनटीपीसी एडवर्टीपानी (पू) एवं ग्राम जुडा एक ही पटवारी हल्का एवं आसपास जुडे हुए ग्राम धवायत है किन्तु दोनों उपग्राम ही रही है इसकी पुष्टि आप कृषि विभाग एवं मज्जी से भी कर सकते है। विदित ही कि ग्राम अधिकायत अधिक उपजाउ एवं किमती है। यहाँ अन्य गावों कि अधिकायत अधिक मात्रा में धान एवं सब्जी का मूनि का बाजार मूल्य बहुत कम है। यहाँ यह भी बता दे कि ग्राम का मूनि आसपास के सभी ग्रामों से जैसे कि मडापल्ली, कोतरतिया, स्थिरपल्ली जो कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर है की तुलना गया है जो सदहास्यद है। चौके ग्राम जुडा जिला मुख्यालय एवं मार्ग से लगे होने के बावजूद अन्य गावों राजस्व निरिक्षक मण्डल रायाप्राद के मार्गदर्शक सिध्दांत के अनुसर अन्य गावों से अत्यधिक कम आंका जिला मुख्यालय से लगा हुआ है। (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के मूनि का बाजार मूल्य विशेष पटल जति अवरिया सा.देह मूनि स्वामी उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है, कि ग्राम जुडा जो कि

2015-16 के अनुसर किया गया है।
 वृक्ष स्थित होने पाया गया है। मूनि एवं स्थित सम्पत्तियों का मूल्यांकन परिणामाना माडेड लाइने वर्ष जा रही मूनि पर 1 नाग खैर, 1 नाग सेन्दर, 2 नाग धार, 4 नाग महानीम, 2 नाग महुआ, 1 नाग पलास 568/3 कुल रकबा कभरा 0.036, 0.010, 0.040, 0.028, 0.020, 0.063, 0.004 हे। मूनि अधिग्रहित की संयुक्त स्थल जांच में मौके पर खसरा नं. कभरा: 65/4, 65/8, 66/5, 66/7, 253/6 350/4, जांच न्यायवित्त होगा।
 रही है। ग्राम कोतरतिया, विटककानी, पडरीपानी के आधार पर ग्राम जुडा स्थित मूनि को प्रदान किया

(28) 5. यह कि दिनांक 17.10.2015 को धारा (1) में अर्जन अधिनियम के तहत प्राथमिक अधिसूचना प्रकाशित कराया जाता है एवं समुचित सरकार के वेबसाइट में प्रकाशन न करा कर छल एवं फर्क प्र.न.टी.पी.सी. में पूर्वक उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

(28) 4. यह कि समिति का अधिकार विधिक अधिकार के साथ साथ मानवाधिकार भी है, जिस अधिविक व छल अधिनियम 2013 अधिसूचना रूटिपूर्व प्रकाशन कराया गया जो न्याय संगत नहीं है।

(28) 3. यह कि उक्त प्रवृत्त में अर्जन के विना मुक्त किसे एवं आपत्तिकर्ता के नामान्तरण की अधिविक प्रक्रियाओं का पालन कर निरस्त कर दिया गया है, जिसके तहत उक्त निरस्तीकरण आदेश के विरुद्ध आपत्तिकर्ता के द्वारा तहसीलदार सभागृह के द्वारा नामान्तरण निरस्तीकरण के विरुद्ध पुनः विहित नामान्तरण हेतु तहसीलदार सभागृह के समक्ष प्रस्तुत कर समर्पण प्रक्रिया (पटवारी प्रतिवेदन, उभय पक्ष के साक्ष्य इत्यादी) पूर्ण किया जा चुका है एवं उक्त प्रकरण आदेश हेतु विहित है, जिसकी सूचना तहसीलदार सभागृह के पास से है तथा आपत्तिकर्ता के द्वारा धारा 11 के अधिसूचना प्रकाशन पर आपत्ति प्रस्तुत किया गया था जिस पर उपरोक्त तथ्यों का उल्लेख किया गया था। जिस पर तहसीलदार सभागृह के द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में उचित निराकरण न कर धारा 19 का में अर्जन

(28) 2. यह कि धारा 11 के वेबसाइट में प्रकाशन के पूर्व ही धारा 19 का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में कर दिया गया है। एक ओर धारा 11 के प्रकाशन के प्राकप पूर्ण नहीं किया गया था वहीं दूसरी ओर धारा 19 का प्रकाशन किया जाना नहीं मिला - अर्जन अधिनियम 2013 के प्राधानों के विपरित है।

(28) 1. यह कि भारत सरकार के द्वारा दिनांक 31.12.2014 को जारी अधिसूचना में जिन परियोजना में समुचित सरकार का भूमि स्वामी निरस्त बना हो उन परियोजनाओं पर में अर्जन के अध्याय अधिनियम 2013 का उक्त प्रदान किया गया है। जिसके तारतम्य में छ.ग. शासन के द्वारा 02.03.2015 को अधिसूचना जारी कर अध्याय 2 व 3 का प्राधान लागू किया गया था, उक्त अधिसूचना की अंतिम दिनांक 31.08.2015 था, यौकिक भारत सरकार के द्वारा लाये गये अध्यादेश पूर्व में ब्याप हो चुका है, जिसकी आधार बना कर केवल आदेश पत्रक में उल्लेखित कर छूट के दावे में लाया गया है, जबकी उक्त दिनांक को धारा 11 के प्रकाशन के प्राकप, मूनादी, समाचार पत्र, राजपत्र, वेबसाइट में किसी भी शीति से प्रकाशन नहीं किया गया था, ऐसी स्थिति में छ.ग. शासन के द्वारा एवं में अर्जन अधिकांश के द्वारा अध्याय 2 व 3 का पालन किसे वगैर अधिनियम कर्तव्यहीन किया जाना न्याय संगत नहीं है।

27

जनकयम पिता जेठ जाति गाँव सा. देह भूमि स्वामी खसरा नं. 293/1 रकबा 0.305 है. भूमि देवे लार्डेन हेतु अधिग्रहित की जा रही है। उक्त अर्जन पर आवेदक का निम्नलिखित आपत्ति है। यह कि आवेदक द्वारा दी गई भूमि अर्जन के तहत उक्त भूमि का मुआवजा राशि जो कि प्रदान किया जा रहा है वह बहुत ही कम है सही तथा अधिक मुआवजा राशि प्रदान कि जाय शासन द्वारा दी जा रही दर बहुत कम है निर्धारित दर से कम से कम 3-4 गुना अधिक मुआवजा प्रदान कि जाय।

28

समुचित स्थल जांच में खसरा नं. 293/1 रकबा 0.305 है. अधिग्रहित की जा रही है उक्त भूमि में अर्जन पत्रक अनुमोदित गाँव लार्डेन वध 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।

27

जनकयम पिता जेठ जाति गाँव सा. देह भूमि स्वामी खसरा नं. 293/1 रकबा 0.305 है. भूमि देवे लार्डेन हेतु अधिग्रहित की जा रही है। उक्त अर्जन पर आवेदक का निम्नलिखित आपत्ति है। यह कि आवेदक द्वारा दी गई भूमि अर्जन के तहत उक्त भूमि का मुआवजा राशि जो कि प्रदान किया जा रहा है वह बहुत ही कम है सही तथा अधिक मुआवजा राशि प्रदान कि जाय शासन द्वारा दी जा रही दर बहुत कम है निर्धारित दर से कम से कम 3-4 गुना अधिक मुआवजा प्रदान कि जाय।

27

जनकयम पिता जेठ जाति गाँव सा. देह भूमि स्वामी खसरा नं. 293/1 रकबा 0.305 है. भूमि देवे लार्डेन हेतु अधिग्रहित की जा रही है। उक्त अर्जन पर आवेदक का निम्नलिखित आपत्ति है। यह कि आवेदक द्वारा दी गई भूमि अर्जन के तहत उक्त भूमि का मुआवजा राशि जो कि प्रदान किया जा रहा है वह बहुत ही कम है सही तथा अधिक मुआवजा राशि प्रदान कि जाय शासन द्वारा दी जा रही दर बहुत कम है निर्धारित दर से कम से कम 3-4 गुना अधिक मुआवजा प्रदान कि जाय।

(28)11. एक ओर एन.टी.पी.सी. के पुनर्वासि निधि के कलिक 9.6 रोजगार एवं वार्षिकी में प्रति प्रभावित एक वार 5.00 लाख दिया जायेगा या वार्षिकी प्रतिवर्षी कीमत सूचकांक के अनुसार कम से कम 2000/- रु. प्रति माह उल्लिखित है, जबकी 02.07.2014 जिला स्तरीय पुनर्वासि समिति की बैठक में मू - अर्जन के मुआवजे के अतिरिक्त 30000/- रु. प्रति एकड़ अनुपातिक 20 वर्ष तक मूिम विस्थापित परिवार को दिया जायेगा। प्रत्येक 2 वर्ष में प्रति एकड़ 500/- रु. बढ़ाया जायेगा। जबकी मूजन के अधिकार के तहत बाड़ी गयी जगहों का जिला कार्यालय रायगाढ़ के द्वारा जिला स्तरीय पुनर्वासि समिति का गठन वर्ष 2013-14 में नहीं हुआ है और न ही इस सदन में सचिवालय रायपुर में दिशा निर्देश प्राप्त हुआ है, बताया गया। अतः न तो पूर्व में पुनर्वासि रकम विधिवत बनाया गया और नही धारा 16 (5) के तहत पुनर्वासि प्रतिवेदन के सदन में कोई सुनवाई किया गया है। वरिष्ठ उ.ग. शासन का कोई मूिम में निरन्तर

(28)10. प्राथमिक अधिसूचना के प्रकाशन के पश्चात भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18.12.2015 को मुक्त व्यक्तियों के नामों का लोप करना, मुक्त व्यक्तियों के वार्षिकी का नामों को प्रवृत्ति करना, मूिम पर अधिकारों के रजिस्ट्री के समन्वयकारी जैसे- विकी, दान, विमान आदि को प्रवृत्ति करना वधक के मूिम प्रवृत्तियों को अनिलेखा प्रवृत्ति करना इत्यादी उल्लिखित है, किन्तु उक्त अधिसूचना के प्रकाशन के उपरान्त दिनांक 23.02.2016 को धारा 11 (1) में आपत्ति पर निराकरण हेतु नियत किया गया था किन्तु उक्त अधिसूचना में दलित विन्युओं को नजर अंदाज करते हुए या ताक में रखते हुए आपत्तिकर्ता के संबंधित अधिकार का हनन कर छल पूर्वक अनादेक एवं तहसीलदार के द्वारा रूटिपूर्व प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो कि मू-अर्जन की धारा 86.87 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

(28)9. यह कि धारा 11 के परिशेष्य में आपत्तिकर्ता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक एन.टी.पी.सी. एवं तहसीलदार के द्वारा अपर प्रतिवेदन एवं मू-अर्जन की प्रक्रियाओं के विपरीत प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर मू-अर्जन अधिकारी, रायगाढ़ के द्वारा प्रस्तुत आपत्ति का विन्युवार निराकरण नहीं किया गया है तथा विना निराकरण के ही आग्रह कादावाही की गई है, जो कि अनिचित है।

(28)8. यह कि धारा 19 राजपत्र में दिनांक 03/06/2016 को प्रकाशित कराया जाता है वह भी उपरोक्तानुसार रूटिपूर्व है एवं धारा 19 मू-अर्जन अधिनियम का प्रकाशन के प्रारूप पूर्ण करके धारा 21 के नोटिस व्यक्तित्व: जारी कर दिया जाता है। अतएव समस्त प्रक्रिया मू-अर्जन अधिनियम के तहत आदेशात्मक कादावाही है, जिसका पालन नहीं किया गया है। अतएव समपूर्ण कादावाही शून्य व अवैधानिक है।

(28)7. धारा 19 के पुनर्वासि व पुनर्स्थापना तथा धोषा और साक का प्रकाशन कराया जाना प्रावधानित है किन्तु पुनर्वासि व पुनर्स्थापना साक का प्रकाशन आज दिनांक तक नहीं कराया गया है। जबकी मू-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 19 (2) की उप धारा 1 में यह स्पष्ट प्रावधान है वधक उप धारा के अधिन काई धोषा तब तक नहीं किया जायेगा, तब तक पुनर्वासि व पुनर्स्थापन का योजना का सार प्रेषी धोषा के साथ नहीं किया जाता। एतएव रूटिपूर्व प्रक्रियाओं का समावेश कर मान प्रबंधक एन.टी.पी.सी. द्वारा मूिम प्राप्त करता है, जो कि अवैधानिक है।

(28)6. यह कि धारा 4 (1) मू-अर्जन अधिनियम 1894 के तहत पूर्व में ग्राम जुर्जा प.ह.नं. 38 तह व जिला रायगाढ़ में दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर दिनांक 22/12/2013 को प्रकाशन कराया गया था, जिसमें आपत्तिकर्ता के स्थानित की मूिम खसरा नं. /रकबा हे 0 कृषि मूिम प्रभावित उल्लिखित है। उक्त मू-अर्जन की कादावाही की व्यपगत (Leaps) किया जाना प्रावधानित है, जिसके तहत आज दिनांक तक प्रस्तावित मूिम को मुक्त नहीं किया गया है।

नहीं किया गया है।
 के प्रकाशन पश्चात 60 दिन के समयवाधि आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु प्रावधानित है, जिसका भी पालन प्रक्रिया में समयवाधि का गणना अंतिम प्रकाशन दिनांक को माना जाना प्रावधानित है तथा धारा 11 (1) दिनांक 13.05.2016 को धारा 19 का भी वधसाईड में प्रकाशन कराया जाता है जबकी मू - अर्जन की कादावाही के द्वारा रायगाढ़ के वधसाईड में दिनांक 13.05.2016 को कराया जाता है तथा उशी

राज्य
आविष्कार

विचार के लिये स्वीकार की गई थी।

(28)5. नियमानुसार प्रारंभिक अधिसूचना ई-राजपत्र के रूप में समूचित सरकार (छ.ग. शासन) की वेबसाइट में 02.10.15 को प्रकाशित की जा चुकी है। ग्राम जुड़ा में प्रारंभिक अधिसूचना का अंतिम प्रकाशन 30.10.15 के अनुसार 31/12/2015 तक 60 दिन की समयवाहिए नियत थी। इस समय सीमा में प्राप्त आपत्ति

(28)4 भी अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासिस्थापन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के प्राधानों का पालन करते हुए वर्तमान में ई-अर्जन की कार्यवाही की जा रही है।

(28)3. ग्राम जुड़ा तह. रायगढ़ अंतर्गत है एवं आपत्तिकर्ता द्वारा धारा 11 की प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन उपरालत काई भी आपत्ति अनुविभागीय अधिकारी रायगढ़ को नियत समय सीमा में प्राप्त नहीं हुई थी। उपरालत प्रकाशन की पूर्ण करने के पश्चात ही धारा 19 का प्रकाशन करवाया गया।

5. ग्राम प्रकाशन दिनांक 08/10/2015
4. क्षत्रिय समाचार पत्र हरिद्वारी दिनांक 18/10/2015
3. स्थानीय समाचार पत्र रायगढ़ संदेश दिनांक 18/10/2015
- 2/10/2015
2. समूचित सरकार (छ.ग.शासन) वेबसाइट (www.cg.nic.in/ e gazette) ई - राजपत्र -
1. छ.ग. राजपत्र - 2/10/15

(28)2 धारा 11 का प्रकाशन निम्नानुसार किया गया है :-

(28)1. भीम अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासिस्थापन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के अध्याय 2 व 3 का प्राधानों से 2 मार्च 2015 को छ.ग. शासन के द्वारा असाधारण राजपत्र के माध्यम से आंशिक कठोर एवं अन्य परियोजना को छूट प्रदान की गई थी। इस अध्याय के अतिरिक्त में रहते हुए कलेक्टर रायगढ़ द्वारा भी अर्जन प्रकरण की प्रारंभिक अधिसूचना का अर्जनादन 31.08.2015 को कर दिया गया था एवं आवेदक संस्था एन.टी.पी.सी. तिलहड़पाली द्वारा ई-अर्जन की राशि भी जमा कि जा चुकी थी।

(28)13. यह कि उपरालत कडिकवार बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए ए व के धवल ई-अर्जन प्रक्रिया के अनुकूल निरक्षण कर आपत्तिकर्ता को सूचना/जानकारी देने के उपरालत ही ई - अर्जन की अधिम कार्यवाही किया जावे ताकि यदि य में एन.टी.पी.सी. द्वारा परियोजना की भांति इस परियोजना में भी भीम पर कब्जा लेने के उपरालत प्रभावों को अनावश्यक न्यायालयीन कार्यवाही में उलझाना न पड़े। यदि भीम अर्जन पर कब्जा कर आपत्तिकर्ता के हित को ताक में रखते हुए आवेदक पूर्ण कार्यवाही की जाती है तो उसकी समस्त जवाबदारी महाप्रबंधक एन.टी.पी.सी. की होगी।

(28)12. एन.टी.पी.सी. की पुनर्वास नीति समूची भारत में एक होती है। वर्ष 2015 में एन.टी.पी.सी. के द्वारा ग्राम -गिलगाह (पं.) विद्यालय (मध्यप्रदेश) में कृषि भीम का रजिस्टर्ड सेल डीज के माध्यम से कय किया गया है एवं दिनांक 18.03.2015 को कीमत सूचकांक के अनुसार प्रभावित भीमस्थानियों को नौकरी के एवम में 70000/-रु. (सात लाख) प्रकल दिया गया है, चूंकि एन.टी.पी.सी. के द्वारा रायगढ़ के परियोजनाओं में पुनर्वास प्रतिवेदन, धारा 19 के साथ पुनर्वास का सार प्रकाशन नहीं करवाया गया है। अतएव वर्तमान कीमत सूचकांक के अनुसार नौकरी के एवम में प्रकल प्राप्त करने के अधिकारी है एवं राष्ट्रीय राज मार्ग से लगी हुई भीम की दर से मुआवजा राशि का निधारण कर नवीन ई-अर्जन अधिनियम के तहत 4 गुना, दिया जावे एवं सर्वोच्च पुनर्वास नीति लागू किया जाना प्राधानित है जिसका लाभ प्रदान किया जावे। पूर्व में दिनांक 20.01.16 का आपत्ति के साथ प्रकीर्ण विषय पत्र की छाया प्रति संलग्न किया गया है।

विवत किया जा रहा है, जो कि अनुचित है।
ई-रखामी है एवं एन.टी.पी.सी. प्रस्तावक है ऐसी स्थिति में वर्ष 2013 ई-अर्जन अधिनियम के प्राधानों को मनमाने ढंग से लागू कर आपत्तिकर्ता/रजिस्टर्ड भीम रखामी को उसके संबंधित अधिकारों से

राक्षसयाम पिता पुत्रवधालेन जाति अधरिया सा दह मूर्ति स्वामी उपरोक्त विषयगत लेख है कि ग्राम पंचायत जुड़ा जा कि जिना मुख्यालय से लगा हुआ है (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के मूर्ति बाजार मुख्य राजस्व निरीक्षक मण्डल राधागढ़ के मार्गदर्शक सिद्धांत के अनुसार अन्य गांवों से अर्थिक कम आंका गया है जो संदेहास्पद है। यहाँ जा कि जिना मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की गुना में मूर्ति का बाजार मुख्य बड़ल कम है। यहाँ यह भी बात है कि ग्राम का मूर्ति पास के सभी गांवों से अधिकांश अधिक उपलब्ध हो रहा है इसकी पुष्टि आप के वि अन्य गांवों की अधिकांश गांवों में धान एवं सब्जी का उत्पादन हो रहा है इसकी पुष्टि आप के वि विमान एवं कृषि मण्डल से भी कर सकते हैं। विहित हो कि ग्राम पण्डरीपानी (पू.) एवं ग्राम जुड़ा एक ही है।

29

(28)13 प्रकरण में नियमानुसार अधिसूचना के प्रकाशन उपरान्त समावाही में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निराकरण प्रस्ताव अनुसार राजस्व अभिलेख में दर्ज मूर्तिस्वामी की धारा 21 की सूचना जारी कर सूचना गया है।

(28)12 भारत में राज्य शासनों की पुनर्वास नीति के अनुसार, प्रचलित शासकीय नियम, मूर्ति का गाँड़ लार्डन/शिबी छोट मूल्य आदि का पालन करते हुये पुनर्वास नीति हर जगह राज्य शासन द्वारा अनुमोदित की जाती रही है। मूर्ति अर्ज, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार आधिनियम 2013 के संशुद्ध 1 एवं 2 के अनुसार एन.टी.पी.सी. तलाशेंपानी के मूर्ति-अर्जन प्रकरण हेतु पुनर्वास नीति सक्षम अधिकारी (कमिश्नर विनासापुर) के द्वारा अनुमोदित है।

(28)11 दिनांक 02.7.2014 की जिना स्वीय पुनर्वास समिती की बैठक के विनियमों को सक्षम अधिकारी 7.16 का बैठक के विनियमों की प्रति सभी संबंधितों एवं पंचायत को उपलब्ध कराई गयी है। पटवारी, ग्राम पंचायत आदि को सूचना देकर उपस्थितों में हुई। सभी विनियमों में वर्तमान के पश्चात 08 मही एवं विधायक महादेव, कलक्टर, सी.ई.ओ. जिना पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, 2015 की अनुमोदित किया गया है। जिना स्वीय पुनर्वास समिती की बैठक वर्ष 2014-15 में माननीय अधिकार अधिनियम 2013 के संशुद्ध 2 के अनुसार निर्दिष्ट कण्डिकाओं का पालन करते हुए 25 जुलाई (कमिश्नर विनासापुर) के द्वारा मूर्ति अर्ज, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता आधिकार अधिनियम 2013 के संशुद्ध 2 के अनुसार निर्दिष्ट कण्डिकाओं का पालन करते हुए 25 जुलाई 2015 की अनुमोदित किया गया है। जिना स्वीय पुनर्वास समिती की बैठक वर्ष 2014-15 में माननीय मंत्री एवं विधायक महादेव, कलक्टर, सी.ई.ओ. जिना पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी, ग्राम पंचायत आदि को सूचना देकर उपस्थितों में हुई। सभी विनियमों में वर्तमान के पश्चात 08 7.16 का बैठक के विनियमों की प्रति सभी संबंधितों एवं पंचायत को उपलब्ध कराई गयी है।

(28)11

(28)10 भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18/12/15 की अधिसूचना के अध्याय 1 में उल्लेख है कि जहाँ केंद्र सरकार समुचित सरकार के रूप में मूर्ति अर्जन कर रही है वहीं इस अधिसूचना के प्रावधान लागू होंगे। प्रकरण में प्रस्तुत राजस्व अभिलेख एवं मूर्ति स्वामी द्वारा प्रस्तुत बैंक दरखाशों के अनुसार राजस्व अभिलेख को नियमानुसार दुरुस्त कर कांवाही की जा रही है।

(28)10

(28)9 अधिनियम की धारा 11 के पश्चात् समावाही में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निमानुसार जांच कर निराकरण किया गया है।

(28)9

(28)8 दिनांक 03.6.2016 की धारा 19 के राजपत्र प्रकाशन उपरान्त 27.6. एवं पुनः 30.7.16 की तिथि नियत कर धारा 21 की सुनवाई की गई इस प्रकार मूर्ति-अर्जन अधिनियम की धारा 19 एवं 21 के मध्य नियमानुसार एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियाँ ली गई। धारा 21 के नोटिस के पूर्व धारा 19 का प्रकाशन क्षत्रिय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में, संबंधित ग्राम प्रकाशन एवं ऑनलाइन रूप से राजगढ़ की वेब साइट में अपलोड कर दिया गया था।

(28)8

(28)7 कमिश्नर विनासापुर,समाग विनासापुर द्वारा अनुमोदित पुनर्वासन योजना का सार का प्रकाशन प्रभावित ग्राम में धारा 19 के प्रकाशन के साथ कराया गया है। इसका उल्लेख धारा 19 के (राजपत्र/समाचार पत्र/ग्राम प्रकाशन/वेब साइट प्रकाशन) प्रकाशन में भी किया गया है।

(28)7

(28)6 ग्राम जुड़ा में पूर्व में मूर्ति - अर्जन की कांवाही नहीं हुई। आपत्तिकांता द्वारा कि गई आपत्ति अपूर्ण एवं असत्य है।

(28)6

है।

स्थल जांच में मौके पर ख. नं. 106/4 रकबा 0.032 है। अधिसूचित की जा रही भूमि पर 2 नग सौदा वृक्ष स्थित होने पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिगणना गाड़ह लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार किया गया है। भू अर्जन पत्रक अनुसूचित गाड़ह लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार निर्धारण किया गया है। भू अर्जन पत्रक अनुसूचित गाड़ह लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार निर्धारण किया गया है।

32

संयुक्त स्थल जांच में खसरा क 326/3 कुल रकबा 0.344 है। भूमि भू- अर्जन पत्रक अनुसूचित गाड़ह लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार निर्धारण किया गया है।

उचित मुआवजा देने कि कृपा करे।
 कि बहुत ही कम है हमारे पड़ोसी गामों के जमीनों के आकलन की अधिका बहुत ही कम है। कृपया की मुआवजा राशि का आकलन वर्तमान में भू अर्जन की धारा 26 क के अनुसार किया जा रहा है। जो अनुसार हमारे भूमि का खसरा क 326/3 कुल रकबा 0.344 का अधिसूचित किया जा रहा है। उक्त भूमि परिवार का मूल्य आधार हमारी जमीन है। आपके द्वारा जारी किचे गये नोटिस के आधार पर पिता धीवाराम जालि कोलता सा देह भूमि स्वामी उक्त भूमि से हमारे परिवार आश्रित है, हमारे

31

2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।
 कृषकों के आवागमन हेतु पृथक से सड़क बनाया जावेगा। भू अर्जन पत्रक अनुसूचित गाड़ह लाईन वर्ष 0.057 है। भूमि पृथक से अधिसूचित हेतु पृथक प्रकरण तैयार किया जा रहा है। एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा तहसीलदार सयगाढ़ के प्रतिवेदन में प्रतिवेदन किया गया है कि आवेदन किया गया है कि आवेदन नं. 58/2 रकबा 0.057 है। भूमि पृथक से अधिसूचित हेतु पृथक प्रकरण तैयार किया जा रहा है। एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा तहसीलदार सयगाढ़ के प्रतिवेदन में प्रतिवेदन किया गया है कि आवेदन किया गया है कि आवेदन नं. 58/2 रकबा

जाना न्यायोचित होगा।
 जाकर गाम कोतवलिया, बिटकाकानी, पडरीपानी के आधार पर गाम जहाँ स्थित भूमि को प्रदान किया जावेगा।
 आगे जाने में काफी परेशानी होगी स्थिति में इस भूमि को अर्जन किया जाना उचित है, अथवा है। उक्त भूमि के मध्य में खसरा नं. 58/2 रकबा 0.057 है जो चारों ओर से घिर जाने में कृषक को 0.28 है। 253/5 रकबा 0.020, 568/2 रकबा 0.008 है। को औद्योगिक प्रयोजन हेतु अर्जन किया जा रहा है। 66/6 रकबा 0. सावित्री बं टीकाराम जालि अधिसूचित गाड़ह लाईन नं. 66/4 रकबा 0.040 है। 66/6 रकबा 0. अनुसार राक्षसगाम पिता पुरुषोत्तम के नाम पर मुआवजा तैयार किया गया है।

30

संयुक्त स्थल जांच में खसरा 293/8ग रकबा 0.405 है। भू अर्जन पत्रक 2015-16 के अनुसार निर्धारण किया गया है। भू- अर्जन पत्रक अनुसूचित गाड़ह लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार निर्धारण किया गया है। भू अर्जन पत्रक अनुसूचित गाड़ह लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार निर्धारण किया गया है।

तत्समण हिरसंदार नहीं है।
 293/8ग वर्तमान वी 1 पंचशाला खसरा में सिर्फ राक्षसगाम पिता स्व. पुरुषोत्तम के नाम दर्ज है। उक्त जो विषयगत है उसमें संशोधन कर उचित मूल्य का निर्धारण करने की कृपा करे। प्रभावित क्षेत्र खसरा नं. अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के अंतर्गत भूमि के मूल्य का निर्धारण कर भूमि के बाजार मूल्य में अधिनियम है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यपान में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार पुनर्वास एवं पुनर्वास्यपान में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार है जो मामलाधियों की भारी नुकसान होने का अनुमान है। उक्त आपसे करवाव आग्रह है कि भूमि अर्जन, भू-अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर इन्हीं दलों के आधार पर भू-अर्जन का मुआवजा दर दिया जाता आसमान का अंतर है। वर्तमान में इस गांव से होकर एनटीपीसी की रेन्वे लाईन जा रही है, जिसके पटवारी हत्का एवं आपस में जुड़े हुए गाम पंचायत है किंतु दोनों गावों के भूमि के बाजार मूल्य में जमीन

(Handwritten signature)

पुनर्वसन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के एवं पारदर्शिता उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम है कि मूँसि अर्जन, पुनर्वास एवं अर्जन है। अतः आपसे करवट आगट है कि मूँसि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वसन में उचित प्रतिकर एवं अर्जन के आधार पर मूँसि अर्जन का मुआवजा दर दिया जाता है। ती गामवाहियों को मारी नुकसान होने का से होकर एनटीपीसी की सेवे लाईन जा रही है, जिसके मूँसि अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर इन्ही पंचायत है किसे दोनों गावों के बाजार मूल्य में जमीन आसमान का अंतर है। वर्तमान में इस गांव विदित है कि गाम पंचायतीपानी (पू) एवं गाम जुड़ा एक ही पटवारी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए गाम सखी का उत्पादन ही रहा है इसकी पुष्टी आप कृषि विभाग एवं कृषि मण्डली से भी कर सकते हैं। अध्यायक अधिक उचनाए एवं किमती है। आप कृषि यहां अन्य गावों की अध्यायक अधिक मात्रा में धान एवं का बाजार मूल्य बहुत कम है। यहां यह भी बात है कि गाम का मूँसि आस पास के सभी गावों से कोतरीया, सियारपानी आदि जा कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की गुलना में मूँसि मुँसि गाम जुड़ा जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से लगे होने के बावजूद अन्य गावों जैसे कि महापल्ली, रायगाह के मार्गदर्शक सिद्धांत के अनुसार अन्य गावों से अत्यधिक कम आंका गया है जो संदेहास्पद है। लगा हुआ है (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के मूँसि बाजार मूल्य रायख निरिक्षक मण्डल राशि प्रदान किया जावे। उपरोक्त विषयगत लेख है कि गाम पंचायत जुड़ा जा कि जिला मुख्यालय से करना पड़ रहा है। अतः मूँसि से बच मूँसि का अधिग्रहण किया जावे। तथा मौका जांच कर मुआवजा फसली है उक्त मूँसि पर कृषि कार्य करने में परेशानी जा रही है। तथा आर्थिक कठिनाइयों का सामना मूँसि अधिग्रहण के तहत ली जा रही है जिसमें से कुछ हिस्सा छूट जा रही है। तथा उक्त मूँसि दो नारायण, राठिया यह कि आवेक/आपत्तिकतापण की मूँसि गाम जुड़ा में खसरा नं. 47 रकबा 0.129 है।

36

गाविकी का प्राधान्य किया गया है, जो कि शेजानार के स्थान पर होना।
 कानूनर विनासपुर के द्वारा अनुमोदित है। अनुमोदित योजना के अनुसार प्रभावित परिवारों को उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 2 के अनुसार हेतु पुनर्वास स्थल जांच प्रतिवेद में ख. नं. 106/57 रकबा 0.040 है मूँसि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वसन में

से निवेदन है कि शेजानार प्रदान करने की कृपा करें।
 जिस मूँसि या परिवार के एक सदस्य को शेजानार उपलब्ध कराने का प्राधान्य है। अतः महोदय जी अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वसन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के तहत उपाय में मूँसि होने जा रहा। अतः मरे परिवार का पालन पोषण करने का एकमात्र साधन है। कि मूँसि मूँसि का औद्योगिक प्रयोजनार्थ हेतु मूँसि अर्जन किया जा रहा है मूँसि अर्जन के तहत मूँसि के अर्जन होने के टीकाराम पिता सुखराम जाति अधिया सा.देह मूँसि स्वामी ख. नं. 106/57 रकबा 0.040 है। है उक्त

35

गाड़े लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार किया गया है।
 पर 7 नम महुआ, 6 नम चार, 1 नम साजा वृक्ष स्थित होना पाया गया है। जिसका मुख्यांकन परिगणना के नाम पर ही मुआवजा पत्रक तैयार किया गया है। स्थल जांच में मौके पर अधिग्रहित की जा रही मूँसि स्थल जांच प्रतिवेदन में अधिग्रहित की रही मूँसि ख. नं. 293/7, 324/2 में आवेक की जाति कोतला

तथा प्रार्थी का मुआवजा राशि प्रदान किया जावे अथवा आवेक को आपत्ति है।
 जमीनी, 1 खहार, 6 चार, एक रिया पड़ स्थित है। उपरोक्त वृक्षों की गणना सखी में अंकित किया जावे नं. 293/7 महुआ 10 नम, 1 कठली तथा ख. नं. 324/7 में 21 महुआ, 4 साजा, 3 रैना, 1 बोरी, 1 की जाति कोतला है जिस संशोधन किया जावे। दर्शित मूँसि में वृक्षों की संख्या गणना से अधिक है ख. नं. 293/7 महुआ 10 नम, 1 कठली तथा ख. नं. 324/7 में 21 महुआ, 4 साजा, 3 रैना, 1 बोरी, 1 मूँसि ख. नं. 293/7, 324/2 रकबा 0.101, 0.101 है का औद्योगिक प्रयोजन हेतु अर्जन किया जा रहा है जिसमें मुआवजा पत्रक/सूचना में प्रार्थी कीर्तन पिता शरुधन की जाति तेली अंकित है। जबकि प्रार्थी कीर्तन पिता शरुधन जाति तेली सा.देह मूँसि स्वामी निवेदन है कि गाम जुड़ा तह. जि. रायगाह स्थित

34

का प्राधान्य किया गया है, जो कि शेजानार के स्थान पर होना।
 कानूनर विनासपुर के द्वारा अनुमोदित है। अनुमोदित योजना के अनुसार प्रभावित परिवारों को गाविकी

(36)2
 (36)3
 (36)4
 (36)5
 (36)6

(36)6. यह कि धारा 4 (1) में-अर्जन अधिनियम 1894 के तहत पूर्व में ग्राम जुड़ी पट्टे नं. 38 तहत जिगा रयगाह में दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर दिनांक 22/12/2013 को प्रकाशन कराया गया था, जिसमें आपत्तिकर्ता के स्थानित की गई थी / रकबा 50 क्वेडि में प्रभावित उल्लिखित है। उक्त में-अर्जन की कायवाही की व्यपगत (Leps) किया जाना प्रभावित है, जिसके तहत आज दिनांक तक प्रस्तावित में की मुक्त नहीं किया गया है।

(36)5. यह कि दिनांक 17.10.2015 को धारा (1) में-अर्जन अधिनियम के तहत प्रारंभिक अधिसूचना प्रकाशित कराया जाता है एवं समुचित सरकार के वेबसाइट में प्रकाशन न करा कर उक्त पूर्वक एन.टी.पी.सी. में कायवाह कर्मचारियों के द्वारा रयगाह के वेबसाइट में दिनांक 13.05.2016 को कराया जाता है तथा उसी दिनांक 13.05.2016 को धारा 19 का भी वेबसाइट में प्रकाशन कराया जाता है जबकी में - अर्जन की प्रक्रिया में समयवाहिका मणना अधिनियम प्रकाशन दिनांक को माना जाना प्रभावित है तथा धारा 11 (1) के प्रकाशन पश्चात 60 दिन के समयवाहिका आपत्तिक प्रस्तुत करने हेतु प्रभावित है, जिसका भी पालन नहीं किया गया है।

(36)4. यह कि समिति का अधिकार विधिक अधिकार के साथ साथ मानवाधिकार भी है, जिसे अधिधिक व उक्त पूर्वक उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

(36)3. यह कि उक्त प्रस्तावित में-अर्जन के विना मुक्त किसे एवं आपत्तिकर्ता के नामान्तरण को अधिधिक प्रक्रियाओं का पालन कर निरस्त कर दिया गया है, जिसके तहत उक्त निरस्तीकरण आदेश के निकट आपत्तिकर्ता के द्वारा तहसीलदार रयगाह के द्वारा नामान्तरण निरस्तीकरण के निकट पुनः विधिवत नामान्तरण हेतु तहसीलदार रयगाह के समक्ष प्रस्तुत कर सम्पूर्ण प्रक्रिया (पटवारी प्रतिवेदन, उभय पक्ष के साक्ष्य इत्यादी) पूर्ण किया जा चुका है एवं उक्त प्रकरण आदेश हेतु लंबित है, जिसकी सूचना तहसीलदार रयगाह के प्रारंभ से है तथा आपत्तिकर्ता के द्वारा धारा 11 के अधिसूचना प्रकाशन पर आपत्तिक प्रस्तुत किया गया था जिस पर उपरोक्त तथ्यों का उल्लेख किया गया था। जिस पर तहसीलदार रयगाह के द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में उचित निराकरण न कर धारा 19 का में-अर्जन अधिनियम 2013 अधिसूचना गिटिपूर्णा प्रकाशन कराया गया जो न्याय संगत नहीं है।

(36)2. यह कि धारा 11 के वेबसाइट में प्रकाशन के पूर्व ही धारा 19 का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में कर दिया गया है। एक ओर धारा 11 के प्रकाशन के प्रारंभ पूर्ण नहीं किया गया था वहीं दूसरी ओर धारा 19 का प्रकाशन किया जाना नवीन में - अर्जन अधिनियम 2013 के प्रावधानों के विपरित है।

(36)1. भारत सरकार के द्वारा दिनांक 31.12.2014 को जारी अधिसूचना में जिन परिशोधना में समुचित सरकार पदान किया गया है। जिसके तारतम्य में छ.ग. शासन के द्वारा 02.03.2015 की अधिसूचना जारी कर अध्याय 2 व 3 का प्रवधान लागू किया गया था, उक्त अधिसूचना की अधिनियम दिनांक 31.08.2015 था, जौके भारत सरकार के द्वारा लखे गये अध्यादेश पूर्व में शून्य हो चुका है, जिसकी आधार बना कर केवल आदेश पत्रक में उल्लिखित कर छूट के दायरे में लाया गया है, जबकी उक्त दिनांक को धारा 11 के प्रकाशन के प्रारंभ, मुनादी, समाचार पत्र, राजपत्र, वेबसाइट में किसी भी शीति से प्रकाशन नहीं किया गया था, ऐसी शिथिलि में छ.ग. शासन के द्वारा एवं में-अर्जन अधिकांश के द्वारा अध्याय 2 व 3 का पालन किसे वगैर अधिनियम कायवाही किया जाना न्याय संगत नहीं है।

(36)3. अंतर्भाहित गार्डन लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है। 0.129 है, में निजी नलकूप से सिंचित दो कसली अनुसार मुआवजा का निर्धारण किया गया है। संयुक्त स्थल जांच प्रतिवेदन में आवेदित में खसरा नं. 47 रकबा 1.157 है, में से अधिग्रहित रकबा

अंतर्गत में के मूल्य का निर्धारण कर में के बाजार मूल्य में जो विषमता है उसमें संशोधन कर उचित मूल्य का निर्धारण करने की कृपा करें।

- (36)12 एन.टी.पी.सी. की पुनर्वास नीति सम्पूर्ण भारत में एक होती है। वर्ष 2015 में एन.टी.पी.सी. के द्वारा ग्राम-हितगढ़ (घ.) विद्यालय (मध्यप्रदेश) में कृषि मॉडल का एग्रीकल्चर सेल लीड के माध्यम से कय किया गया है एवं दिनांक 18.03.2015 को कोमल सूचकांक के अनुसार प्रमाणित मूनिस्त्रियाँ को नौकरी के एवज में 700000/-रु. (सात लाख) प्रकृत दिया गया है, यौकिक एन.टी.पी.सी. के द्वारा रायगढ़ के पर्यायनामाओं हेतु पुनर्वास प्रतिवेदन, धारा 19 के साथ पुनर्वास का सार प्रकाशन नहीं कराया गया है। अतएव वर्तमान कोमल सूचकांक के अनुसार नौकरी के एवज में प्रकृत प्राप्त करने के अधिकारी है एवं राष्ट्रीय राज मार्ग से लगी हुई मॉडल की दर से मुआवजा राशि का निर्धारण कर नवीन मू-अर्जन
- (36)11 एक और एन.टी.पी.सी. के पुनर्वास नीति के कडिका 9.6 संलग्न एवं वार्षिकी में प्रति प्रमाणित एक बार 5.00 लाख दिया जावेगा या वार्षिकी प्रतिवर्षी कोमल सूचकांक के अनुसार कम से कम 2000/-रु. प्रति माह उल्लिखित है, जबकी 02.07.2014 जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक में मू - अर्जन के मुआवजे के अतिरिक्त 30000/-रु. प्रति एकड़ अनुपातिक 20 वर्ष तक मूनिस्त्रियाँ प्रतिवर्षी कोमल सूचकांक के तहत जावेगा। प्रत्येक 2 वर्ष में प्रति एकड़ 500/-रु. बढ़ाया जावेगा। जबकी सूचना के अधिकार के तहत बाड़ी गयी जानकारी में जिला कार्यालय रायगढ़ के द्वारा जिला स्तरीय पुनर्वास समिति का गठन वर्ष 2013-14 में नहीं हुआ है और न ही इस संदर्भ में सविशालय रायपुर में दिशा निर्देश प्राप्त हुआ है, बलया गया। अतः न तो पूर्व में पुनर्वास स्कीम विधिवत बनाया गया और नहीं धारा 16 (5) के तहत पुनर्वास प्रतिवेदन के संदर्भ में कोई सुनवाई किया गया है। यौकिक छ.ग. शासन का कृषि मॉडल में निरन्तर मू-स्वामी है एवं एन.टी.पी.सी. प्रस्तावक है, ऐसी स्थिति में वर्ष 2013 मू-अर्जन अधिनियम के प्रावधानों को मानते हुए से लागू कर आपत्तिकर्ता/एग्रीकल्चर मूनिस्त्रियों को उसके संबंधित अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, जो कि अर्जित है।
- (36)10 प्राथमिक अधिसूचना के प्रकाशन के पश्चात भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18.12.2015 को जारी किया गया था जिसमें मूनिस्त्रियों को अद्यतन करवाने की नियम उल्लिखित है जिसके अनुसार मूलक व्यक्तियों के नामों को लोप करना, मूलक व्यक्तियों के वारिसों को नामों को प्रवृत्ति करना, मूनिस्त्रियों पर अधिकारों के एग्रीकल्चर के समन्वयकारों जैसे- विकी,दान, विमान आदि को प्रवृत्ति करना बंधक के सभी प्रवृत्तियों को अभिलेखा प्रवृत्ति करना इत्यादी उल्लिखित है, किन्तु उक्त अधिसूचना के प्रकाशन के उपरान्त दिनांक 23.02.2016 को धारा 11 (1) में आपत्ति पर निराकरण हेतु नियत किया गया था किन्तु उक्त अधिसूचना में दक्षिण बिन्दुओं को नजर आंदाज करते हुए या लोक में रखते हुए आपत्तिकर्ता के संबंधित अधिकार का हनन कर छल पूर्वक अनादेक एवं तहसीलदार के द्वारा जैटिपूर्व प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है तथा जिला निराकरण के ही अधिम कायदाही की गई है, जो कि अर्जित है।
- (36)9 यह कि धारा 11 के परिप्रेक्ष्य में आपत्तिकर्ता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक एन.टी.पी.सी. एवं तहसीलदार के द्वारा अस्पष्ट प्रतिवेदन एवं मू-अर्जन की प्रकृतियों के विपरीत प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर मू-अर्जन अधिकारी, रायगढ़ के द्वारा प्रस्तुत आपत्ति का निरवृत्त निराकरण नहीं किया गया है तथा जिला निराकरण के ही अधिम कायदाही की गई है, जो कि अर्जित है।
- (36)8 यह कि धारा 19 राजपत्र में दिनांक 03/06/2016 को प्रकाशित कराया जाता है वह भी उपरोक्तानुसार जैटिपूर्व है एवं धारा 19 मू-अर्जन अधिनियम का प्रकाशन के प्रकृत पूर्ण करायें वगैरे धारा 21 के नीति अधिनियम में दिया जाता है। अतएव समस्त प्रकृतियाँ मू-अर्जन अधिनियम के तहत आदेशानुसक व्यक्तियों को कर दिया जाता है। अतएव समस्त प्रकृतियाँ मू-अर्जन अधिनियम के तहत आदेशानुसक व्यक्तियों को कर दिया जाता है, जिसका पालन नहीं किया गया है। अतएव सम्पूर्ण कायदाही शून्य व अवैधानिक है।
- (36)7 धारा 19 के पुनर्वास व पुनर्स्थापना तथा घोषणा और सार्क का प्रकाशन कराया जाना प्रावधानित है किन्तु पुनर्वास व पुनर्स्थापना सार्क का प्रकाशन आज दिनांक तक नहीं कराया गया है। जबकी मू-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 19 (2) की उप धारा 1 में यह स्पष्ट प्रावधान है वकके उप धारा के अधिन कोड़े घोषणा तब तक नहीं किया जावेगा, तब तक पुनर्वास व पुनर्स्थापना का योजना का सार ऐसी घोषणा के साथ नहीं किया जाता। एतएव जैटिपूर्व प्रकृतियों का समावेश कर मात्र प्रबंधक एन.टी.पी.सी. द्वारा मूनिस्त्रियों को प्रकृत करवाया जावेगा, जो कि अवैधानिक है।

(36)13 का प्रकाशन
 (36)13 का प्रकाशन
 (36)13 का प्रकाशन

(36)8 दिनांक 03.6.2016 को धारा 19 के राजपत्र प्रकाशन उपरत 27.6. एवं पुनः 30.7.16 को विधि नियत कर धारा 21 की सुनवाई की गई। इस प्रकार न्यू-अर्जन अधिनियम की धारा 19 एवं 21 के मध्य नियमानुसार एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियां ली गईं। धारा 21 के नोटिस के पूर्व धारा 19 का धारा 19 के प्रकाशन/वैब साइट प्रकाशन/वैब साइट प्रकाशन में भी किया गया है।

(36)7 कमिश्नर विभागाध्यक्ष, समाज विभागाध्यक्ष द्वारा अनुमोदित पुनर्वासन योजना का सार का प्रकाशन प्रभावित ग्राम में धारा 19 के प्रकाशन के साथ कराया गया है। इसका उल्लेख धारा 19 के (राजपत्र/समाचार असाध्य है।

(36)6 ग्राम जुई में पूर्व में न्यू-अर्जन की कार्यवाही नहीं हुई। आपत्तिकर्ता द्वारा कि गई आपत्ति अपूर्ण एवं विचार के लिये स्वीकार की गई थी।

(36)5 नियमानुसार प्रारंभिक अधिसूचना ई-राजपत्र के कृप में समूचित सरकार (उ.ग. शासन) की वेबसाइट में 02.10.15 को प्रकाशित की जा चुकी है। ग्राम जुई में प्रारंभिक अधिसूचना का अंतिम प्रकाशन 30.10.15 के अनुसार 31/12/2015 तक 60 दिन की समयवाधि नियत थी। इस समय सीमा में प्राप्त आपत्ति

(36)4 न्यू अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदेही अधिनियम 2013 के प्रावधानों का पालन करते हुए वर्तमान में न्यू-अर्जन की कार्यवाही की जा रही है।

(36)3 ग्राम जुई तह. रायगढ़ अंतर्गत है एवं आपत्तिकर्ता द्वारा धारा 11 की प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन उपरत कोई भी आपत्ति अनुविभागीय अधिकारी रायगढ़ को नियत समय सीमा में प्राप्त नहीं हुई थी।

- उपरोक्त प्रकाशन को पूर्ण करने के पश्चात् ही धारा 19 का प्रकाशन कराया गया।
1. उ.ग. राजपत्र - 2/10/15
 2. समूचित सरकार (उ.ग. शासन) वेबसाइट (www.cg.nic.in/ e Gazette) ई - राजपत्र - 2/10/2015
 3. स्थानीय समाचार पत्र रायगढ़ संदेश दिनांक 18/10/2015
 4. क्षीय समाचार पत्र हरिमौरी दिनांक 18/10/2015
 5. ग्राम प्रकाशन दिनांक 08/10/2015

(36)2 धारा 11 का प्रकाशन निम्नानुसार किया गया है :-

(36)1 संयुक्त स्थल जांच में विन्डू कमांक 1 से 13 तक प्रस्तुत आपत्ति का निराकरण नियमानुसार की गई है। उक्त न्यू अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदेही अधिनियम 2013 के मध्यम से औद्योगिक कारोबार एवं अन्य परियोजना को छूट प्रदान की गई थी। इस अध्यादेश के अस्तित्व में रहते हुए कलेक्टर रायगढ़ द्वारा न्यू अर्जन प्रकरण की प्रारंभिक अधिसूचना का अनुमोदन 31.08.2015 को कर दिया गया था एवं आवेदक संस्था एन.टी.पी.सी. विभागाध्यक्षी द्वारा न्यू-अर्जन की राशि भी जमा कि जा चुकी थी।

(36)13 यह कि उपरोक्त कठिनायार विन्डूओं को ध्यान में रखते हुए एवं विधिवत न्यू-अर्जन प्रक्रिया के अनुकूल निराकरण कर आपत्तिकर्ता को सूचना/जानकारी देने के उपरत ही न्यू - अर्जन की अधिम कार्यवाही किया जावे ताकि मविष में एन.टी.पी.सी. द्वारा परियोजना की माती इस परियोजना में भी नूनि पर कब्जा लेने के उपरत प्रभावितों को अनावश्यक न्यायालयीन कार्यवाही में उलझाने न पड़े। यदि जानबूझ कर आपत्तिकर्ता के हित को ताक में रखते हुए अवैध पूर्ण कार्यवाही की जाती है तो उसकी समस्त जवाबदारी महाप्रबंधक एन.टी.पी.सी. की होगी।

अधिनियम के तहत 4 गुन, दिया जावे एवं सवाव्य पुनर्वास नीति लागू किया जाना प्रावधानित है जिसका लाभ प्रदान किया जावे। पूर्व में दिनांक 20.01.16 का आपत्ति के साथ पंजीकृत विषय पत्र की छाया प्रति संलग्न किया गया है।

अधिनियम के तहत 4 गुन, दिया जावे एवं सवाव्य पुनर्वास नीति लागू किया जाना प्रावधानित है जिसका लाभ प्रदान किया जावे। पूर्व में दिनांक 20.01.16 का आपत्ति के साथ पंजीकृत विषय पत्र की छाया प्रति संलग्न किया गया है।

38. सनतकर्मचार विना स्व. लोचनप्रसाद निवेदन है कि बरतनराम सनतकर्मचार बरीरह के नाम से मैं अर्जन प्रकरण ग्राम जुड़ा तहसील व जिला रायगढ़ भूमि खसरा नं. 295/2 रकबा 0.032 हे. 324/5 रकबा 0.105 हे. का तैयार किया गया है। उक्त दस्तावेज भूमि में रकबा अधिक है जिसमें दर्शाते भूमि में रकबा 5-5 हे.00 बंधा जा रहा है जो कृषक के उपयोग की नहीं है। और संपूर्ण भूमि का अर्जन होने से आवेदक को जो कि खेतों के स्थान पर होना।
37. बुलाचराम पि. दुर्जयम जालि गौड सा.देह भूमि स्वामी अधिग्रहित भूमि खसरा नं. 74/2, 77/1, निवासी ग्राम जुड़ा प.ह.न. 38 तहसील व जिला रायगढ़. यह कि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। जिसके संबंध में निम्नलिखित आपत्ति आपक समक्ष प्रस्तुत है। अधिग्रहित भूमि के एक और लगभग 9 हे.रिमान जमीन बंध रहा है, जिसे भी अधिग्रहण किया जाये। ग्राम जुड़ा के जमीन का वर्तमान बाजार मूल्य अत्यधिक कम है बाजार मूल्य निकट गांव में स्थित समान प्रकार के जमीन के मूल्य के बराबर किया जाये। भेरे घर के एक सदस्य को योग्यता के अनुसार नौकरी प्रदान किया जाये।
- (36)13. प्रकरण में नियमानुसार अधिसूचना के प्रकाशन उपरान्त समयावधि में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निराकरण पश्चात राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमिस्वामी को धारा 21 की सूचना जारी कर सूना गया है।
- (36)12. भारत में राज्य शासनों की पुनर्वास नीति के अनुसार, प्रचलित शासकीय नियम, भूमि का गाँड़ लार्डन/हिकी छोट मूल्य आदि का पालन करते हुए पुनर्वास नीति हर जगह राज्य शासन द्वारा अनुमोदित की जा रही है। भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वास प्रक्रिया में उचित प्रतिकर एवं परदर्शाता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 2 के अनुसार एन.टी.पी.सी. लार्डन/पार्लो की भूमि अर्जन प्रकरण हेतु पुनर्वास नीति सक्षम अधिकारी (कमिश्नर जिलासपुर) के द्वारा अनुमोदित है।
- (36)11. दिनांक 02.7.2014 को जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक के विन्यूओ को सक्षम अधिकारी (कमिश्नर जिलासपुर) के द्वारा भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वास प्रक्रिया में उचित प्रतिकर एवं परदर्शाता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 2 के अनुसार निर्दिष्ट कण्डिकाओं का पालन करते हुए 25 जुलाई 2015 को अनुमोदित किया गया है। जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक वर्ष 2014-15 में मानीय मंत्री एवं विधायक महोदय, कलेक्टर, सी.ई.ओ. जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी, ग्राम पंचायत आदि को सूचना देकर उपस्थिती में हुई। सभी विन्यूओ में बंधा होने के पश्चात 08.7.16 को बैठक के विन्यूओ की प्रति सभी संबंधितों एवं पंचायत को उपलब्ध कराई गयी है।
- (36)10. भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18/12/15 की अधिसूचना के अन्वय 1 में उल्लेख है कि उक्त केन्द्र सरकार समुचित सरकार के रूप में मैं अर्जन कर रही है वही इस अधिसूचना के प्रावधान लागू होने। प्रकरण में प्रस्तुत राजस्व अभिलेख एवं भूमि स्वामी द्वारा प्रस्तुत बंध दर्शावकों के अनुसार राजस्व अभिलेख को नियमानुसार दुरुस्त कर कायदाही की जा रही है।
- (36)9. अधिनियम की धारा 11 के पश्चात समयावधि में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निमानुसार जांच कर निराकरण किया गया है।
- बंध साइट में अपलोड कर दिया गया था।
- प्रकाशन क्षीय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में, संबंधित ग्राम प्रकाशन एवं अतिरिक्त रूप से रायगढ़ की

41 पदमन पिला साहेबो जालि कोलला कुल खसरा उपयुक्त सन्दर्भित विषयान्तर्गत लेख है कि ग्राम जुडा मुआवजा आंकलन में अर्जन अधिनियम की धारा 26 ख के अन्तर्गत आंकलन कर अथवा उक्त लिंग 0.069 है. भूमि जो लालब मद में है लिसे लालब घोषित किया जावे। अतः ग्राम जुडा के भूमि का कफ़ी निम्नता है अर्थात् न्यूनतम है जो कि आपत्तिजनक है इसके अतिरिक्त खसरा नंबर 300 रकबा लगा हुआ है इस आधार पर ग्राम जुडा की भूमि का मुआवजा आंकलन उक्त लिंगों गानों की दरों में जुडा के पड़ोसी ग्राम यथा सियारपानी, कोतरलिया तथा पडरीपानी की कृषि भूमि का ग्राम जुडा से राशि का आंकलन वर्तमान में मु-अर्जन अधिनियम धारा 26 क के अनुसार किया जा रहा है जबकि ग्राम कुल रकबा 0.373 है. भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का मुआवजा का पालन पोषण उक्त भूमि से होता है। आपके द्वारा जारी नोटिस के तहत दर्जित भूमि कुल खसरा 03 आपके द्वारा अर्जन किया जा रहा है उक्त अर्जन भूमि पर हक मार पुरा परिवार आश्रित है जिसके परिवार तहसील जिला रयगढ़ छ.ग. स्थित हमारे निजी भूमि का सार्वजनिक अर्थात् औद्योगिक प्रयोजन हेतु पदमन पिला साहेबो जालि कोलला कुल खसरा उपयुक्त सन्दर्भित विषयान्तर्गत लेख है कि ग्राम जुडा मुआवजा निर्धारण किया गया है।

स्थित नहीं होना पाया गया है। मु-अर्जन पत्रक अनुसूचित गाँव लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार अनुसूचित मुआवजा निर्धारण किया गया है। स्थल जांच में मौके पर अधिग्रहित की जा रही भूमि पर वृक्ष संयुक्त स्थल जांच में प्रतिवेदन में ख.न. 79 रकबा 0.232 है. भूमि पुनः के वोर से स्थित दोकसली

40 मुख्य निकट गांव में स्थित समान प्रकार के जमीन मूल्य बराबर किया जावे। है। पलास 2 पड़ कसही 2 पड़ स्थित है। ग्राम जुडा के जमीन का बाजार मूल्य अत्यधिक कम है बाजार कि जाये। अधिग्रहित भूमि में ख. नं. 79 में वोर से स्थित है अन्य संपत्तियाँ में संशोधन कि आवश्यकता दावा/आपत्ति सादर प्रस्तुत है। अधिग्रहित भूमि रोड से लगा है इसी ध्यान देते हुए मुआवजा राशि तय 38 तहसील व जिला रयगढ़ यह कि भू-अर्जन अधिग्रहण किया जा रहा है। जिसके संबंध में गोपीराम पिला जनकराम जालि अघरिया सादेह भूमि स्वामी ख. नं. 79, 566/2 नि. ग्राम जुडा प.ह.नं.

अनुसूचित गाँव लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है। जा रही है। के अतिरिक्त शेष बचत भूमि को अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। मु-अर्जन पत्रक संयुक्त स्थल जांच में प्रतिवेदन में खसरा नं. 61/4 रकबा 0.198 है. में से 0.081 है. भूमि अधिग्रहित की

39 निर्धारण किया जावे तथा आवेदक/आपत्तिकर्ता को प्रदान किया जावे। संभव नहीं है। यह कि उक्त भूमि के संबंध में उचित मौका मुआवजा करते हुए उचित मुआवजा राशि नहीं लिया जा रहा है केवल कुछ हिस्सा लिया जा रहा है। उक्त भूमि में प्रवेश कर कृषि कार्य करना शासन द्वारा अधिग्रहण किया गया है जो कि 61/4 से रकबा 0.081 है. स्थित है जिस पर पुरा जमीन पदमावती पति कर्तिक जालि गाँव सा. देह भूमि स्वामी यह कि आपत्तिकर्ता की भूमि देवे लार्डन हेतु

लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है। परिणामा गाँव लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार किया गया है। मु-अर्जन पत्रक अनुसूचित गाँव लार्डन नग. साजा, 3 नग. देहना, 1 नग. नीम, 1 नग. निरगरी वृक्ष स्थित होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन करने कि आवश्यकता नहीं है स्थल जांच में मौके पर अधिग्रहित की जा रही भूमि पर 5 नग. महुआ, 2 0.077 है. में से 0.032 है. भूमि अधिग्रहित की जा रही है। के अतिरिक्त शेष बचत भूमि को अधिग्रहण संयुक्त स्थल जांच में प्रतिवेदन में खसरा नं. 324/5 रकबा 0.105 है. में से 0.105 है. 295/5 रकबा

स्थित भूमि को प्रदान किया जाना न्यायवित होना। वृक्ष है जो प्रभावित होगा। साथ ही ग्राम कोतरलिया, विटकाकानी, पडरीपानी के आधार पर ग्राम जुडा रकबा 5 - 5 है. जिसको अर्जन में नहीं लिया गया है उसमें 2 महुआ, 1 साजा, 3 रहना, 1 निरगरी निरगरी, 2 वृटा बांस, 1 कुआँ का मूल्यांकन नहीं किया गया है और वृक्ष की सूची में दर्ज नहीं है। जबत धति ही रही है उक्त भूमि में मुआवजा राशि में वृक्ष की संख्या अधिक है और 9 महुआ, 4 साजा, 1

श्री गोसाई राम प्रधान पिता मणिरथी प्रधान नि.गाम जुडा ख.नं. 68/3, 69/11, 69/4, 69/9, 94 यह
 कि भरे मूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। जिसके संबंध में निम्नलिखित दावा/आपत्ति आपक समने
 सादर प्रस्तुत है। अधिग्रहित मूमि में 14 व्यक्तियों का नाम उल्लेखित है जबकि आपसी वंटवारे में यह
 मूमि गोसाईराम प्रधान पिता मणिरथी एवं कर्णाल, रघुवीर एवं सुभाषिनी प्रधान पिता अलेख राम प्रधान
 के हिस्से में है उपरोक्त मुआवजा शीष्टा इन्हें ही प्रदान किया जावे। उपरोक्त विषयोंमें लेख है कि
 ग्राम पंचायत जुडा जा कि जिला मुख्यालय से लगा हुआ है (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित)
 के मूमि बाजार मुख्य राजस्व निरीक्षक मण्डल रायगढ़ के माणिकसिक सिद्धांत के अनुसार अन्य गांवों से
 अत्यधिक कम आंका गया है जो सदरहायरत है। यैकि ग्राम जुडा जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से लगे
 होने के बावजूद अन्य गांवों जैसे कि महापल्ली, कोतरसिया, सियारपाली आदि जो कि जिला मुख्यालय
 एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की तुलना में मूमि का बाजार मूल्य बहुत कम है। यहां यह भी बात है
 कि ग्राम का मूमि आस पास के सभी गांवों से अधिकांश अधिक उपजाऊ एवं किमती है। आप कृषि यहां
 अन्य गांवों की अपेक्षा अधिक मात्रा में धान एवं सब्जी का उत्पादन ही रहा है इसकी पुष्टि आप कृषि
 विभाग एवं कृषि मण्डली से भी कर सकते है। विहित है कि ग्राम पण्डरीपानी (पू) एवं ग्राम जुडा एक ही

44

अनुसार किया गया है।

संयुक्त स्थल जांच में मौके पर खसरा 326/9 रकबा 0.154 है अधिग्रहित की जा रही मूमि पर 7 नग
 महुआ, 3 नग साजा, 2 नग लेन्दू, 4 नग चार 3 नग खहर, 3 नग रेहना 1 नग बेल 1 नग कसही, 2
 नग अन्य वृक्ष स्थित होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिणामना गाड़ड लाईन वर्ष 2015-16 के
 नग अन्य वृक्ष स्थित होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिणामना गाड़ड लाईन वर्ष 2015-16 के
 संयुक्त स्थल जांच में मौके पर खसरा 326/9 रकबा 0.154 है अधिग्रहित की जा रही मूमि पर 7 नग
 महुआ, 3 नग साजा, 2 नग लेन्दू, 4 नग चार 3 नग खहर, 3 नग रेहना 1 नग बेल 1 नग कसही, 2
 नग अन्य वृक्ष स्थित होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिणामना गाड़ड लाईन वर्ष 2015-16 के

निर्दान कि कृपा करें।
 मू-अर्जन से वंचित है। अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि उक्त वंचित मूमि एवं वृक्ष का मुआवजा शीष्टा
 निर्णायी 2 पंड चार 2 पंड कसही 1 पंड सेहना 1 पंड रोहिना 3 पंड मौहा 2 पंड लेन्दू 1 पंड वृक्ष
 मोरिस पर वर्णित है। यह कि उत्तर दिशा में 5 मीटर एवं दक्षिण में 2 मीटर मूमि एवं बांस 2 मिरहा
 खसरा 326/9 रकबा 0.154 है मूमि एवं 7 महुआ 3 साजा 2 लेन्दू चार 3 खहर 3 रेहना 1 वृक्ष जायी
 अशनी कृमर निवेदन है कि आवेदक गोबर्धन पिता विद्याधर जाति धोबा नि.गाम जुडा प.ह.नं. 38 कुल
 है।

43

मू-अर्जन पत्रक अनुमोदित गाड़ड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया
 गया है। मू-अर्जन पत्रक अनुमोदित गाड़ड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार किया
 महीनाम होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिणामना गाड़ड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार किया
 कहुआ, 2 नग जामुन 2 नग साजा 4 नग तात, 2 नग कठली, 9 नग लेन्दू, 1 नग कुहरी, 1 नग
 की जा रही मूमि पर 23 नग खैर, 24 नग महुआ, 40 नग चार, 16 नग पलास, 1 नग नीम, 1 नग
 स्थल जांच में मौके पर ख.नं. 73/2 रकबा 0.125 है. एवं खसरा नं 78/5 रकबा 0.967 है अधिग्रहित
 प्रस्तावित है।

मूमि ख.नं. 73/2 रकबा 0.125 है. एवं खसरा नं 78/5 रकबा 0.967 है. पूरा रकबा अधिग्रहण हेतु
 कर मुआवज की रकम तय की जाती है तो मुआवजा आपत्तिजनक एवं अस्वीकार्य होगा। आवेदक की
 आदेशित करें। ग्राम जुडा के जमीन का वर्तमान बाजार मूल्य अत्यधिक कम है, यदि इसे ही मूल्य मान्य
 संपत्तियों की संख्या में संशोधन कि आधारयकता है, अतः पुनः गणना कर मूल्यांकन करने के लिए
 अधिग्रहित की जा रही मूमि पुनः स्पष्ट रेखांकन करने के लिए आदेशित करें। अधिग्रहित मूमि में स्थित
 आनंद पिता रामनाथ जाति कवर सा.द.ह मूमि स्वामी अधिग्रहित मूमि का रेखांकन स्पष्ट नहीं है अतः
 गया है।

42

संयुक्त स्थल जांच में प्रतिवेदन में खसरा नं. 300 रकबा 0.069 है. मूमि का मुआवजा गाड़ड लाईन वर्ष
 2015-16 के अनुसार निर्धारण किया गया है। ताताब की गणना परिस्मृति में मुआवजा निर्धारण किया
 है एवं असमान दर पर हमें आपत्ति है।

ग्रामों की ही जा रही मुआवजा शीष्टा स्वीकृत करने का अनुरोध

(अनुसूचित जाति) आरक्षण
 (अनुसूचित जाति) आरक्षण
 (अनुसूचित जाति) आरक्षण

संयुक्त जांच प्रतिवेदन सं. ख.नं. 326/7 रकबा 0.121 है. अधिग्रहित की जा रही भूमि एवं भूमि पर स्थित महुआ-6 नम. बार-1 तैरू-1 बीजा-1 नम. रेहना-1 पेटों का मूल्यांकन अनुमानित गाड़ेंड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार हुआ।

करने की कृपा करें।
 का निर्माण कर भूमि के बाजार मूल्य में जो विषय है उसमें संशोधन कर उचित मूल्य का निर्माण उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के अंतर्गत भूमि के मूल्य उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाणन में आपसे करबद्ध आग है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाणन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता भू-अर्जन का मुआवजा दर दिया जाता है तो मामलाधियों को भारी नुकसान होने का अनुमान है। अतः की खेती जा रही है, जिसके भू-अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर खेती दरों के आधार पर गावों के भूमि के बाजार मूल्य में वर्तमान में इस गांव से होकर एनटीपीसी पटवारी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए ग्राम पंचायत है किंतु दोनों रहा है इसकी पुष्टि आप कृषि विभाग एवं कृषि मज्जा से भी कर सकते हैं। विदित है कि ग्राम एवं किमती है। आप कृषि यहां अन्य गावों की अपेक्षा अधिक मात्रा में धान एवं सब्जी का उत्पादन हो कम है। यहां यह भी बात है कि ग्राम का भूमि आपस के सभी गावों से अपेक्षाकृत अधिक उपजाऊ आते जो कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की तुलना में भूमि का बाजार मूल्य बहुत मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से लगे होने के बावजूद अन्य गावों जैसे कि महापल्ली, कोतखिया, खियारपल्ली के अनुसार अन्य गावों से अत्यधिक कम आंका गया है जो संदेहास्पद है। चूंकि ग्राम जुड़ा जिला किमी की दूरी पर स्थित (के भूमि बाजार मूल्य राजस्व निरिक्षक मण्डल राणाठ के मार्गदर्शक सिद्धित विषयगत लेख है कि ग्राम पंचायत जुड़ा जो कि जिला मुख्यालय से लगा हुआ है (पूर्व दिशा में 5 स्वभावसे होने से भरे नाम से निर्धारित कर उचित मुआवजा निर्धारण करने की कृपा करें। उपरोक्त किया जावे। अतः निवेदन है कि आवेदन स्वीकार कर भू अर्जन मुआवजा राशि पिता लक्ष्मणर का राशि का निर्धारण कम होने से आवेदक को क्षति होगी ऐसी स्थिति में उचित मुआवजा राशि निर्धारित निर्धारण भरे नाम से किया जावे। दर्शित भूमि अन्य गावों के भूमि से अच्छी किस्म की है तथा मुआवजा रुका है तथा ऋण पुरितका राजस्व अभिलेख में भरा नाम दर्ज है जिस कारण से उक्त मुआवजा संबंधी 326/7 रकबा 0.121 है. का अर्जन औद्योगिक प्रयोजन में किया गया है। भरे पिता का स्वभावसे ही निवासी ग्राम जुड़ा तहजिला. राणाठ का निवासी है। भरे पिता लक्ष्मणर के हक अधिकार सं. ख.नं. निर्वाचन पिता लक्ष्मणर जालि भुईया नि.ग्राम जुड़ा निवेदन है कि प्रार्थी निर्वाचन पिता लक्ष्मणर

2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।
 0065 है. 69/9, रकबा 0.0065 है. 94 रकबा 0.129 है. भू अर्जन पत्रक अनुमानित गाड़ेंड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।

संयुक्त जांच प्रतिवेदन सं. ख.नं. 68/3, रकबा 0.008 है. 69/11, रकबा 0.065 है. 69/4, रकबा 0.69/9, रकबा 0.0065 है. 94 रकबा 0.129 है. भू अर्जन पत्रक अनुमानित गाड़ेंड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।
 मुआवजा उन्हीं को देय होगा।
 भूमि एवं भूमि पर स्थित परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन अवलम अभिलेख के अनुसार किया गया है। और जो विषय है उसमें संशोधन कर उचित मूल्य का निर्माण करने की कृपा करें। अधिग्रहित की जा रही अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के अंतर्गत भूमि के मूल्य का निर्माण कर भूमि के बाजार मूल्य में अधिनियम है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाणन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाणन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के अंतर्गत भूमि के मूल्य का निर्माण कर भूमि के बाजार मूल्य में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाणन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम है। अतः आपसे करबद्ध आग है कि भूमि अर्जन, भू-अर्जन का मुआवजा दर दिया जाता है तो मामलाधियों को भारी नुकसान होने का अनुमान है। अतः की खेती जा रही है, जिसके भू-अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर खेती दरों के आधार पर गावों के भूमि के बाजार मूल्य में वर्तमान में इस गांव से होकर एनटीपीसी की खेती जा रही है, जिसके पटवारी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए ग्राम पंचायत है किंतु दोनों गावों के भूमि के बाजार मूल्य में वर्तमान में इस गांव से होकर एनटीपीसी की खेती जा रही है, जिसके भू-अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर खेती दरों के आधार पर गावों के भूमि के बाजार मूल्य में वर्तमान में इस गांव से होकर एनटीपीसी की खेती जा रही है, जिसके

[Handwritten signature]

48

टिकाराम पिता जनकराम खसरा नं. 64/1 रकबा 0.170 है. मूँसि की सांठानिक प्रयोजन अर्थात् औद्योगिक प्रयोजन हेतु मूँसि का अर्जन किए जाने का उल्लेख करते हुए संबंधित अनावदक खातेदार को अपने हित अधिकारी मुआवजा राशि मूँसि पर अधिकार के फलस्वरूप मुआवजा में हित संबंधि दावे तथा मूँसि के साथ 27/06/2016 को न्यायालय मूँ-अर्जन अधिकारी, रायगढ़ के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु नोटिस प्रदाया किया गया है। यह कि अनावदक के उपरोक्त उल्लेखित खसरा नं. के कुछ भागों पर उल्लेखित मूँसि को मूँ अर्जन से मुक्त किया जावे अन्यथा उपरोक्त उल्लेखित खसरा नम्बर के क्षेत्र बचल मूँसि पर कोई भी कृषि कायदा ही पाना सम्भव नहीं है, इस कारण मुआवजा राशि दिया जाना न्यायोचित होगा अनावदक के मूँसि का मुआवजा जुर्माना अर्थात् अर्जन पर मूँसि के मुआवजा नुसार मुआवजा दिया जावे यह कि अनावदक के उपरोक्त उल्लेखित मूँसि में जामिन 01, घर 04 पलास 06 महुआ 7, सरसीवा 1, धारणी 1, साना 1, पड़ का ही उल्लेख है परन्तु प्रभावित स्थल पर छोटी छोटी अनेकों वृक्ष हैं। उनाक कोई भी अंकलन नहीं किया गया है जिसका ज्ञान किया जाकर समुचित मुआवजा राशि अनावदक को प्राप्तान किया जाना न्यायोचित होगा। उपरोक्त विषयगतित लेख है कि ग्राम पंचायत जुर्माना कि जिला मुख्यालय से लगा हुआ है (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के मूँसि खान मूल्य रायगढ़ निरीक्षक मण्डल रायगढ़ के मार्गदर्शक सिद्धित के अनुसार अन्य गांवों से अत्यधिक कम आंका गया है जो सदेहास्य है। चूंकि ग्राम जुर्माना मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की गुलना में मूँसि का बाजार मूल्य बहुत कम है। यहाँ यह भी बात है कि ग्राम का बाजूर अन्य गांवों जैसे कि महापल्ली, कोतरलिया, सियारपल्ली आदि जो कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की गुलना में मूँसि का बाजार मूल्य बहुत कम है। यहाँ यह भी बात है कि ग्राम का मूँसि आस पास के सभी गांवों से अत्यधिक अधिक उपजाऊ एवं किमती है। आप कृषि यहाँ अन्य गांवों की अपेक्षा अधिक मात्रा में धान एवं सब्जी का उत्पादन हो रहा है इसकी पूर्वा आप कृषि विभाग एवं कृषि मण्डल से भी कर सकते हैं। विहित हो कि ग्राम पंचायती (यू) एवं ग्राम जुर्माना एक ही पटवारी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए ग्राम पंचायत है किंतु दोनों गांवों के मूँसि के बाजार मूल्य में जमीन आसमान का अंतर है। वर्तमान में इस गांव से होकर एनटीपीसी की रेलवे लाईन जा रही है, जिसके मूँ-अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर इन्हीं दरों के आधार पर मूँ-अर्जन का मुआवजा दर दिया जाता है तो ग्रामवासियों को भारी नुकसान होने का अंजन है। उक्त आपसे करबद्ध आया है कि मूँसि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाण में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम है कि मूँसि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाण में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार

को शासन द्वारा राजगार हेतु नौकरी दिलाया जावे।

अर्जन किया जाकर शासन द्वारा दिव गांव, निर्देश के आधार पर तथा हमारे परिवार के आश्रित व्यक्तियों आवदक द्वारा दिव गांव आधारों पर बचल मूँसि को ही मूँ अर्जन में लिया जाकर मुआवजा निर्धारित कर मूँ मुआवजा दी जावे। अतः माननीय नियालय से निवेदन है कि आपत्ति स्वीकार किया जाकर मूँ अर्जन रह जायेगी इस कारण से भी उक्त मूँसियों को मूँ अर्जन में ली जाकर मुआवजा निर्धारित किया जाकर संयुक्त लाभ प्रतिवेदन में खसरा नं. कमधर34/5 रकबा 0.178 है. में से 0.004, खसरा नं. 69/7.69/8.69/10 रकबा 0.279 है. में से 0.108 खसरा नं. 76/1 रकबा 0.405 है. में से 0.243 है. खसरा नं. 248/2 रकबा 0.809 है. में से 0.162 है. मूँसि अधिग्रहित की जा रही है। के अतिरिक्त क्षेत्र बचल मूँसि को अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। अधिग्रहित की जा रही मूँसि एवं मूँसि पर स्थित का मुख्यांकन अद्यतन अभिलेख के अनुसार किया गया है। और मुआवजा उन्हीं को देय होगा। स्थल ज्ञान में मौके पर अधिग्रहित की जा रही मूँसि पर 23 नग महुआ, 8 नग घर, 3 नग खैर, 3 नग साना, 3 नग कुन्ही, 1 नग कसही, 1 नग लेन्दू, 1 नग पलास वृक्ष स्थित होना पाया गया है। जिसका मुख्यांकन परिणामना गाइड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार किया गया है। उक्त मूँसि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाण में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धौड्युल 1 एवं 2 के अनुसार हेतु पुनर्वास नीति कमिशनर बिलासपुर के द्वारा अनुमोदित है। अनुमोदित योजना के अनुसार प्रभावित परिवारों को वार्षिकी का प्राधान किया गया है, जो कि राजगार के स्थान पर होगा।

संयुक्त जांच प्रतिवेदन में क्रमशः खसरा नं. 18, 51, 52, 53, 58/1 रकबा क्रमशः 0.680, 0.158, 0.287, 0.040, 0.053 है. में से 0.182, 0.060, 0.287, 0.040, 0.008 है. भूमि रखत जांच में मौके पर अधिग्रहित की जा रही है, के अतिरिक्त शेष बचत भूमि को अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। उक्त भूमि पर 1 नग क्वार्टर, 4 नग क्वार्टर, 7 नग क्वार्टर, 7 नग महुआ, 2 नग पलास, 2 नग नीम, 1 नग कसही, 1 नग बर्बल 3

भूख का निर्धारण करने की कृपा करें।

अंतर्गत भूमि के मूल्य का निर्धारण कर भूमि के बाजार मूल्य में जो विषमता है उसमें संशोधन कर उचित पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के अंतर्गत उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर दरों के आधार पर भू-अर्जन का मुआवजा दर दिया जाता है तो ग्रामवासियों को भी नुकसान होने का संकोच नहीं है। निम्न भू-अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर इन्हीं धारायत है कि भूमि के बाजार मूल्य में जमीन आसमान का अंतर है। वर्तमान में इस गांव विहित है कि ग्राम पंचायती (पू) एवं ग्राम जुड़ा एक ही पटवारी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए ग्राम सभा का उत्पादन हो रहा है इसकी पुष्टि आप कृषि विभाग एवं कृषि मण्डली से भी कर सकते हैं। अधिकांश अधिक उपजाऊ एवं किमती है। आप कृषि यहां अन्य गांवों की अधिकांश अधिक मात्रा में धान एवं कोरपास मूल्य बहुत कम है। यहां यह भी बात है कि ग्राम का भूमि आप पास के सभी गांवों से कोरपास, सिंचारपाली आदि जो कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की तुलना में भूमि ग्राम जुड़ा जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूरी होने के बावजूद अन्य गांवों जैसे कि महापल्ली, के मार्गदर्शक सिद्धांत के अनुसार अन्य गांवों से अत्यधिक कम आंका गया है जो सदैवसुपर है। यौक हुआ है (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के भूमि बाजार मूल्य राजस्व निरीक्षक मंडल राजगढ़ न्यायाधीश होना। उपरोक्त विषयगत लेख है कि ग्राम धारायत जुड़ा जो कि जिला मुख्यालय से दूरी किया गया है निम्नका जांच किया जाकर समुचित मुआवजा राशि अनावदक को भुगतान किया जाना का ही उल्लेख है, परन्तु प्रभावित स्थलों पर छोटी छोटी अनाकों वृक्ष हैं। उनाक कोई भी अंकलन नहीं हुआ मुआवजा दिया जावे। यह कि अनावदक के उपरोक्त उल्लेखित भूमियों में 6 एवं 3 नग महुआ वृक्ष जना न्यायाधीश होना अनावदक के भूमि का मुआवजा जुड़ा स्थित आप पास के ग्रामों के मुआवजा नभर के शेष बचत भूमि पर कोई भी कृषि कार्य हो पाना सम्भव नहीं है, इस कारण मुआवजा राशि दिया कारण उपरोक्त उल्लेखित भूमि को भू अर्जन से मुक्त किया जावे अन्यथा उपरोक्त उल्लेखित खसरा एक मात्र आप का जिरिया कृषि है तथा कृषि पर ही अपने परिवार का जीवन-यापन करते हैं इस कुछ भागों पर औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि अर्जन करने संबंधित कार्यवाही की जा रही है अनावदक का प्रयोजन हेतु नोटिस प्रदत्त किया गया है। यह कि अनावदक के उपरोक्त उल्लेखित खसरा नं. के हित संबंधित एवं तथा भूमि के साथ 27/06/2016 को न्यायालय भू-अर्जन अधिकांश, राजगढ़ के समक्ष अनावदक खातेदार को अपने हित अधिकांश मुआवजा राशि भूमि पर अधिकार के फलस्वरूप मुआवजा में प्रयोजन अर्थात् औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि का अर्जन किए जाने का उल्लेख करते हुए संबंधित 53, व 98/1 रकबा क्रमशः 0.182, 0.040, 0.020, 0.287, 0.040 एवं 0.008 है. भूमि को सांख्यिक प्रयोजन कि अनावदक के ग्राम जुड़ा प.ह.नं. 38 स्थित अपने स्थानित की भूमि खसरा नंबर 18, 51, 52, 53, व 98/1 रकबा क्रमशः 0.182, 0.040, 0.020, 0.287, 0.040 एवं 0.008 है. भूमि अधिग्रहित की जा रही है।

महेशराम भातराम पि. टीकाराम दाताराम, गनपत पिता अर्थात् सा 10 देह भूमि स्वामी यह है। भू अर्जन पत्रक अनुमोदित गाइड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया जासन, 4 नग बार, 7 नग महुआ, 1 नग सरसिया, 2 नग साजा वृक्ष स्थित होना पाया है, के अतिरिक्त शेष बचत भूमि को अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। उक्त भूमि पर 1 नग संयुक्त जांच प्रतिवेदन में खसरा नं. 64/1 रकबा 0.777 है. में से 0.170 है. भूमि अधिग्रहित की जा रही है। उक्त भूमि पर 1 नग क्वार्टर, 4 नग क्वार्टर, 7 नग क्वार्टर, 7 नग महुआ, 2 नग पलास, 2 नग नीम, 1 नग कसही, 1 नग बर्बल 3

जो विषमता है उसमें संशोधन कर उचित मूल्य का निर्धारण करने की कृपा करें।

अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के अंतर्गत भूमि के मूल्य का निर्धारण कर भूमि के बाजार मूल्य में

(अनुसूचित जाति) श्रेणी
 (क) अनुसूचित जाति (अ) श्रेणी
 श्री. नरसिंह माडगी

52

दिलेखर माडगी पिता स्व. श्री नरसिंह माडगी विधवांतून लेख हे कि में दिलेखर माडगी पिता स्व. नरसिंह
 माडगी जाति भूमिमा सा. देह भूमि स्वामी खसरा नं. 61/1 निवासी ग्राम जुडा यह की भूमि का
 अधिग्रहण किया जा रहा है जिसके संबंध में निम्नलिखित दवा आपत्तियां आपके समक्ष सादर प्रस्तुत
 है।- अधिग्रहित भूमि का रूखकान स्पष्ट नहीं है अतः अधिग्रहित की जा रही भूमि के क्षेत्रफल का पुनः
 स्पष्ट रूखकान करने के लिये आदेशित करें। अधिग्रहित भूमि में स्थित सम्पत्तियों की संख्या में संशोधन
 की आवश्यकता है, अतः पुनः गणना कर मूल्यांकन करने के लिये आदेशित करें ग्राम जुडा के जमीन का
 वर्तमान बाजार मूल्य आर्थिक कम है, यदि इसे ही मूल्य मान्य कर मुआवजे की रकम तय की जाती है
 तो मुआवजा आपत्ति जनक एवं अस्वीकार्य होगा। अतः महोदय से भैया विनम्र निवेदन है कि उपरोक्त

संयुक्त जांच प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया गया है कि खसरा नं. 272/10, 273/10, 274/10 रकबा
 0.089 है. भूमि रेल लार्डन में प्रभावित नहीं हो रही है अतः आपत्तिकर्ता का आवेदन पत्र निरस्त किया
 जाता है।

51

शशिष कुमार मिश्रा आ10 स्व.रामहरि मिश्रा निवासी ग्राम जुडा यह कि आवेदन पत्र में आंकित जो नोटिस
 में दर्शाते हैं ख.नं. 272/10, 273/10, 274/10 रकबा 0.089 है. भूमि आपत्तिकर्ता की स्व अर्जित भूमि
 में आता है यह भूमि आपत्तिकर्ता द्वारा मकान बाड़ी बनाने हेतु अर्जित किया था जिसमें पल्लव कुमार
 मिश्रा जो उसका भतीजा है एवं वर्तमान में बरेलगर है आंकित है यह कि आपत्तिकर्ता पल्लव कुमार की
 मिश्रा की कम्पनी में बरेलगर है एवं वर्तमान में बरेलगर है अतः उक्त पल्लव मिश्रा को
 नौकरी दी जाये यह कि आपत्तिकर्ता के नाम पर बैंक जारी किया जाकर उसके भतीजा पल्लव
 मिश्रा को कम्पनी में रोजगार दिलाया जावे। यह कि आपत्तिकर्ता के पुत्र भावेश कुमार मिश्रा भी
 बरेलगर है अतः उसे भी कम्पनी में नौकरी दी जावे। यह कि उक्त भूमि में मोहा झाड़ 6 ना. आम
 1 नग, नीम वृक्ष 1 कसई वृक्ष 1 नाग 2 वृक्ष चार, गुलमोहर का 3 नाग अन्य 1 नाग तथा कंकट 1 नाग
 करपा 2 नाग महालीम का 1 नाग वृक्ष कुल 19 वृक्ष स्थित है जिस नोटिस में नहीं दर्शाया गया है
 जिसकी कीमत लगभग 2 लाख रुपये होगी अतः उक्त रकम आपत्तिकर्ता प्राप्त करने का अधिकांश
 है यह कि पूर्व भूमि मकान हेतु कय करके के रखे गए हैं अतः परिवर्तित भूमि की दर से मुआवजा
 दिलायी जावे। यह की आपत्तिकर्ता के नाम पर बैंक जारी किया जाकर उसके भतीजा पल्लव मिश्रा में
 कम्पनी में रोजगार दिलाया जावे।

गाइड लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।
 है। के आतिरिक्त शेष बचत भूमि का अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। भू अर्जन पत्रक अनुमोदित
 संयुक्त जांच प्रतिवेदन में खसरा नं. 130 रकबा 0.494 है. में से 0.323 है. भूमि अधिग्रहित की जा रही

50

पंडितराम पिता हरिहर जाति अघरिया ग्राम जुडा निवेदन है कि पंडितराम पिता हरिहर जाति अघरिया
 के एक अधिकार में ग्राम जुडा में खसरा नं. 130 रकबा 0.323 हे 0 स्थित है उक्त दर्शाते भूमि रायगढ़ से
 लोर्डन मार्ग से 100 मीटर की दूरी पर स्थित है जो भूमि काफी कीमती है। भूमि का अर्जन जो
 औद्योगिक परियोजना में किया गया है ग्राम जुडा की भूमि का मुआवजा मूल्यांकन अवर्तन कम है जबकी
 कोलरिया, कोटरपाली, पंडरीपानी, बिटकाकानी, सियारपानी की भूमियों से अत्यन्त कम है। मैंन रोड से
 100 मीटर की उक्त भूमि की दूरी तथा अन्य ग्राम से अधिक किमती भूमि होने से भू अर्जन का मूल्यांकन
 अधिक दर पर किया जावेगा दर्शाते भूमि जिसका अर्जन किया गया है उसमें शेष बचत रकमा चारी और
 से अधिक बच जा रहा है जिससे आर्थिक क्षति होगी वृकी वह कृषि योग्य नहीं होगा। ऐसी स्थिति में
 संपूर्ण भूमि का मुआवजा निर्धारित किया जावे।

नग सजा, वृक्ष स्थित होना पाया गया है। जिसका मूल्यांकन परिणामाना गाइड लार्डन वर्ष 2015-16 के
 अनुसार किया गया है।

(अनुसूचित जाति)
अधिकांकित (क)
आधिकारिक

54

आपात्तिकर्ता मंगलप्रसाद पटेल द्वारा निवेदन किया है कि मंगल प्रसाद पिता दयाराम के एक अधिकार में भूमि खसरा नं. 68/1, 341/2, 344/1, 347/1 रकबा 0.056, 0.259, 0.012, 0.012, 0.085 हे का औद्योगिक प्रयोजन में अर्जन किया गया है। उक्त दर्शित भूमि वृक्षों की संख्या अधिक है जिससे आम, 6 खसरा लक्ष्मण है जिनका मापना नहीं किया गया है। शेष बचत भूमि में अर्जन न होने से अयोग्य हो जावनी जिससे आवेदक को आर्थिक क्षति होगी ऐसी स्थिति में दर्शित रकबा की संपूर्ण भूमि को भी अर्जन किया जाना उचित है। उक्त भूमि का मूआवजा राशि अत्यंत कम किया गया है जबकी ग्राम कोतरलिवा, विटकाकानी पडरीपानी की भूमि का मूआवजा अधिक निर्धारित किया गया है ऐसी स्थिति में आर्थिक क्षति हो रही है। उपरोक्त विषयगत लख है कि ग्राम पंचायत जुर्ना वा कि जिला मुख्यालय से लगाना हुआ है (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के भूमि बाजार मूल्य राजस्व निरीक्षक मण्डल रायगढ

संयुक्त स्थल जांच में आपत्ति के संबंध में विन्दु क. 1 से 2 का निराकरण निम्नानुसार है:- ख. नं. 35/4क, रकबा 0.779 में से 0.202 एवं खसरा नं. 166/2, 167/2 रकबा 0.268 में से रकबा 0.028 हे 2015-16 के अनुसार मूआवजा निर्धारण किया गया है। उक्त नीजी नलकूल से स्थित दोकसली दर पर भी अर्जन पत्रक अनुमोदित गाईड लाईन वर्ष भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। के अतिरिक्त शेष बचत भूमि की अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। उक्त नीजी नलकूल से स्थित दोकसली दर पर भी अर्जन पत्रक अनुमोदित गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मूआवजा निर्धारण किया गया है।

संयुक्त स्थल जांच में आपत्ति के संबंध में विन्दु क. 1 से 2 का निराकरण निम्नानुसार है:- ख. नं. 35/4क, रकबा 0.779 में से 0.202 एवं खसरा नं. 166/2, 167/2 रकबा 0.268 में से रकबा 0.028 हे 2015-16 के अनुसार मूआवजा निर्धारण किया गया है। उक्त नीजी नलकूल से स्थित दोकसली दर पर भी अर्जन पत्रक अनुमोदित गाईड लाईन वर्ष भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। के अतिरिक्त शेष बचत भूमि की अधिग्रहण करने कि आवश्यकता नहीं है। उक्त नीजी नलकूल से स्थित दोकसली दर पर भी अर्जन पत्रक अनुमोदित गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मूआवजा निर्धारण किया गया है।

करने की कृपा करें।

का निर्धारण कर भूमि के बाजार मूल्य में जो विषयगत है उसमें संशोधन कर उचित मूल्य का निर्धारण उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के अंतर्गत भूमि के मूल्य उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में आपस करबद्ध आगह है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता भू-अर्जन का मूआवजा दर दिया जाता है जो ग्रामवासियों को भारी नुकसान होने का अनुमान है। जल की रकब लाईन जा रही है, जिसके भू-अर्जन का काठ प्रगति पर है। अगर इन्ही दरों के आधार पर गावों के भूमि के बाजार मूल्य में जमीन आसमान का अंतर है। वर्तमान में इस गांव से होकर एनटीपीसी पडरीपानी (पू) एवं ग्राम जुर्ना एक ही पटवारी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए ग्राम पंचायत है किंतु दोनों रहा है इसकी पुष्टि आप कृषि विभाग एवं कृषि मण्डल से भी कर सकते हैं। विहित हो कि ग्राम एवं किमती है। आप कृषि यहाँ अन्य गावों की अपेक्षा अधिक मात्रा में धान एवं सब्जी का उत्पादन हो कम है। यहाँ यह भी बात है कि ग्राम का भूमि आपस के सभी गावों से अपेक्षाकृत अधिक उपजाव आदि जो कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की तुलना में भूमि का बाजार मूल्य बहुत मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से लगे होने के बावजूद अन्य गांवों जैसे कि महदवली, कोतरलिवा, सिंघारपाली सिंघार के अनुसार अन्य गावों से अत्यधिक कम आंका गया है जो सददहापर है। चूंकि ग्राम जुर्ना जिला में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के भूमि बाजार मूल्य राजस्व निरीक्षक मण्डल रायगढ के मार्गदर्शक उपायविभागात् लख है कि ग्राम पंचायत जुर्ना वा कि जिला मुख्यालय से लगाना हुआ है (पूर्व दिशा

2.

निर्धारण किया जाकर मूआवजा राशि निर्धारण किया जावे।

भूमि संबंध में हल्का पटवारी/राजस्व निरीक्षक के द्वारा मौका जांच किया जाकर उचित मूआवजा राशि अर्थविभागों का सामना करना पड़ेगा तथा आर्थिक कठिनाईयाँ का सामना करना पड़ेगा। यह कि उक्त होगी। यह कि उक्त भूमि दो कसली है अधिग्रहण में चले जाने से आपत्तिकर्ता को अत्यधिक पर अधिग्रहण भूमि में से कुछ हिस्सा शेष बचत हो रही है जो की प्रवेश कर कृषि काठ में अर्थविभाग 0.202 हे. खसरा नं. 166/3, 167/2 रकबा 0.028 भूमि अधिग्रहण किचे जाने का का प्रस्तावित है जिस यह कि आपत्तिकर्ता की भूमि ग्राम जुर्ना, प.ह.नं. 30 लह व जिला रायगढ में भूमि ख.नं. 35/4क रकबा

1.

आपात्तिकर्ता पुरुषोत्तम राठिया ग्राम जुर्ना, द्वारा निम्न विन्दु पर निम्नानुसार आपत्ति प्रस्तुत की है:-

परिमाणना गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के अनुसार मूआवजा निर्धारण किया गया है।

53

संयुक्त स्थल जांच में खसरा नं. 61/1 रकबा 0.180 हे. में से 0.081 हे. भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। उक्त अधिग्रहित भूमि पर 2 नग पलास वृक्ष स्थित होने पाया गया है। जिसका मूल्यांकन

3. यह कि रिट पिटिशन क्रमांक 1443 निविदा अग्रवाल, मनका अग्रवाल बनाम छ.ग. शासन व अन्य में माननीय उच्च न्यायालय जिलाधर (छ.ग.) के द्वारा दिनांक 14.09.2015 को यह आदेशित किया गया था कि मू-अर्जन अधिनियम के अध्याय 2 एवं अध्याय 3 का पालन किये जाने का निर्देशित किया गया था। निम्नलिखित अपील के साथ प्रस्तुत की गयी थी, किन्तु अनावक एवं तहसीलदार रायगढ़ तथा शोमान के द्वारा उक्त विन्दुओं का अहंलना किया गया है। विहित हो की माननीय उच्च न्यायालय के

2. यह कि धारा 11 के परिच्छेद में आपत्तिकर्ता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक एन.टी.पी.सी. एवं तहसीलदार के द्वारा अस्पष्ट प्रतिवेदन एवं मू-अर्जन अधिकांसी, रायगढ़ के द्वारा प्रस्तुत आपत्ति का विन्दुवार निराकरण नहीं किया गया है तथा बिना निराकरण के ही आदिम कर्तव्य की गई है, जो कि अनिहित है।

1. धारा 19 के पुनर्वासन व पुनर्स्थापना तथा धोषणा और सार का प्रकाशन करवा जाना प्रावधानित है किन्तु पुनर्वासन व पुनर्स्थापना सार्क का प्रकाशन आज दिनांक तक नहीं करवाया गया है। जबकी मू-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 19 (2) की उप धारा 1 में यह स्पष्ट प्रावधान है कि इस उप धारा के अधिन कोई धोषणा तब तक नहीं किया जावेगा, तब तक पुनर्वासन व पुनर्स्थापन का योजना का सार ऐसी धोषणा के साथ नहीं किया जावेगा। एतद्वयै प्रतिपूर्णा प्रक्रियाओं का समावेश कर मात्र प्रबंधक

55. अन्य अग्रवाल पिता प्रहलाद अग्रवाल गांधीगंज रायगढ़ 1 श्रीमती कविता अग्रवाल पति विजय अग्रवाल इलाहाबाद बाजार रायगढ़ 2 वसंत अग्रवाल पिता प्रहलाद अग्रवाल गांधीगंज रायगढ़ 3 रवि गुप्ता पिता सुरेश कुमार गुप्ता मौदर चौक रायगढ़ 4 इमरान हुसैन हुसैन चौक रायगढ़ 5 जावेद खान पिता जलील अहमद चौक रायगढ़ 6 निविदा रायगढ़ 7 पंकज गुप्ता पिता सुरेश कुमार गुप्ता मौदर चौक रायगढ़ 8 पवन शर्मा पिता विमल कुमार शर्मा दानीपारा रायगढ़ 9. नवीन शर्मा पिता स्व. कृष्णशंकर शर्मा दानीपारा रायगढ़ 10. श्रीमती लक्ष्मीदेवी अग्रवाल वन्द शंकरलाल अग्रवाल चौक रायगढ़ द्वारा आपत्ति विन्दुवार किया गया है जो निम्नानुसार है

अनुसार किया गया है।
 नग अन्य वृक्ष स्थित होना पाया गया है। निम्निका मुख्यानक परिमाणना माईड लाईन वर्ष 2015-16 के रिया, 1 नग नीम, 4 नग खम्हर, 1 नग रेहना, 2 नग लेन्दु, 1 नग बेहरा, 1 नग कोरिया, 1 नग आम 9 0.12, 0.012, 0.085 है मूनि अधिमहित की जा रही है उक्त मूनि पर 7 नग मईआ 4 नग साजा 1 नग संयुक्त रखा जाव में खसरा नं. 68/1, 341/2, 344/1 रकबा 0.056, 0.259, 0.

मूल्य का निर्धारण करने की कृपा करें।
 अंतर्गत मूनि के मूल्य का निर्धारण कर मूनि के बाजार मूल्य में जो विषमता है उसमें संशोधन कर उचित पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के एवं पारदर्शिता उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम है कि मूनि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर अनुमान है। अतः आपसे करवद्ध आग्रह है कि मूनि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर दरों के आधार पर मू-अर्जन का मुआवजा दर दिया जावे है तो ग्रामवासियों को भारी नुकसान होने का से होकर एनटीपीसी की रेवे लाईन जा रही है, निम्निका मू-अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर इन्हीं पचासव है किन्तु दोनों गावों के मूनि के बाजार मूल्य में जमीन आसमान का अंतर है। वर्तमान में इस गांव विहित हो कि ग्राम पंचायती (पू) एवं ग्राम जुड़ी एक ही पटवारी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए ग्राम सखी का उत्पादन हो रहा है इसकी पुष्टी आप कृषि विभाग एवं कृषि मण्डी से भी कर सकते है। अधिकांश अधिक उपजाव एवं किमती है। आप कृषि यहाँ अन्य गावों की अपेक्षा अधिक मात्रा में धान एवं का बाजार मूल्य बहुत कम है। यहाँ यह भी बात है कि ग्राम का मूनि आपस के सभी गावों से कातररिया, सियारपाली आदि जो कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की तुलना में मूनि ग्राम जुड़ी जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से लगे होने के बावजूद अन्य गावों जैसे कि महापल्ली, के मानदार्क सिद्धांत के अनुसार अन्य गावों से अत्यधिक कम आंका गया है जो संदेहास्पद है। यौक

1. 12. एन.टी.पी.सी. की पुनर्वासि नीति समर्पण भारत में एक हेली है। वर्ष 2015 में एन.टी.पी.सी. के द्वारा ग्राम -गहिरगाढ़ (पं.) विद्यालय (मध्यप्रदेश) में कृषि भूमि का रजिस्टर्ड सेल डीज के माध्यम से कय किया गया है एवं दिनांक 18.03.2015 को कोमल सूबकाक के अनुसार प्रभावित भूमिस्वामियों को नौकरी के एवज में 700000/-रु. (सात लाख) बैंकज दिया गया है, बैंकिंग एन.टी.पी.सी. के द्वारा रायगाढ़ के परिवारजानाओं हेतु पुनर्वासि प्रतिवेदन, द्वारा 19 के साथ पुनर्वासि का सार प्रकाशन नहीं कराया गया है। अतएव वर्तमान कोमल सूबकाक के अनुसार नौकरी के एवज में बैंकज प्राप्त करने के अधिकारी है एवं प्रति एकड़ 2000000/- (बीस लाख रुपय) की दर से मुआवजा राशि का निर्धारण कर नवीन भू-अर्जन अधिनियम के तहत 4 गुना, दिया जावे चुकी अन्य प्रान्त में (सुन्दरगाढ़ ओडिशा) में एन.टी.पी.सी. के द्वारा 22.00 लाख रु. प्रति एकड़ की दर से मुआवजा राशि का निर्धारण किया गया है।
1. 11. एक और एन.टी.पी.सी. के पुनर्वासि निधि के कोडिका 9.6 योजनाएं एवं वार्षिकी में प्रति प्रभावित एक बार 5.00 लाख दिया जावेगा या वार्षिकी पॉलिसी कोमल सूबकाक के अनुसार कम से कम 2000/-रु. प्रति माह उल्लिखित है, जबकी 02.07.2014 जिला स्तरीय पुनर्वासि समिति की बैठक में भू - अर्जन के मुआवजे के अतिरिक्त 30000/-रु. प्रति एकड़ अनुमानिक 20 वर्ष तक भूमि विस्थापित परिवार को दिया जावेगा। प्रत्येक 2 वर्ष में प्रति एकड़ 500/-रु.बर्खाया जायेगा। जबकी सूचना के अधिकार के तहत बाड़ी गयी जानकारी में जिला कार्यालय रायगाढ़ के द्वारा जिला स्तरीय पुनर्वासि समिति का गठन वर्ष 2013-14 में नहीं हुआ है और न ही इस संदर्भ में सविबालय रायपुर में दिशा निर्देश प्राप्त हुआ है, अतः न तो पूर्व में पुनर्वासि स्क्रीम विधिवत बनाया गया और नहीं धारा 16 (5) के तहत पुनर्वासि प्रतिवेदन के संदर्भ में कोई सुनवाई किया गया है। बैंकिंग छ.ग. शासन का कृषि भूमि में निरन्तर भू-स्वामी है एवं एन.टी.पी.सी. प्रस्तावक है, ऐसी स्थिति में वर्ष 2013 भू-अर्जन अधिनियम के प्रावधानों को मनमाने ढंग से लागू कर आपत्तिकर्ता/रजिस्टर्ड भूमि स्वामी को उसके संबंधित अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, जो कि अनिचित है।
1. 12. एन.टी.पी.सी. की पुनर्वासि नीति समर्पण भारत में एक हेली है। वर्ष 2015 में एन.टी.पी.सी. के द्वारा ग्राम -गहिरगाढ़ (पं.) विद्यालय (मध्यप्रदेश) में कृषि भूमि का रजिस्टर्ड सेल डीज के माध्यम से कय किया गया है एवं दिनांक 18.03.2015 को कोमल सूबकाक के अनुसार प्रभावित भूमिस्वामियों को नौकरी के एवज में 700000/-रु. (सात लाख) बैंकज दिया गया है, बैंकिंग एन.टी.पी.सी. के द्वारा रायगाढ़ के परिवारजानाओं हेतु पुनर्वासि प्रतिवेदन, द्वारा 19 के साथ पुनर्वासि का सार प्रकाशन नहीं कराया गया है। अतएव वर्तमान कोमल सूबकाक के अनुसार नौकरी के एवज में बैंकज प्राप्त करने के अधिकारी है एवं प्रति एकड़ 2000000/- (बीस लाख रुपय) की दर से मुआवजा राशि का निर्धारण कर नवीन भू-अर्जन अधिनियम के तहत 4 गुना, दिया जावे चुकी अन्य प्रान्त में (सुन्दरगाढ़ ओडिशा) में एन.टी.पी.सी. के द्वारा 22.00 लाख रु. प्रति एकड़ की दर से मुआवजा राशि का निर्धारण किया गया है।
1. 1. कनिश्कर विद्यापुर,संभाल विद्यापुर द्वारा अनुमानित पुनर्वासन योजना का सार का प्रकाशन प्रभावित ग्राम में धारा 19 के प्रकाशन के साथ कराया गया है। इसका उल्लेख धारा 19 के (राजपत्र/समाचार पत्र/ग्राम प्रकाशन/वेब साइट प्रकाशन) प्रकाशन में भी किया गया है।
2. अधिनियम की धारा 11 के पर्याप्त समयावधि में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निवृत्तिसार जांच कर निकाला किया गया है।
3. संभालपल्ली ग्राम के भू अर्जन से संबंधित शीमा अग्रवाल की रिट पिटिशन क्रमांक 508/ 2016 माननीय उच्च न्यायालय विद्यापुर में विचारार्थिन है एवं छ.ग. शासन द्वारा जवाब प्रस्तुत किया जा चुका है। प्रकरण के संबंध में माननीय न्यायाधीश द्वारा दिये गये आदेश का पालन किया जाएगा।
3. संभालपल्ली ग्राम के भू अर्जन से संबंधित शीमा अग्रवाल की रिट पिटिशन क्रमांक 508/ 2016 माननीय उच्च न्यायालय विद्यापुर में विचारार्थिन है।
4. भूमि अर्जन,पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधानों का पालन करते हुए वर्तमान में भू-अर्जन की कार्यवाही की जा रही है।
5. निवृत्तिसार प्रादेशिक अधिसूचना ई-राजपत्र के रूप में समूहित सरकार (छ.ग. शासन) की वेबसाइट में 02.10.15 को प्रकाशित की जा चुकी है। ग्राम जुड़ी में प्रादेशिक अधिसूचना का अंतिम प्रकाशन 30.10.15 के अनुसार 31/12/2015 तक 60 दिन की समयावधि नियत थी। इस समय शीमा में प्राप्त आपत्ति विचार के लिये स्वीकार की गई थी।

किया जावे ताकि मविष्य में एन.टी.पी.सी.द्वारा परिवर्तन की गयी इस परिवर्तन में भी भूमि पर कब्जा लेने के उपायों को अनावश्यक न्यायालयीन कार्यवाही में उलझना न पड़े। यदि जानबूझ कर आपत्तिकर्ता के हित को ताक में रखते हुए आवधिक पूर्ण कार्यवाही की जाती है तो उसकी समस्त जवाबदारी महप्रबंधक एन.टी.पी.सी. की होगी।

56. संजय आ. रघु. राधेश्याम, सीमा अग्रवाल पति संजय राधेश्याम, सीमा अग्रवाल, मोहनलाल, मोहनलाल श्रीवारावल मोहनलाल चकधर नगर रायगढ़ 2 में. शमीम रायगढ़ 3 रमेश कुमार बैकूठपुर रायगढ़
12. भारत में राज्य शासनों की पुर्नवास नीति के अनुसार, प्रचलित शासकीय नियम, भूमि का गार्डेज लार्डन / बिक्री छूट मूल्य आदि का पालन करते हुए पुनर्वास नीति हर जगह राज्य शासन द्वारा अनुमोदित की जाती रही है। भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वास्यरूपाण में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के संकलन 1 एवं 2 के अनुसार एन.टी.पी.सी. तलाक़्हाली के भू-अर्जन प्रकरण हेतु पुनर्वास नीति सक्षम अधिकारी (कमिश्नर विवासपुर) के द्वारा अनुमोदित है।
11. दिनांक 02.7.2014 को जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक के विनियमों को सक्षम अधिकारी (कमिश्नर विवासपुर) के द्वारा भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वास्यरूपाण में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के संकलन 2 के अनुसार निर्देशित कठिनायियों का पालन करते हुए 25 जुलाई 2015 को अनुमोदित किया गया है। जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक वर्ष 2014-15 में मानवीय मंजूरी एवं विधायक महोदय, कलेक्टर, सी.ई.ओ. जिला प्रशासन, अतिरिक्त आय अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी, ग्राम प्रशासन आदि को सूचना देकर उपस्थिति में हुई। सभी विनियमों में चर्चा होने के पश्चात 08.7.16 को बैठक के विनियमों की प्रति सभी संबंधितों एवं प्रशासन को उपलब्ध कराई गयी है।
10. प्रकरण में नियमानुसार अधिसूचना के प्रकाशन उपरान्त समयावधि में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निराकरण पश्चात प्रस्ताव अनुसार राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमिस्वामी को धारा 21 की सूचना जारी कर सूना गया है।
9. भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18/12/15 की अधिसूचना के अन्वय 1 में उल्लेख है कि जहाँ केन्द्र सरकार समर्थित सरकार के रूप में भू अर्जन कर रही है वही इस अधिसूचना के प्रावधान लागू होंगे। प्रकरण में प्रस्तुत राजस्व अभिलेख एवं भूमि स्वामी द्वारा प्रस्तुत वृद्ध दस्तावेजों के अनुसार राजस्व अभिलेख को नियमानुसार दुरुस्त कर कार्यवाही की जा रही है।
8. धारा 11 का प्रकाशन निम्नानुसार किया गया है :-
 1. छ.ग. राजपत्र - 2/10/15
 2. समर्थित सरकार (छ.ग.शासन) वेबसाइट (www.cg.nic.in/egazette)ई-राजपत्र-दिनांक 2/10/2015
 3. स्थानीय समाचार पत्र रायगढ़ संदेश दिनांक 18/10/2015
 4. क्षेत्रीय समाचार पत्र हरिभूमि दिनांक 18/10/2015
 5. ग्राम प्रकाशन दिनांक 08/11/2015
7. भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वास्यरूपाण में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के अन्वय 2 व 3 का प्रावधानों से 2 मार्च 2015 को छ.ग. शासन के द्वारा अधिसूचना के अन्वय में प्रस्तुत अधिसूचना का संशोधन एवं अन्वय अधिसूचना का संशोधन की गई थी। इस अधिसूचना के अन्वय में प्रस्तुत अधिसूचना का संशोधन अधिसूचना का अनुमोदन 31.08.2015 को कर दिया गया था एवं आवेदक संस्था एन.टी.पी.सी. तलाक़्हाली द्वारा भू-अर्जन की राशि भी जमा कि जा चुकी थी।
6. दिनांक 03.6.2016 को धारा 19 के राजपत्र प्रकाशन उपरान्त 27.6. एवं पुनः 30.7.16 की तिथि नियत कर धारा 21 की सूचनाओं की गई इस प्रकार भू-अर्जन अधिनियम की धारा 19 एवं 21 के मध्य नियमानुसार एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियों को गढ़े। धारा 21 के नोटिस के पूर्ण धारा 19 का प्रकाशन क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में, संबंधित ग्राम प्रकाशन एवं अतिरिक्त रूप से रायगढ़ की वेब साइट में अपलोड कर दिया गया था।

(अनुसूची) संख्या
 (अ) आधिकारिक प्रमाणिका
 आधिकारिक प्रमाणिका

1. यह कि दिनांक 27.10.2015 को धारा (1) में-अर्जन अधिनियम के तहत प्रारंभिक अधिसूचना प्रकाशित करायी जाती है एवं समुचित सरकार के वेबसाइट में प्रकाशन न करा कर उन पूर्वक एन.टी.पी.सी. में कायम कर्मचारियों के द्वारा रायगढ़ के वेबसाइट में दिनांक 13.05.2016 को करया जाता है तथा उसी दिनांक 13.05.2016 को धारा 19 का भी वेबसाइट में प्रकाशन करया जाता है जबकी में - अर्जन की प्रक्रिया में समयावधि का गणना अतिम प्रकाशन दिनांक को माना जाना प्राधानित है तथा धारा 11 (1) के प्रकाशन पश्चात 60 दिन के समयावधि आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु प्रावधानित है, जिसका भी पालन नहीं किया गया है।
2. यह कि भारत सरकार के द्वारा दिनांक 31.12.2014 को जारी अधिसूचना में जिन परिधानों में समुचित सरकार का भूमि स्वामी निस्तर बना हो उन परिधानों में पर में-अर्जन के अध्याय अधिनियम 2 व 3 का छूट प्रदान किया गया है। जिसके तारतम्य में छ.ग. शासन के द्वारा 02.03.2015 की अधिसूचना जारी कर अध्याय 2 व 3 का प्राधान लागू किया गया था. उक्त अधिसूचना की अंतिम दिनांक 31.08.2015 था, यौकिक भारत सरकार के द्वारा लाय गये अध्याय पूर्व में शून्य हो चुका है, जिसका आधार बना कर केवल आदेश पत्रक में उल्लेखित कर छूट के दावे में लाया गया है, जबकी उक्त दिनांक को धारा 11 के प्रकाशन के प्राकप, मुनादी, समाचार पत्र, राजपत्र, वेबसाइट में किसी भी शीट में प्रकाशन नहीं किया गया था, ऐसी स्थिति में छ.ग.शासन के द्वारा एवं में-अर्जन आधिकारी के द्वारा अध्याय 2 व 3 का पालन किये गए अंतिम कायदाही किया जाना न्याय संगत नहीं है।
3. यह कि धारा 11 के वेबसाइट में प्रकाशन के पूर्व ही धारा 19 का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में कर दिया गया है। एक और धारा 11 के प्रकाशन के प्राकप पूर्ण नहीं किया गया था वहीं दूसरी ओर धारा 19 का प्रकाशन किया जाना नवीन में- अर्जन अधिनियम 2013 के प्राधानों के विपरित है।
4. प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन के पश्चात भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18.12.2015 को जारी किया गया था जिसमें भूमि अधिसूचना को अद्यतन करवाने की नियम उल्लेखित है जिसके अन्तर्गत मूलक व्यक्तियों के नामों को लोप करना, मूलक व्यक्तियों के वारिसों का नामों को प्रवृत्ति करना, भूमि पर आधिकारों के रजिस्ट्री के समतुल्यपदों जैसे- विकी, दान, विमान आदि को प्रवृत्ति करना बंधक के सभी प्रवृत्तियों को अभिलेखा प्रवृत्ति करना इत्यादी उल्लेखित है, किन्तु उक्त अधिसूचना के प्रकाशन के उपरान्त दिनांक 23.02.2016 को धारा 11 (1) में आपत्ति पर निराकरण हेतु नियत किया गया था किन्तु उक्त अधिसूचना में दर्शित विनियमों को नजर अंदाज करते हुए या ताक में रखते हुए आपत्तिकता के संवेधानिक आधिकार का हनन कर उन पूर्वक अनावेदक एवं तहसीलदार के द्वारा ज़िर्पूरा में आता है। तथा टुकड़ा नक्शा का बटान विधिवत नहीं किया गया है।
5. यह कि समिति का आधिकार विधिक आधिकार के साथ साथ मानवाधिकार भी है, जिसे आधिकार व उक्त पूर्वक उभरके आधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।
6. धारा 19 के पुनर्वासन व पुनर्स्थापना तथा धारणा और धारा का प्रकाशन करया जाना प्राधानित है किन्तु पुनर्वासन व पुनर्स्थापना सार्क का प्रकाशन आज दिनांक तक नहीं करया गया है। जबकी में-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 19 (2) की उप धारा 1 में यह स्पष्ट प्राधान है कि इस उप धारा के अर्थ में धारणा के साथ नहीं किया जावेगा, तब तक पुनर्वासन व पुनर्स्थापन का योजना का सार ऐसी धारणा के साथ नहीं किया जावेगा। एतदुर्व ज़िर्पूरा प्रक्रियाओं का समावेश कर मान प्रबंधक एन.टी.पी.सी. द्वारा भूमि प्राप्त करना चाहता है, जो कि अवैधानिक है।
7. यह कि धारा 11 के परिप्रेक्ष्य में आपत्तिकता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक एन.टी.पी.सी. एवं तहसीलदार के द्वारा स्पष्ट प्रतिवेदन एवं में- अर्जन की प्रक्रियाओं के विपरित प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर में-अर्जन आधिकारी, रायगढ़ के द्वारा प्रस्तुत आपत्ति का विनियम निराकरण नहीं किया गया है तथा जिन निराकरण के ही अंतिम कायदाही की गई है, जो कि अन्यायित है।

8. एक और एन.टी.पी.सी. के पुनर्वास निति के कडिका 9.6 संलग्नार एवं गाँवकी में प्रति प्रभावित एक वार 5.00 लाख दिया जावेगा या गाँवकी पर्सिटी कीमत सूचकांक के अनुसार कम से कम 2000/- रु. प्रति माह उल्लिखित है, जबकी 02.07.2014 जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक में मू - अर्जन के मुआवजे के अतिरिक्त 30000/- रु. प्रति एकड़ अनुरणितिक 20 वर्ष तक मूँमि विस्थापित परिवार को दिया जावेगा। प्रत्येक 2 वर्ष में प्रति एकड़ 500/- रु. बढ़ाया जावेगा। जबकी सूचना के अधिकार के तहत बाड़ी गयी जानकारी में जिला कार्यालय रायपुर के द्वारा जिला स्तरीय पुनर्वास समिति का गठन वर्ष 2013-14 में नहीं हुआ है और न ही इस संदर्भ में सविगत रायपुर में बिना निर्देश प्राप्त हुआ है। शताया गया। अतः न तो पूर्व में पुनर्वास स्कीम विधित बनाया गया और नही धारा 16 (5) के तहत पुनर्वास प्रतिवेदन के संदर्भ में कोई सुनवाई किया गया है। चूँकि छ.ग. शासन का कृषि मूँमि में निरन्तर मूँ-स्वामी है एवं एन.टी.पी.सी. प्रस्तावक है, ऐसी स्थिति में वर्ष 2013 मूँ-अर्जन आदिनियम के प्राधानों को मनाने ढंग से लागू कर आपत्तिकर्ता/रजिस्टर्ड मूँमि स्वामी को उसके सवैधानिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, जो कि अनिचित है।
9. यह कि उपरोक्त कडिकार विनियमों को ध्यान में रखते हुए एवं विधित मूँ- अर्जन प्रक्रिया के अनुकूल नियंत्रण कर आपत्तिकर्ता को सूचना/जानकारी देने के उपरांत ही मूँ-अर्जन की अधिम कार्यावाही किया जावे ताकि अधिष में एन.टी.पी.सी. लागू के परियोजना की भांति इस परियोजना में भी मूँमि पर कब्जा लेने के उपरांत प्रभावितों को अनावश्यक न्यायालयीन कार्यावाही में उलझना न पड़े। यदि जानबूझ कर आपत्तिकर्ता के सवैधानिक हित को ताक में रखते हुए अधिषिक पूर्ण कार्यावाही की जाती है तो उसकी समस्त जवाबदारी महप्रबंधक एन.टी.पी.सी. की होगी।
10. यह कि धारा 19 संलग्न में दिनांक 03/06/2016 को प्रकाशित करया जाता है वह भी उपरोक्तानुसार जूटिपूर्ण है एवं धारा 19 मूँ-अर्जन आदिनियम का प्रकाशन के प्रारूप पूर्ण कराये वगैरे धारा 21 के नीटिस व्यतिरिक्त जारी कर दिया जाता है। अतएव समस्त प्रक्रिया मूँ-अर्जन आदिनियम के तहत आदेशानुसक कार्यावाही है, जिसका पालन नहीं किया गया है। अतएव समूर्ण कार्यावाही शून्य व अवैधानिक है।
11. एन.टी.पी.सी. की पुनर्वास निति समूर्ण भारत में एक होती है। वर्ष 2015 में एन.टी.पी.सी. के द्वारा ग्राम - गहिलगढ़ (पं.) विद्यालय (मध्यप्रदेश) में कृषि मूँमि का रजिस्टर्ड सेल जीड के माध्यम से कय किया गया है एवं दिनांक 18.03.2015 को कीमत सूचकांक के अनुसार प्रभावित मूँमिस्वामियों को नौकरी के एवज में 700000/- रु. (सात लाख) प्रकल दिया गया है, चूँकि एन.टी.पी.सी. के द्वारा रायपुर के परियोजनाओं हेतु पुनर्वास प्रतिवेदन, धारा 19 के साथ पुनर्वास का सार प्रकाशन नहीं करया गया है। अतएव वर्तमान कीमत सूचकांक के अनुसार नौकरी के एवज में प्रकल प्राप्त करने के अधिकारी है एवं प्रति वर्गफुट वर्ष 14-15 की गार्डन लाईन की दर से मुआवजा प्राप्त में (सुन्दरगढ़ ओडिशा) में एन.टी.पी.सी. के द्वारा 22 00 लाख प्रति एकड़ की दर से मुआवजा राशि का निर्धारण किया गया है।
1. नियमानुसार प्राथमिक अधिसूचना ई-संलग्न के रूप में समुचित सरकार (छ.ग. शासन) की वेबसाइट में 02.10.15 को प्रकाशित की जा चुकी है। ग्राम जूटि में प्राथमिक अधिसूचना का अंतिम प्रकाशन 30.10.15 के अनुसार 31/12/2015 तक 60 दिन की समयवाधि नियत थी। इस समय सीमा में प्राप्त आपत्ति विचार के लिये स्वीकार की गई थी।
2. मूँमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यमाण में उचित प्रतिकर एवं परदेहिता अधिकार अधिनियम 2013 के अध्याय 2 व 3 का प्राधानों से 2 मार्च 2015 को छ.ग. शासन के द्वारा अध्याय संलग्न के माध्यम से औद्योगिक कारोबार एवं अन्य परियोजना को छूट प्रदान की गई थी। इस अध्यादेश के अतिरिक्त में रहते हुए कलेक्टर रायपुर द्वारा मूँ अर्जन प्रकरण की प्राथमिक अधिसूचना का अंतिम प्रकाशन 31.08.2015 को कर दिया गया था एवं आवेदक संख्या एन.टी.पी.सी. जिलाईपाली द्वारा मूँ-अर्जन की राशि भी जमा कि जा चुकी थी।

3. धारा 11 का प्रकाशन निम्नानुसार किया गया है :-
 1. छ.ग. राजपत्र - 2/10/15
 2. सम्बन्धित सरकार (छ.ग.शासन) वेबसाइट (www.cg.nic.in/ e Gazette) ई - राजपत्र - 2/10/2015
 3. स्थानीय समाचार पत्र इत्याद टाइम्स दिनांक 24/10/2015
 4. क्षत्रिय समाचार पत्र दैनिक भास्कर दिनांक 26/10/2015
 5. ग्राम प्रकाशन दिनांक 30/10/2015
4. भारत सरकार के द्वारा आधिसूचना दिनांक 18/12/15 की आधिसूचना के अध्याय 1 में उल्लेख है कि जहाँ केन्द्र सरकार सम्बन्धित सरकार के रूप में सू.अ.अ.न कर रही है वहीं इस आधिसूचना के प्राधान्य लागू होंगे। प्रकरण में प्रस्तुत राजस्व आभिलेख एवं सू.अ.अ.न द्वारा प्रस्तुत बंध दरखास्तों के अनुसार राजस्व आभिलेख को निम्नानुसार दुरुस्त कर कार्यवाही की जा रही है।
5. सू.अ.अ.न,पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के प्राधान्य का पालन करते हुए वर्तमान में सू.अ.अ.न की कार्यवाही की जा रही है।
6. कमिश्नर विलासपुर,संभाग विलासपुर द्वारा अनुमोदित पुनर्वासन योजना का सार का प्रकाशन प्रभावित ग्राम में धारा 19 के प्रकाशन के साथ कराया गया है। इसका उल्लेख धारा 19 के (राजपत्र/समाचार पत्र/ग्राम प्रकाशन/बैंक साइट प्रकाशन) में भी किया गया है।
7. अधिनियम की धारा 11 के प्रस्ताव समयावधि में प्राप्त दावा/आपत्तियों का निम्नानुसार जांच कर निकारण किया गया है।
8. दिनांक 02.7.2014 को जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक के विनियमों को संशोधन के क्रम में कमिश्नर (कमिश्नर विलासपुर) के द्वारा सू.अ.अ.न, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के संशुद्ध 2 के अनुसार निर्देशित कठिनायियों का पालन करते हुए 25 जुलाई 2015 को अनुमोदित किया गया है। जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक वर्ष 2014-15 में माननीय मंत्री एवं विधायक महोदय, कलेक्टर, सी.ई.ओ. जिला प्रयाग, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी, ग्राम प्रधान आदि को सूचना देकर उपस्थिति में हुई। सभी विनियमों में यथा होने के प्रस्ताव 08.7.16 को बैठक के विनियमों की प्रति सभी संबंधितों एवं प्रधान को उपलब्ध कराई गयी है।
9. प्रकरण में निम्नानुसार आधिसूचना के प्रकाशन उपरान्त समयावधि में प्राप्त दावा/आपत्तियों का निकारण प्रस्ताव अनुसार राजस्व आभिलेख में दर्ज सू.अ.अ.न की धारा 21 की सूचना जारी कर दिया गया है।
10. दिनांक 03.6.2016 को धारा 19 के राजपत्र प्रकाशन उपरान्त 27.6. एवं पुनः 30.7.16 की तिथि नियत कर धारा 21 की सूचनाओं को मध्य प्रकरण सू.अ.अ.न अधिनियम की धारा 19 एवं 21 के मध्य निम्नानुसार एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियों को धारा 21 के नोटिस के पूर्व धारा 19 का प्रकाशन क्षत्रिय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में, संबंधित ग्राम प्रकाशन एवं आभिलेख रूप से राजपत्र की बैंक साइट में अपलोड कर दिया गया था।
11. भारत में राज्य शासनों की पुनर्वास नीति के अनुसार, प्रचलित शासकीय नियम, सू.अ.अ.न का मांडूह लाईन/बिकी छोट मूल्य आदि का पालन करते हुए पुनर्वास नीति हर जगह राज्य शासन द्वारा अनुमोदित की जाती रही है। सू.अ.अ.न,पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के संशुद्ध 1 एवं 2 के अनुसार एन.टी.पी.सी. तलाशपाती के सू.अ.अ.न प्रकरण हेतु पुनर्वास नीति अधिकांश (कमिश्नर विलासपुर) के द्वारा अनुमोदित है।

मानसी आठ रवि श्रीवास्तव ना.बा. मूधा आ. प्रकाश नि.डिग्गी कोलज रोड रायागढ़ 81. ना.बा. परमजीव
 कौर वद गुरमीव सिंह लाम्हा पालक नानी बलजीव कौर पति अजीव सिंह लालटकी रोड रायागढ़
 82.बलजीव कौर पति अजीव सिंह लालटकी रोड रायागढ़ 83. ना.बा. प्रमदीप सिंह पिता गरमीव सिंह
 लाम्हा पालक नानी अजित सिंह लालटकी रोड रायागढ़ 84. अजित सिंह पिता मोहर सिंह रायागढ़ 85.
 हरपित सिंह गुजराल पिता भूधर सिंह गुजराल नि. दरगापाया स्थित लार्डेन रायागढ़ 86. ना.बा. लनीर
 साजमती वगैरह

1. यह कि भारत सरकार के द्वारा दिनांक 31.12.2014 को जारी अधिसूचना में निम्न परियोजना में समूहित
 सरकार का भूमि स्वामी निरस्त बना ही उन परियोजनाओं पर भू-अर्जन के अध्याय अधिनियम 203 का
 छूट प्रदान किया गया है। जिसके तारतम्य में छ.ग. शासन के द्वारा 02.03.2015 की अधिसूचना जारी
 कर अध्याय 2 व 3 का प्रावधान लागू किया गया था, उक्त अधिसूचना की अंतिम दिनांक 31.08.2015
 था, बूँक भारत सरकार के द्वारा लार्डे गवे अध्यादेश पूर्व में रून्ध हो चुका है, जिसको आधार बना कर
 केवल आदेश पत्रक में उल्लिखित कर छूट के दायरे में लाया गया है, जबकी उक्त दिनांक को धारा 11
 के प्रकाशन के प्राक्य, मुनादी, समाचार पत्र, राजपत्र, वेबसाइट में किसी भी रीति से प्रकाशन नहीं किया
 गया था, ऐसी स्थिति में छ.ग.शासन के द्वारा एवं भू-अर्जन अधिकांश के द्वारा अध्याय 2 व 3 का पालन
 किया बगैर अधिनियम कायदाही किया जाना न्याय संगत नहीं है।

2. यह कि रिट पिटिशन क्रमांक 1443 निविश अग्रवाल, मैनका अग्रवाल वनाम छ.ग. शासन व अन्य में
 माननीय उच्च न्यायालय जिलासपुर (छ.ग.) के द्वारा दिनांक 14.09.2015 को यह आदेशित किया गया था
 कि भू-अर्जन अधिनियम के अध्याय 2 एवं अध्याय 3 का पालन किये जाने का निर्देशित किया गया था।
 जिसकी प्रतिनिधि आपत्ति के साथ प्रस्तुत की गयी थी, किन्तु अनावक एवं तहसीलदार रायागढ़ तथा
 श्रीमान के द्वारा उक्त विन्युओं का अर्देना किया गया है। विदित हो की माननीय उच्च न्यायालय के
 द्वारा पारित आदेश को सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पालन किया जाना प्रावधानित है। उपरोक्त रूटिपूर्व
 कायदाही के सूख होकर अन्य प्रकरण किशन लाल शर्मा, शोभा अग्रवाल रिट पिटिशन क्र.
 1507/16,1508/2016 प्रस्तुत है, जिसमें छ.ग. शासन बगैरह को 4 सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने का
 समय दिया गया है, बूँक उक्त प्रकरण को एक ही प्रकृति की है, ऐसी परिस्थिति में बिना निराकरण के
 भू-अर्जन की अधिनियम कायदाही नहीं किया जावे।

3. यह कि धारा 11 के वेबसाइट में प्रकाशन के पूर्व ही धारा 19 का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में कर
 दिया गया है। एक और धारा 11 के प्रकाशन के प्राक्य पूर्ण नहीं किया गया था वही दृस्यी और धारा
 19 का प्रकाशन किया जाना नहीं भू-अर्जन अधिनियम 2013के प्रावधानों के विपरित है।
 धारा 19 के पुनर्वासन व पुनर्स्थापना तथा धोषणा और साक के प्रकाशन करया जाना प्रावधानित है
 किन्तु पुनर्वासन व पुनर्स्थापना साक के प्रकाशन आज दिनांक तक नहीं करया गया है। जबकी
 भू-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 19 (2) की उप धारा 1 में यह स्पष्ट प्रावधान है कि इस उप धारा
 के अधिन कोई धोषणा तब तक नहीं किया जावेगा, तब तक पुनर्वासन व पुनर्स्थापना का योजना का
 धारा 19 की धोषणा के साथ नहीं किया जाता। एतएव रूटिपूर्व प्रतिक्रियाओं का समावेश कर मात्र प्रबंधक
 एन.टी.पी.सी. द्वारा भूमि प्राप्त करना चाहता है, जो कि अवैधानिक है।

5. यह कि धारा 19 राजपत्र में दिनांक 03/06/2016 को प्रकाशित करया जाता है वह भी उपरोक्तानुसार
 रूटिपूर्व है एवं धारा 19 भू-अर्जन अधिनियम का प्रकाशन के प्राक्य पूर्ण करवे बगैर धारा 21 के नोटिस
 व्यवस्था जारी कर दिया जाता है। अतएव समस्त प्रक्रिया भू-अर्जन अधिनियम के तहत आदेशानुक्रमक
 कायदाही है, जिसका पालन नहीं किया गया है। अतएव सम्पूर्ण कायदाही रून्ध व अवैधानिक है।
 6. यह कि धारा 11 के परिप्रेक्ष्य में आपत्तिकर्ता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक
 एन.टी.पी.सी. एवं तहसीलदार के द्वारा अप्पट्ट प्रतियेन एवं भू-अर्जन की प्रक्रियाओं के विपरित प्रस्तुत
 प्रतियेन के आधार पर भू-अर्जन अधिकांश, रायागढ़ के द्वारा प्रस्तुत आपत्ति का विन्युधर निराकरण नहीं
 किया गया है तथा बिना निराकरण के ही अधिनियम कायदाही की गई है, जो कि अनैतिक है।

भू-अर्जन अधिनियम
 अधिकांश (रि.)
 अधिकांश (रि.)
 अधिकांश (रि.)

7. भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18/12/15 की अधिसूचना के अध्याय 1 में उल्लेख है कि उक्त कर्म सरकार सम्विधित सरकार के रूप में भी अर्जन कर रही है वही इस अधिसूचना के प्रवधान निराकरण किया गया है।
6. अधिनियम की धारा 11 के प्रवधान समयावधि में प्राप्त दवा/आपत्तियों का निमयानुसार जांच कर देव साइट में अपलोड कर दिया गया था।
 प्रकाशन क्षत्रिय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में, संबन्धित ग्राम प्रकाशन एवं अतिरिक्त रूप से रायगढ़ की एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियां ली गईं। धारा 21 के नोटिस के पूर्व धारा 19 का धारा 21 की सुनवाई की गई इस प्रकार न्यू-अर्जन अधिनियम की धारा 19 एवं 21 के मध्य नियमानुसार दिनांक 03.6.2016 की धारा 19 के राजपत्र प्रकाशन उपरान्त 27.6. एवं पुनः 30.7.16 की तिथि नियत कर पत्र/ग्राम प्रकाशन/वेब साइट प्रकाशन में भी किया गया है।
4. कनिश्चर विवाहपुर,समान विवाहपुर द्वारा अनुमोदित पुनर्वासन योजना का सार का प्रकाशन प्रभावित उपरोक्त प्रकाशन को पूर्ण करने के प्रवधान ही धारा 19 का प्रकाशन करवाया गया।
 ग्राम में धारा 19 के प्रकाशन के साथ करवाया गया है। इसका उल्लेख धारा 19 के (राजपत्र/समाचार कनिश्चर विवाहपुर,समान दिनांक 08/10/2015
5. ग्राम प्रकाशन दिनांक 18/10/2015
4. क्षत्रिय समाचार पत्र हरिमूर्ति दिनांक 18/10/2015
3. स्थानीय समाचार पत्र रायगढ़ संदेश दिनांक 18/10/2015
2. ई - राजपत्र - 2/10/2015
2. सम्विधित सरकार (उ.ग.शासन) वेबसाइट (www.cg.nic.in/egazette)
1. उ.ग. राजपत्र - 2/10/15
3. धारा 11 का प्रकाशन निम्नानुसार किया गया है :-
 विवाहपुर में वर्तमान में विद्यमान है।
 संदर्भित रिट पिटिशन क्रमांक 1443 निविश अग्रवाल बनाम उ.ग. शासन माननीय उच्च न्यायालय मुंबई। प्रकरण के संबंध में माननीय न्यायाधीशों द्वारा दिये गये आदेश का पालन किया जाएगा।
 माननीय उच्च न्यायालय विवाहपुर में विद्यमान है एवं उ.ग. शासन द्वारा जवाब प्रस्तुत किया जा रहा है।
 2. स्थानाधीनी ग्राम के नू अर्जन से संबंधित शोभा अग्रवाल की रिट पिटिशन क्रमांक 4508/2016 संदर्भित रिट पिटिशन क्रमांक 1443 निविश अग्रवाल बनाम उ.ग. शासन माननीय उच्च न्यायालय मुंबई। प्रकरण के संबंध में माननीय न्यायाधीशों द्वारा दिये गये आदेश का पालन किया जाएगा।
 माननीय उच्च न्यायालय विवाहपुर में विद्यमान है एवं उ.ग. शासन द्वारा जवाब प्रस्तुत किया जा रहा है।
 1. नू अर्जन,पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदेष्टिता अधिकार अधिनियम 2013 के अध्याय 2 व 3 का प्रवधानों से 2 मार्च 2015 को उ.ग. शासन के द्वारा असाधारण राजपत्र के माध्यम से आधिकारिक कारोबार एवं अन्य परियोजनाओं को छूट प्रदान की गई थी। इस अध्याय के अतिरिक्त में रद्द हो चुके कलेक्टर रायगढ़ द्वारा नू अर्जन प्रकरण की प्रारंभिक अधिसूचना का अनुमोदन 31.08.2015 को कर दिया गया था एवं आवेदक संस्था एनटीपीसी लिमिटेड धारा नू-अर्जन की शोभा भी जमा कि जा चुकी थी।
 प्रस्तुत किया गया है, जो कि नू-अर्जन की धारा 86.87 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।
 सांख्यिक अधिकार का हनन कर उल पूर्वक अनावेदक एवं तहसीलदार के द्वारा रूटिपूर्व प्रतिवेदन उक्त अधिसूचना में दर्शाए विन्तुओं को नजर अंदाज करते हुए या तब से रखते हुए आपत्तिकर्ता के उपरान्त दिनांक 23.02.2016 को धारा 11 (1) में आपत्ति पर निराकरण हेतु नियत किया गया था किन्तु प्रवृत्तियों को अभिलेखा प्रवृत्ति करना इत्यादी उल्लेखित है, किन्तु उक्त अधिसूचना के प्रकाशन के अधिकारों के रजिस्ट्री के समक्षपहल से नू- विकी,दान, विमान आदि को प्रवृत्ति करना बांधक के सभी मूलक व्यक्तियों के नामों को लीप करना, मूलक व्यक्तियों के वारिसों का नामों को प्रवृत्ति करना, नू अर्जन पर जांच किया गया था जिसमें नू अर्जन को अखतन करवाने की नियम उल्लेखित है जिसके अनुसार प्रांभिक अधिसूचना के प्रकाशन के प्रवधान भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18.12.2015 को

1. यह कि रा.प्र.क.463-42/15-16 के तहत हमारे मूलि स्वामी हक की मूलि खसरा नं.34/5 रकबा 0.004, 69/7.69/8.69/10 रकबा 0.108, 76/1 रकबा 0.243,248/2.रकबा 0.162 कुल खसरा क. 4 कुल रकबा 0.517 है. का अनावदक दिनेश आ. गंगाराम अघरिया के नाम पर उवल कृषि मूलि जिस पर विभिन्न प्रजाति के 52 वृक्ष का औद्योगिक प्रयोजनार्थ हेतु मू अर्जन किया जा रहा है।
2. यह कि उवल खसरा नं. की मूलि में से 76/1 से पूर्व में से हेरा विधिवत पंजीकृत बैनामा दिनांक 12.08.2013 के माध्यम से विकला दिनेश आ. गंगाराम अघरिया संबंधित राजस्व प्राधिकारी के द्वारा स्वीकृत किया जाकर खसरा नं. बटंकन के पश्चात 76/1/6 रकबा 0.040 है. दर्ज किया जाकर किसान कितान आपत्तिकर्ता के पक्ष में जारी किया गया है।
58. तारा पति गंगाराम निवासी ग्राम जुडा
1. यह कि रा.प्र.क.463-42/15-16 के तहत हमारे मूलि स्वामी हक की मूलि खसरा नं.34/5 रकबा 0.004, 69/7.69/8.69/10 रकबा 0.108, 76/1 रकबा 0.243,248/2.रकबा 0.162 कुल खसरा क. 4 कुल रकबा 0.517 है. का अनावदक दिनेश आ. गंगाराम अघरिया के नाम पर उवल कृषि मूलि जिस पर विभिन्न प्रजाति के 52 वृक्ष का औद्योगिक प्रयोजनार्थ हेतु मू अर्जन किया जा रहा है।
2. यह कि उवल खसरा नं. की मूलि में से 76/1 से पूर्व में से हेरा विधिवत पंजीकृत बैनामा दिनांक 12.08.2013 के माध्यम से विकला दिनेश आ. गंगाराम अघरिया संबंधित राजस्व प्राधिकारी के द्वारा स्वीकृत किया जाकर खसरा नं. बटंकन के पश्चात 76/1/5 रकबा 0.040 है. दर्ज किया जाकर किसान कितान आपत्तिकर्ता के पक्ष में जारी किया गया है।
3. यह कि आपत्तिकर्ता की जानकारी के बगैर शासन के द्वारा राजस्व प्रकरण क. 673/अ-6/2014-15 आदेश दिनांक 13/07/2015 के आधार पर आपत्तिकर्ता को विधिवत सूचनाई का अवसर दिये बगैर उवल नामान्तरण निरस्त कर दिया गया जिसके विरुद्ध आपत्तिकर्ता के द्वारा माननीय अर्जविभागीय अधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई है। जो वि विद्याराधान है। जिसमें आवदक/आपत्तिकर्ता को सफलता मिलने की पूरी सम्भावना है। उर्यवतानुसार उवल मूलि को आवदक के द्वारा कय किये जाने उवल मूलि को मू अर्जन किया जाकर विधिवत शासन द्वारा दये गये निर्देशों के परिपुंस्य में मुआवजा तथा शेजगार निर्धारित करते हेतु उवल मूलि का मू अर्जन किया जावे।
4. यह कि उर्यवत खसरा नं. की मूलि जो कि ग्राम जुडा में स्थित है जो कि शहर से बहुत ही नजदीक है इस कारण से उवल मूलि का बाजार भाव अत्यधिक है। इस कारण से उवल मूलि को बाजार भाव के हिसाब से मुआवजा निर्धारित की जावे तथा शासन द्वारा निर्धारित दर कम होने से आवदक को अर्जिवत दानि हो रही है।
5. यह कि हम शासन द्वारा किये जा रहे मू अर्जन से प्रभावित हो रहे है इसलिये हमारे परिवार के आश्रित व्यक्तियों को शासन द्वारा शेजगार हेतु नौकरी दिलवाया जावे।
6. यह कि हमारी उवल खसरा नं. की मूलि की मध्य से मूलि को मू अर्जन में ली जा रही है जिसके दोनो क्षे्र में बहुत ही कम रकबा बचत होने से उवल मूलि पर कृषि कार्य करना संभव नहीं है एवं कृषि कार्य हेतु मूलि उपयोग की नहीं रह जावेगी इस कारण से भी उवल मूलियों को मू अर्जन में ली जाकर मुआवजा निर्धारित किया जाकर मुआवजा दी जावे।
59. ममता पति श्री उषातराम, निवासी ग्राम जुडा
1. यह कि रा.प्र.क.463-42/15-16 के तहत हमारे मूलि स्वामी हक की मूलि खसरा नं.34/5 रकबा 0.004, 69/7.69/8.69/10 रकबा 0.108, 76/1 रकबा 0.243,248/2.रकबा 0.162 कुल खसरा क. 4 कुल रकबा 0.517 है. का अनावदक दिनेश आ. गंगाराम अघरिया के नाम पर उवल कृषि मूलि जिस पर विभिन्न प्रजाति के 52 वृक्ष का औद्योगिक प्रयोजनार्थ हेतु मू अर्जन किया जा रहा है।
2. यह कि उवल खसरा नं. की मूलि में से 76/1 से पूर्व में से हेरा विधिवत पंजीकृत बैनामा दिनांक 12.08.2013 के माध्यम से विकला दिनेश आ. गंगाराम अघरिया संबंधित राजस्व प्राधिकारी के द्वारा स्वीकृत किया जाकर खसरा नं. बटंकन के पश्चात 76/1/6 रकबा 0.040 है. दर्ज किया जाकर किसान कितान आपत्तिकर्ता के पक्ष में जारी किया गया है।
- गंगा होंगे। प्रकरण में प्रस्तुत राजस्व अभिलेख एवं मूलि स्वामी द्वारा प्रस्तुत बैंक दस्तावेजों के अनुसार राजस्व अभिलेख को नियमानुसार दुरुस्त कर कार्यवाही की जा रही है।

महानगर आधिकारी (प.स.)
 महानगर आधिकारी (प.स.)
 महानगर आधिकारी (प.स.)

4. यह कि उपरोक्त खसरा नं. की भूमि जो कि ग्राम जुडा में स्थित है जो कि शहर से बहुत ही नजदीक है इस कारण से उक्त भूमि का बाजार भाव अत्यधिक है। इस कारण से उक्त भूमि को बाजार भाव के हिसाब से मुआवजा निर्धारित की जावे तथा शासन द्वारा निर्धारित दर कम होने से आवेदक को अनिश्चित होने का भय है। इस कारण से उक्त भूमि को बाजार भाव के हिसाब से उचित मुआवजा तय किया जावे।
3. यह कि आपत्तिकर्ता की जानकारी के बावजूद शासन के द्वारा राजस्व प्रकरण क. 673/अ-6/2014-15 आदेश दिनांक 13/07/2015 के आधार पर आपत्तिकर्ता को विधिवत सूचना देकर अवसर दिव्य बाँट कर दिया गया जिसके विरुद्ध आपत्तिकर्ता के द्वारा माननीय अतिरिक्त आयुक्त/आपत्तिकर्ता को समझ अपील प्रस्तुत की गई है जो कि विचारणीय है। जिसमें आवेदक/आपत्तिकर्ता को सफलता मिलने की पूरी संभावना है। उचित मुआवजा तय करने के लिए उक्त भूमि को आवेदक के द्वारा कय किया जाने उक्त भूमि को भू अर्जन किया जाकर विधिवत शासन द्वारा दये गये निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में मुआवजा तय किया जावे।
2. यह कि उक्त खसरा नं. की भूमि में से 76/1 से पूर्व में भू अर्जन किया जाकर विधिवत पंजीकृत भूनामा दिनांक 12.08.2013 के माध्यम से विक्री आ. गंगाराम अष्टरिया संबंधित राजस्व प्रधिकारी के द्वारा स्वीकृत किया जाकर खसरा नं. बटिकन के पश्चात 76/1/7 रकबा 0.040 है। पूर्व किया जाकर किसान को पक्ष में जाति किया गया है।
1. यह कि आपत्तिकर्ता की जानकारी के बावजूद शासन के द्वारा राजस्व प्रकरण क. 673/अ-6/2014-15 आदेश दिनांक 13/07/2015 के आधार पर आपत्तिकर्ता को विधिवत सूचना देकर अवसर दिव्य बाँट कर दिया गया जिसके विरुद्ध आपत्तिकर्ता के द्वारा माननीय अतिरिक्त आयुक्त/आपत्तिकर्ता को समझ अपील प्रस्तुत की गई है जो कि विचारणीय है। जिसमें आवेदक/आपत्तिकर्ता को सफलता मिलने की पूरी संभावना है। उचित मुआवजा तय करने के लिए उक्त भूमि को आवेदक के द्वारा कय किया जाने उक्त भूमि को भू अर्जन किया जाकर विधिवत शासन द्वारा दये गये निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में मुआवजा तय किया जावे।
60. सविता पति श्री मानप्रताप निवासी ग्राम जुडा
1. यह कि र.प्र.क.4631-42/15-16 के तहत हमारे भूमि खसरी रकबा 0.34/5 रकबा 0.004, 69/7.69/8.69/10 रकबा 0.108, 76/1 रकबा 0.243, 248/2. रकबा 0.162 कुल खसरा क. 4 कुल रकबा 0.517 है। का अनावेदक दिनेश आ. गंगाराम अष्टरिया के नाम पर उक्त कृषि भूमि जिस पर विभिन्न प्रजाति के 52 वृक्ष का औद्योगिक प्रयोजनार्थ हेतु भू अर्जन किया जा रहा है।
2. यह कि उक्त खसरा नं. की भूमि में से 76/1 से पूर्व में भू अर्जन किया जाकर विधिवत पंजीकृत भूनामा दिनांक 12.08.2013 के माध्यम से विक्री आ. गंगाराम अष्टरिया संबंधित राजस्व प्रधिकारी के द्वारा स्वीकृत किया जाकर खसरा नं. बटिकन के पश्चात 76/1/7 रकबा 0.040 है। पूर्व किया जाकर किसान को पक्ष में जाति किया गया है।
3. यह कि आपत्तिकर्ता की जानकारी के बावजूद शासन के द्वारा राजस्व प्रकरण क. 673/अ-6/2014-15 आदेश दिनांक 13/07/2015 के आधार पर आपत्तिकर्ता को विधिवत सूचना देकर अवसर दिव्य बाँट कर दिया गया जिसके विरुद्ध आपत्तिकर्ता के द्वारा माननीय अतिरिक्त आयुक्त/आपत्तिकर्ता को समझ अपील प्रस्तुत की गई है जो कि विचारणीय है। जिसमें आवेदक/आपत्तिकर्ता को सफलता मिलने की पूरी संभावना है। उचित मुआवजा तय करने के लिए उक्त भूमि को आवेदक के द्वारा कय किया जाने उक्त भूमि को भू अर्जन किया जाकर विधिवत शासन द्वारा दये गये निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में मुआवजा तय किया जावे।
6. यह कि हमारी उक्त खसरा नं. की भूमि की मध्य से भूमि को भू अर्जन में ली जा रही है जिसके दोनो क्षेप में बहुत ही कम रकबा बचत होने से उक्त भूमि पर कृषि कार्य करना संभव नहीं है एवं कृषि कार्य हेतु भूमि उपयोग की नहीं रह जावेगी इस कारण से भी उक्त भूमियों को भू अर्जन में ली जाकर मुआवजा निर्धारित किया जाकर मुआवजा दी जावे।
5. यह कि हम शासन द्वारा किये जा रहे भू अर्जन से प्रभावित हो रहे हैं इसलिये हमारे परिवार के आश्रित व्यक्तियों को शासन द्वारा राजगार हेतु नौकरी दिलवाया जावे।
4. यह कि उक्त खसरा नं. की भूमि जो कि ग्राम जुडा में स्थित है जो कि शहर से बहुत ही नजदीक है इस कारण से उक्त भूमि का बाजार भाव अत्यधिक है। इस कारण से उक्त भूमि को बाजार भाव के हिसाब से मुआवजा निर्धारित की जावे तथा शासन द्वारा निर्धारित दर कम होने से आवेदक को अनिश्चित होने का भय है। इस कारण से उक्त भूमि को बाजार भाव के हिसाब से उचित मुआवजा तय किया जावे।
3. यह कि आपत्तिकर्ता की जानकारी के बावजूद शासन के द्वारा राजस्व प्रकरण क. 673/अ-6/2014-15 आदेश दिनांक 13/07/2015 के आधार पर आपत्तिकर्ता को विधिवत सूचना देकर अवसर दिव्य बाँट कर दिया गया जिसके विरुद्ध आपत्तिकर्ता के द्वारा माननीय अतिरिक्त आयुक्त/आपत्तिकर्ता को समझ अपील प्रस्तुत की गई है जो कि विचारणीय है। जिसमें आवेदक/आपत्तिकर्ता को सफलता मिलने की पूरी संभावना है। उचित मुआवजा तय करने के लिए उक्त भूमि को आवेदक के द्वारा कय किया जाने उक्त भूमि को भू अर्जन किया जाकर विधिवत शासन द्वारा दये गये निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में मुआवजा तय किया जावे।

62 शकन्तला पति श्री परमेश्वर, निवासी ग्राम जुडा यह कि रा.प.क.4631-42/15-16 के तहत हमारे मूँसि स्वामी हक की मूँसि खसरा नं.34/5 रकबा 0.004, 69/7.69/8.69/10 रकबा 0.108, 76/1 रकबा 0.243/2.रकबा 0.162 कुल खसरा क. 4 कुल रकबा 0.517 है. का अनावदक दिनेश आ. गंगाराम अवरिया के नाम पर उक्त कृषि मूँसि जिस पर विभिन्न प्रजाति के 52 वृक्ष का औद्योगिक प्रयोजनार्थ हेतु मूँसि अर्जन किया जा रहा है। यह कि उक्त खसरा नं. की मूँसि में से 76/1 से पूर्व में मरे द्वारा विहित पूर्वांकृत बैनामा दिनांक 12.08.2013 के माध्यम से विकला दिनेश आ. गंगाराम अवरिया खसरा नं. बटॉकन के पश्चात 76/1/4 रकबा 0.040 है. एवं किया जाकर किसान किताब आपत्तिकर्ता के पक्ष में जारी किया गया है। यह कि

अभिग्रहित की जा रही मूँसि ख नं. 76/1 रकबा 0.243 है. मूँसि अर्जन अभिलेख अनुसार दिनेश पिता गंगाराम अवरिया के नाम पर मुआवजा पत्रक तैयार किया गया है।

मुआवजा निर्धारित किया जाकर मुआवजा दी जावे।
हेतु मूँसि उपयोग की नहीं रह जावेगी इस कारण से भी उक्त मूँसियों को मूँसि अर्जन में ली जाकर क्षीर में बहते ही कम रकबा बचत होने से उक्त मूँसि पर कृषि कार्य करना संभव नहीं है एवं कृषि कार्य यह कि हमारी उक्त खसरा नं. की मूँसि की मध्य से मूँसि को मूँसि अर्जन में ली जा रही है जिसके द्वारा यह है इसलिये हमारे परिवार के आश्रित व्यक्तियों को शासन द्वारा रोजगार हेतु नौकरी दिलवाया जावे। आवदक को अनुचित हानि हो रही है। यह कि हम शासन द्वारा किये जा रहे मूँसि अर्जन से प्रभावित हो बजार भाव के हिसाब से मुआवजा निर्धारित की जावे तथा शासन द्वारा निर्धारित दर कम होने से ही नजदीक है इस कारण से उक्त मूँसि का बजार भाव अत्यधिक है। इस कारण से उक्त मूँसि को किया जावे। यह कि उपरोक्त खसरा नं. की मूँसि जो कि ग्राम जुडा में स्थित है जो कि शहर से बहुत दूरी दूरी के परिप्रेक्ष्य में मुआवजा तथा रोजगार निर्धारित करते हैं उक्त मूँसि का मूँसि अर्जन उक्त मूँसि को आवदक के द्वारा कय किये जाने उक्त मूँसि को मूँसि अर्जन किया जाकर विहित शासन विद्यार्थीन है। जिसमें आवदक/आपत्तिकर्ता को सफलता मिलने की पूरी संभावना है। लक्ष्योन्मुख आगतिकर्ता के द्वारा मानवीय अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई है जो कि विहित अनुवाद का अवसर दिवे बगैर उक्त नामान्तरण निरस्त कर दिया गया जिसके विरुद्ध प्रकरण क. 673/अ-6/2014-15 आदेश दिनांक 13/07/2015 के आधार पर आपत्तिकर्ता को के पक्ष में जारी किया गया है। यह कि आपत्तिकर्ता की जानकारी के बगैर शासन के द्वारा राजस्व खसरा नं. बटॉकन के पश्चात 76/1/8 रकबा 0.040 है. एवं किया जाकर किसान किताब आपत्तिकर्ता माध्यम से विकला दिनेश आ. गंगाराम अवरिया खसरा नं. बटॉकन के द्वारा स्वीकृत किया जाकर खसरा नं. की मूँसि में से पूर्व में मरे द्वारा विहित पूर्वांकृत बैनामा दिनांक 12.08.2013 के विभिन्न प्रजाति के 52 वृक्ष का औद्योगिक प्रयोजनार्थ हेतु मूँसि अर्जन किया जा रहा है। यह कि उक्त रकबा 0.517 है. का अनावदक दिनेश आ. गंगाराम अवरिया के नाम पर उक्त कृषि मूँसि जिस पर 69/7.69/8.69/10 रकबा 0.108, 76/1 रकबा 0.243/2.रकबा 0.162 कुल खसरा क. 4 कुल 4631-42/15-16 के तहत हमारे मूँसि स्वामी हक की मूँसि खसरा नं.34/5 रकबा 0.004, 69/7.69/8.69/10 रकबा 0.108, 76/1 रकबा 0.243/2.रकबा 0.162 कुल खसरा क. 4 कुल रकबा 0.517 है. का अनावदक दिनेश आ. गंगाराम अवरिया के नाम पर उक्त कृषि मूँसि जिस पर

61 शीम प्रकाश पिता मालिकराम पटेल, गति अवरिया निवासी ग्रामी जुडा यह कि रा.प.क. गंगाराम अवरिया के नाम पर मुआवजा पत्रक तैयार किया गया है।

अभिग्रहित की जा रही मूँसि ख नं. 76/1 रकबा 0.243 है. मूँसि अर्जन अभिलेख अनुसार दिनेश पिता गंगाराम अवरिया के नाम पर मुआवजा पत्रक तैयार किया गया है।

मुआवजा निर्धारित किया जाकर मुआवजा दी जावे।
हेतु मूँसि उपयोग की नहीं रह जावेगी इस कारण से भी उक्त मूँसियों को मूँसि अर्जन में ली जाकर क्षीर में बहते ही कम रकबा बचत होने से उक्त मूँसि पर कृषि कार्य करना संभव नहीं है एवं कृषि कार्य यह कि हमारी उक्त खसरा नं. की मूँसि की मध्य से मूँसि को मूँसि अर्जन में ली जा रही है जिसके द्वारा यह है इसलिये हमारे परिवार के आश्रित व्यक्तियों को शासन द्वारा रोजगार हेतु नौकरी दिलवाया जावे। रू

6. यह कि हम शासन द्वारा किये जा रहे मूँसि अर्जन से प्रभावित हो रहे हैं इसलिये हमारे परिवार के आश्रित व्यक्तियों को शासन द्वारा रोजगार हेतु नौकरी दिलवाया जावे। रू

5. यह कि हम शासन द्वारा किये जा रहे मूँसि अर्जन से प्रभावित हो रहे हैं इसलिये हमारे परिवार के आश्रित व्यक्तियों को शासन द्वारा रोजगार हेतु नौकरी दिलवाया जावे। रू

दरों के आधार पर मू-अर्जन का मुआवजा दर २२ दिया जाता है तो मासवर्षियों को माही नुकसान होने का से होकर एनटीपीसी की लेवे लाईन जा रही है, जिसके मू-अर्जन का कार्य प्रगति पर है। अगर इन्हीं पधायत है किंतु दोनों गावों के मूनि के बाजार मूल्य में जमीन आसमान का अंतर है। वर्तमान में इस गांव विहित है कि ग्राम पंचायतीपानी (पू) एवं एवं ग्राम जुड़ा एक ही पटवारी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए ग्राम सभ्यता का उपादन हो रहा है इसकी पुष्टि आप कृषि विभाग एवं कृषि मण्डली से भी कर सकते हैं। अधिकांश अधिका उपादान एवं किमती है। आप कृषि यहां अन्य गावों की अपेक्षा अधिक मात्रा में धान एवं का बाजार मूल्य बहुत कम है। यहां यह भी बात है कि ग्राम का मूनि आपस पास के सभी गावों से कोतरेलिया, शिवापराली आदि जो कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है की तुलना में मूनि युक्ति ग्राम जुड़ा जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से लगे होने के बावजूद अन्य गावों जैसे कि महापल्ली, रायगढ़ के मार्गदर्शक सिद्धित के अनुसार अन्य गावों से अधिकांश कम आंका गया है जो सदेहास्पद है। लगा हुआ है (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के मूनि बाजार मूल्य राखर निरिक्षक मण्डल जिससे हमें आपत्ति है। परीक्षित विषयगत लेख है कि ग्राम पधायत जुड़ा जो कि जिला मुख्यालय से जुड़े का नाम विधित अधिकतम किया गया है परन्तु इसका उल्लेख जारी नोटिस में नहीं किया गया है फ़ोती कटककर उसके स्थान पर मूलक के वारिसान गांधी वन्द जुड़े, दिनेश पिता जुड़े एवं दूरपति बेवा पिता जुड़ा जाति मूडया का स्वभाव हो गया है तथा राखर प्रकण में उक्त व्यक्त का नाम है। मूनि खसरा नं. 253/1 रकबा 0.263 है मूनि अर्जित किय जाने का उल्लेख है युक्ति उक्त वैरु गयी है जिसमें मूनिस्वामी का नाम मय वन्दियत वैरु पिता जुड़ा जाति मूडया दशिया जाकर नोटिस प्राप्त गांधी ग्राम जुड़ा निवेदन है कि आपके द्वारा उपरोक्त नोटिस मूनि अधिग्रहण किए जाने संबंधी सभी

64

नक्शा में प्रभावित नहीं हो रही है। उक्त मूनि को पूरक रेल लाईन में किया जावेगा। संयुक्त स्थल जांच में खसरा नं. 59/1 रकबा 0.065 है. में से रकबा 0.012 है. मूनि मू अर्जन में प्रभावित ऐसी स्थिति में मुआवजा प्रकरण गोकुल, नकुल पिता सुकरु के नाम से तैयार किया जाना उचित है। रायगढ़ के अ.वा.क. 551/2013 के तहत मूनि रावजीनामा के आधार पर प्रार्थी गोकुल को प्राप्त हुई है जुड़ा के नाम से तैयार किया गया है। उक्त मूनि न्या.लोक अदालत /स्थाई एवं निरंतर लोक अदालत अर्जन आर्थीतिक प्रयोजन के लिये किया गया है तथा मुआवजा प्रकरण खलकूमर पिता मीरियम ग्राम गोकुल पिता सुकरु ग्राम जुड़ा निवेदन है कि ग्राम जुड़ा में मूनि ख.नं. 59/1 रकबा 0.012 है 0 का मू

63

गंगाराम अहरिया के नाम पर मुआवजा पत्रक तैयार किया गया है। अधिग्रहित की जा रही मूनि ख नं. 76/1 रकबा 0.243 है. मूनि अर्जन अनिलख अनुसार दिनेश पिता मूनिधर को मू अर्जन में ली जाकर मुआवजा निष्पत्ति किया जाकर मुआवजा दी जावे। कार्य करना संभव नहीं है एवं कृषि कार्य हेतु मूनि उपयोग की नहीं रह जावेगी इस कारण से भी उक्त अर्जन में ली जा रही है जिसके दोनों धोर में बहुत ही कम रकबा बचत होने से उक्त मूनि पर कृषि राजगार हेतु नौकरी दिलाया जावे। यह कि हमारी उक्त खसरा नं. की मूनि की मध्य से मूनि को मू किये जा रहे मू अर्जन से प्रभावित हो रहे है इसलिये हमारे परिवार के आश्रित व्यक्तियों को शासन द्वारा शासन द्वारा निष्पत्ति दर कम होने से आवेदक को अनुरोधित हो रही है। यह कि हम शासन द्वारा अत्यधिक है। इस कारण से उक्त मूनि को बजार भाव के हिसाब से मुआवजा निष्पत्ति की जावे तथा ग्राम जुड़ा में स्थित है जो कि शहर से बहुत ही नजदीक है इस कारण से उक्त मूनि का बाजार भाव निष्पत्ति करते हुए उक्त मूनि का मू अर्जन किया जावे। यह कि उपरोक्त खसरा नं. की मूनि जो कि मू अर्जन किया जाकर विधित शासन द्वारा दथे गये निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में मुआवजा तथा राजगार मिलने की पूर्ण संभावना है। उरोक्तानुसार उक्त मूनि को आवेदक के द्वारा कथ किये जाने उक्त मूनि को के समक्ष अधीन प्रस्तुत की गई है जो कि विचारणीय है। जिसमें आवेदक /आपत्तिकर्ता को सकलता नामान्तरण निरस्त कर दिया गया जिसके त्रुटि आपत्तिकर्ता के द्वारा माननीय अर्जिथीय अधिकांशी दिनांक 13/07/2015 के आधार पर आपत्तिकर्ता को विधित सुनवाई का अवसर दिये गौर उक्त आपत्तिकर्ता की जानकांशी के गौर शासन के द्वारा राखर प्रकरण क. 673/अ-6/2014-15 आदेश

श्री अर्जुन सिंह
 अध्यक्ष
 (कृषि विभाग)
 (कृषि विभाग)

3. यह कि उक्त प्रस्तावित मू-अर्जुन के विना मुक्त किये एवं आपत्तिकर्ता के नामान्तरण को आवधिक प्रक्रियाओं का पालन कर निरस्त कर दिया गया है, जिसके तहत उक्त निरस्तीकरण आदेश के विकल्प आपत्तिकर्ता के द्वारा तहसीलदार रायगाढ़ के द्वारा नामान्तरण निरस्तीकरण के विकल्प पुनः विधिवत नामान्तरण हेतु तहसीलदार रायगाढ़ के समक्ष प्रस्तुत कर सम्पूर्ण प्रक्रिया (पटवारी प्रतिवेदन, उभय पक्ष के साक्ष्य इत्यादी) पूर्ण किया जा चुका है एवं उक्त प्रकरण आदेश हेतु लांबित है, जिसकी सूचना तहसीलदार रायगाढ़ के प्राथम से है तथा आपत्तिकर्ता के द्वारा धारा 11 के अधिसूचना प्रकाशन पर आपत्ति प्रस्तुत किया गया था जिस पर उपरोक्त तथ्यों का उल्लेख किया गया था। जिस पर तहसीलदार रायगाढ़ के द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में उचित निराकरण न कर धारा 19 का मू-अर्जुन
2. यह कि धारा 11 के बेवसाईड में प्रकाशन के पूर्व ही धारा 19 का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्रों में कर दिया गया है। एक और धारा 11 के प्रकाशन के प्रारूप पूर्ण नहीं किया गया था वही दूसरी ओर धारा 19 का प्रकाशन किया जाना नहीं मू - अर्जुन अधिनियम 2013 के प्रावधानों के विपरित है।
1. यह कि भारत सरकार के द्वारा दिनांक 31.12.2014 को जारी अधिसूचना में जिन परियोजना में समूहित सरकार का भूमि स्वामी निरस्त बना हो उन परियोजनाओं पर मू-अर्जुन के अध्याय अधिनियम 2013 का छूट प्रदान किया गया है। जिसके तारतम्य में छ.म. शासन के द्वारा 02.03.2015 की अधिसूचना जारी कर अध्याय 2 व 3 का प्रावधान लागू किया गया था, उक्त अधिसूचना की अंतिम दिनांक 31.08.2015 था, चूंकि भारत सरकार के द्वारा लगे गये अध्यादेश पूर्व में सूच्य हो चुका है, जिसकी आधार बना कर केवल आदेश पत्रक में उल्लेखित कर छूट के दायरे में लाया गया है, जबकी उक्त दिनांक को धारा 11 के प्रकाशन के प्रारूप, मुनादी, समाचार पत्र, राजपत्र, बेवसाईड में किसी भी शीति से प्रकाशन नहीं किया गया था, ऐसी स्थिति में छ.म.शासन के द्वारा एवं मू-अर्जुन अधिकांशी के द्वारा अध्याय 2 व 3 का पालन किये गए अधिनियम का उल्लेख किया जाना न्याय संगत नहीं है।
66. जगतसम पिता कलपरम जाति रावल ग्राम जुडा 96. जयन्त किशोर प्रधान सरपंच ग्राम पंचायत जुडा राहा है। उक्त भूमि पूरक किया जावे।
65. जगतसम पिता कलपरम जाति रावल ग्राम जुडा निवेदन है कि प्रार्थी जगतसम पिता कलपरम जाति रावल, ग्राम जुडा प.ह.न. 19/38 तहसील व जिला-रायगाढ़ का निवासी है तथा प्रार्थी का उक्त ग्राम में कृषि भूमि स्थित है। प्रार्थी की भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है जिसमें प्रार्थी का औद्योगिक प्रयोजन के तहत सर्वेक्षण किया गया है मौके पर खसरा नम्बर 565/3 रकबा 0.324 है, भूमि भी प्रार्थी के सर्वेक्षण में लिया जाना है जो मौके पर सर्वेक्षण के समय प्रार्थी के नाम पर पाया गया परन्तु उसका उल्लेख उक्त प्रकरण में नहीं किया गया है उक्त भूमि का उल्लेख प्रार्थी के ऋण पुस्तिका में इन्द्रा है।
- संयुक्त स्थल जांच में खसरा नं. 565/3 से रकबा 0.008 है, भूमि का रेल लार्डन में प्रभावित नहीं हो रहा है।
- संयुक्त स्थल जांच में खसरा नं. 253/1 रकबा 1.416 है, से 0.263 है, भूमि अधिग्रहित की जा रही है। अतः अनिलेख अनुसार गांधी, दिनेश पिता कुड्डाम, सुरपति बेवा कुड्डाम जाति मुड्डया सा.देह भूमि स्वामी के नाम पर मुआवजा पत्रक तैयार किया गया है। मू अर्जुन पत्रक अनुमोदित गाड्डे लार्डन वर्ष 2015-16 के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।
- अतः आपसे करवद्ध आग्रह है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्वास्यकरण में उचित प्रतिकर प्रदान किया जावे।
- पुनर्वास्यकरण में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के अंतर्गत भूमि के मूल्य का निर्धारण कर भूमि के बाजार मूल्य में जो विषमता है उसमें संशोधन कर उचित मूल्य का निर्धारण करने की कृपा करें।

11. एक और एन.टी.पी.सी. के पुनर्वासि निधि के कंस्ट्रिक्ट 9.6 राजगार एवं वारिंकी में प्रति प्रभावित एक बार 5.00 लाख दिया जावेगा या वारिंकी पारिषी कीमत सूचकांक के अनुसार कम से कम 2000/- रु. प्रति माह उल्लेखित है, जबकी 02.07.2014 जिना स्वतीय पुनर्वासि समिति की बैठक में मू - अर्जन के मुआवजे के अतिरिक्त 30000/- रु. प्रति एकड़ अनुपातिक 20 वर्ष तक मूंसि विस्थापित परिवार को दिया

10. प्रांशिक अधिसूचना के प्रकाशन के पश्चात भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18.12.2015 को जारी किया गया था जिसमें मूंसि अधिसूचनाओं की अद्यतन करवाने की नियम उल्लेखित है जिसके अनुसार मूलक व्यक्तियों के नामों को जोप करना, मूलक व्यक्तियों के वारिंसी को नामों को प्रवृष्टि करना, मूंसि पर अधिकांशों के रजिस्ट्री के समझपहासों जैसे- विकी,दान, विमान आदि को प्रवृष्टि करना वधक के सभी प्रवृष्टियों को अभिलेखा प्रवृष्टि करना इत्यादी उल्लेखित है, किन्तु उक्त अधिसूचना के प्रकाशन के उपरान्त दिनांक 23.02.2016 को धारा 11 (1) में आपत्ति पर नियकरण हेतु निवत किया गया था किन्तु उक्त अधिसूचना में दक्षिण विन्डुओं को नजर अंदाज करते हुए या लोक में रखते हुए आपत्तिकर्ता के सखैणिक अधिकार का हनन कर छल पूर्वक अनावेदक एवं तहसीलदार के द्वारा जूटिपूर्व प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जो कि मू-अर्जन की धारा 86.87 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है।

9. यह कि धारा 11 के परिप्रेक्ष्य में आपत्तिकर्ता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक प्रतिवेदन के आधार पर मू-अर्जन अधिकांश, रयगढ़ के द्वारा प्रस्तुत आपत्ति का निरुद्धार निराकरण नहीं किया गया है तथा जिना नियकरण के ही आदिम कार्रवाही की गई है, जो कि अर्जित है।

8. यह कि धारा 19 राजपत्र में दिनांक 03/06/2016 को प्रकाशित कराया जाता है वह भी उपरोक्तानुसार जूटिपूर्व है एवं धारा 19 मू-अर्जन अधिनियम का प्रकाशन के प्राक्य पूर्ण करावे बांर धारा 21 के नोटिस व्यतिरिक्त जारी कर दिया जाता है। अतएव समस्त प्रक्रिया मू-अर्जन अधिनियम के तहत आदेशानुसंगक कार्रवाही है, जिसका पालन नहीं किया गया है। अतएव सम्पूर्ण कार्रवाही शून्य व अवैधानिक है।

7. धारा 19 के पुनर्वासि व पुनर्स्थापना तथा धोषणा और सार्क का प्रकाशन कराया जाना प्रावधानित है किन्तु पुनर्वासि व पुनर्स्थापना सार्क का प्रकाशन आज दिनांक तक नहीं कराया गया है। जबकी मू-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 19 (2) की उप धारा 1 में यह स्पष्ट प्राधान है कि इस उप धारा के अधिन कोई धोषणा तब तक नहीं किया जावेगा, तब तक पुनर्वासि व पुनर्स्थापन का योजना का सार ऐसी धोषणा के साथ नहीं किया जाता। एतएव जूटिपूर्व प्रक्रियाओं का समावेश कर मात्र प्रबंधक एन.टी.पी.सी. द्वारा मूंसि प्राप्त करना चाहता है, जो कि अवैधानिक है।

6. यह कि धारा 4 (1) मू-अर्जन अधिनियम 1894 के तहत पूर्व में ग्राम प.ह.नं. तह.व जिना रयगढ़ में दैनिक समाचार पत्र दैनिक भारत दिनांक 22/12/2013 को प्रकाशन कराया गया था, जिसमें आपत्तिकर्ता के स्वामित्व की मूंसि खपरा नं. /रकबा है 0 कृषि मूंसि प्रभावित उल्लेखित है। उक्त मू-अर्जन की कार्रवाही को व्यपगत (Leps) किया जाना प्रावधानित है, जिसके तहत आज दिनांक तक प्रस्तावित मूंसि को मुजल नहीं किया गया है।

5. यह कि दिनांक 17.10.2015 को धारा (1) मू-अर्जन अधिनियम के तहत प्रांशिक अधिसूचना प्रकाशित किया जाता है एवं समुचित सरकार के वेबसाईट में प्रकाशन न करा कर छल पूर्वक एन.टी.पी.सी. में कायदर कर्मचारियों के द्वारा रयगढ़ के वेबसाईट में दिनांक 13.05.2016 को कराया जाता है तथा उसी दिनांक 13.05.2016 को धारा 19 का भी वेबसाईट में प्रकाशन कराया जाता है जबकी मू - अर्जन की प्रक्रिया में समयावधि का गणना अंतिम प्रकाशन दिनांक को माना जाना प्रावधानित है तथा धारा 11 (1) के प्रकाशन पश्चात 60 दिन के समयावधि आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु प्रावधानित है, जिसका भी पालन नहीं किया गया है।

4. यह कि समिति का अधिकार विधिक अधिकार के साथ साथ मानवाधिकार भी है, जिसे आधिक व छल पूर्वक उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

1. छ.ग. राजपत्र - 2/10/15
 2. समुचित सरकार (छ.ग.शासन) वेबसाइट (www.cg.nic.in/ e Gazette) ई - राजपत्र - 2/10/2015
 3. स्थानीय समाचार पत्र रायगढ़ संदेश दिनांक 18/10/2015
 4. क्षत्रिय समाचार पत्र हरिमौरी दिनांक 18/10/2015
 5. ग्राम प्रकाशन दिनांक 08/10/2015
- उपर्युक्त प्रकाशन को पूर्ण करने के पश्चात ही धारा 19 का प्रकाशन करवाया गया।
- ग्राम जुड़ाव गठ. रायगढ़ अंतर्गत है एवं आपत्तिकर्ता द्वारा धारा 11 की प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन उपरंत कोई भी आपत्ति अर्जितमागीय अधिकारी रायगढ़ को निचल समय सीमा में प्राप्त नहीं हुई थी।
- मौमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वास्यरक्षण में उचित प्रतिकर एवं परदेहिता अधिकार अधिनियम 2013 के प्राधानों का पालन करते हुए वर्तमान में मू-अर्जन की कार्यवाही की जा रही है।

2. धारा 11 का प्रकाशन निम्नानुसार किया गया है :-

1. संयुक्त स्थल जांच में मौमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वास्यरक्षण में उचित प्रतिकर एवं परदेहिता अधिकार अधिनियम 2013 के अध्याय 2 व 3 का प्राधानों से 2 मार्च 2015 को छ.ग. शासन के द्वारा असाधारण राजपत्र के माध्यम से औद्योगिक कारोबार एवं अन्य परिवर्तन को छूट प्रदान की गई थी। इस अध्याय के अस्तित्व में रहते हुए कलेक्टर रायगढ़ द्वारा मू अर्जन प्रकरण की प्रारंभिक अधिसूचना का अर्जमादन 31.08.2015 को कर दिया गया था एवं आवेदक संस्था एन.टी.पी.सी. लिमिटेडपाली द्वारा मू-अर्जन की राशि भी जमा कि जा चुकी थी।

13. यह कि उपर्युक्त कठिनायार विनूओं को ध्यान में रखते हुए एवं विधिवत मू-अर्जन प्रक्रिया के अनुकूल निराकरण कर आपत्तिकर्ता को सूचना/जानकारी देने के उपरंत ही मू - अर्जन की अभिम कार्यवाही किया जावे ताकि मालिख में एन.टी.पी.सी.लाया परिवर्तन की मांती इस परिवर्तन में भी मौमि पर कब्जा के उपरंत प्रमावितों को अनावश्यक न्यायालयीन कार्यवाही में उलझाना न पड़े। यदि जानबूझ कर आपत्तिकर्ता के हित को ताक में रखते हुए अवैधिक पूर्ण कार्यवाही की जाती है तो उसकी समस्त जवाबदारी महाप्रबंधक एन.टी.पी.सी. की होगी।

12. एन.टी.पी.सी. की पुनर्वासि नीति समूची भारत में एक होती है। वर्ष 2015 में एन.टी.पी.सी. के द्वारा ग्राम -गहिलगढ़ (प.) विद्यालय (मध्यप्रदेश) में कृषि मौमि का रजिस्टर्ड सेल डीज के माध्यम से कय किया गया है एवं दिनांक 18.03.2015 को कीमत सूचकांक के अनुसार प्रमावित मौमिस्वामियों को नौकरी के एवज में 70000/- रु. (सात लाख) केंज दिया गया है, चौके एन.टी.पी.सी. के द्वारा रायगढ़ के परिवर्तनमागी हैव पुनर्वासि प्रतिवेदन, धारा 19 के साथ पुनर्वासि का सार प्रकाशन नहीं करवाया गया है। अतएव वर्तमान कीमत सूचकांक के अनुसार नौकरी के एवज में केंज प्राप्त करने के अधिकारी है एवं अतएव वर्तमान कीमत सूचकांक के अनुसार नौकरी को निराकरण कर नवीन मू-अर्जन प्रति एकड़ 2000000/- (बीस लाख रुपये) की दर से मुआवजा राशि का निराकरण कर नवीन मू-अर्जन प्रति एकड़ 22.00 लाख रु. प्रति एकड़ की दर से मुआवजा राशि का निराकरण किया गया है।

11. ग्रामिण किया जा रहा है, जो कि अर्जित है।

को मनमाने ढंग से लागू कर आपत्तिकर्ता/रजिस्टर्ड मौमि स्वामी को उसके संवैधानिक अधिकारों से मू-स्वामी है एवं एन.टी.पी.सी. प्रस्तावक है, ऐसी स्थिति में वर्ष 2013 मू-अर्जन अधिनियम के प्राधानों पुनर्वासि प्रतिवेदन के संदर्भ में कोई सुनवाई किया गया है। चौके छ.ग. शासन का कृषि मौमि में निरन्तर बलाया गया। अतः न तो पूर्व में पुनर्वासि स्कीम विधिवत बनाया गया और नहीं धारा 16 (5) के तहत 2013-14 में नहीं हुआ है और न ही इस संदर्भ में सविधान्य रायपुर में दिशा निर्देश प्राप्त हुआ है, बाकी मयी जानकारी में विना कार्यालय रायगढ़ के द्वारा विना स्वीय पुनर्वासि समिति का गठन एवं जावेगा। प्रत्येक 2 वर्ष में प्रति एकड़ 500/- रु. बंधाया जायेगा। जबकी सूचना के अधिकार के तहत

समस्त ग्रामवासी जुड़ा उपर्युक्त विधायित्व लेख है कि ग्राम पंचायत जुड़ा जाँ कि जिला मुख्यालय से लगा हुआ है (पूर्व दिशा में 5 किमी की दूरी पर स्थित) के ग्रामि बाजार मध्य राज्य निरीक्षक मण्डल द्वारा पंचायत के मासिक शिक्षित के अनुसार अन्य गांवों से अत्यधिक कम आंका गया है जो संदर्भित है।

युक्ति ग्राम जुड़ा जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से लगे होने के बावजूद अन्य गांवों जैसे कि महापल्ली, कालखिया, शिवरपाली आदि जाँ कि जिला मुख्यालय एवं मुख्य मार्ग से दूर स्थित है जो ग्राम में ग्राम का बाजार मध्य बहुत कम है। यहां यह भी बात है कि ग्राम का ग्राम आस पास के सभी गांवों से अपेक्षाकृत अधिक उपजाऊ एवं किमती है। आम कृषि यहां अन्य गांवों की अपेक्षा अधिक मात्रा में धान एवं सब्जी का उत्पादन हो रहा है इसकी पुष्टि आम कृषि विभाग एवं कृषि मण्डल से भी कर सकते हैं।

लिखित है कि ग्राम पण्डरीपानी (पुं) एवं ग्राम जुड़ा एक ही पटवारी हल्का एवं आपस में जुड़े हुए ग्राम

13. प्रकरण में नियमानुसार अधिसूचना के प्रकाशन उपर्युक्त समयावधि में प्राप्त दावा/आपत्तियों का निराकरण प्रस्ताव अनुसार राज्य अभिलेख में दर्ज भूमिसूची की धारा 21 की सूचना जारी कर सुना गया है।

12. भारत में राज्य शासनों की पुनर्वास नीति के अनुसार, प्रचलित शासकीय नियम, भूमि का गार्ड लॉर्डन / अधिनियम 2013 के संशुद्ध 1 एवं 2 के अनुसार एन.टी.पी.सी. लॉर्डन/पटवारी के भू-अर्जन प्रकरण हेतु जारी रही है। भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्वासन में उचित प्रतिकर एवं परदेहिता अधिकार किसी छोट मध्य आदि का पालन करते हुए पुनर्वास नीति हर जगह राज्य शासन द्वारा अनुमोदित की भारत में राज्य शासनों की पुनर्वास नीति के अनुसार, प्रचलित शासकीय नियम, भूमि का गार्ड लॉर्डन / अधिनियम 2013 के संशुद्ध 1 एवं 2 के अनुसार एन.टी.पी.सी. लॉर्डन/पटवारी के भू-अर्जन प्रकरण हेतु जारी रही है।

11. दिनांक 02.7.2014 को जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक के विनियमों को सक्षम अधिकारी (कमिश्नर अधिनियम 2013 के संशुद्ध 2 के अनुसार निर्देशित कलेक्टरों का पालन करते हुए 25 जुलाई 2015 को अनुमोदित किया गया है। जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक वर्ष 2014-15 में माननीय मंत्री एवं विधायक महोदय, कलेक्टर, सी.ई.ओ. जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी, ग्राम पंचायत आदि को सूचना देकर उपस्थिती में हुई। सभी विनियमों में बर्दा होने के प्रस्ताव 08.7.16 को बैठक के विनियमों की प्रति सभी संबंधितों एवं पंचायत को उपलब्ध कराई गयी है।

10. भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18/12/15 की अधिसूचना के अध्याय 1 में उल्लेख है कि निराकरण किया गया है।

भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18/12/15 की अधिसूचना के अध्याय 1 में उल्लेख है कि जहाँ हैं। प्रकरण में प्रस्तुत राज्य अभिलेख एवं भूमि सूची द्वारा प्रस्तुत बंध दस्तावेजों के अनुसार उक्त संरक्षक समिति के रूप में भू अर्जन कर रही है वहीं इस अधिसूचना के प्रावधानों के अन्वय में प्रस्तुत राज्य अभिलेख एवं भूमि सूची द्वारा प्रस्तुत बंध दस्तावेजों के अनुसार निराकरण किया गया है।

9. अधिनियम की धारा 11 के प्रस्ताव समयावधि में प्राप्त दावा/आपत्तियों का निमानुसार जांच कर देव साइट में अर्जित कर दिया गया था।

8. प्रकाशन क्षत्रिय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में, संबंधित ग्राम प्रकाशन एवं आतिरिक्त रूप से रायगढ़ की एक माह से अधिक का समय देकर आपत्तियों ली गई। धारा 21 के नोटिस के पूर्व धारा 19 का धारा 21 की सुनवाई की गई इस प्रकार भू-अर्जन अधिनियम की धारा 19 एवं 21 के मध्य निमानुसार दिनांक 03.6.2016 की धारा 19 के राजपत्र प्रकाशन उपर्युक्त 27.6. एवं पुनः 30.7.16 की तिथि नियत कर पत्र/ग्राम प्रकाशन/देव साइट प्रकाशन) प्रकाशन में भी किया गया है।

7. कमिश्नर विभागीय संभाग विभागीय अधिसूचना द्वारा अनुमोदित पुनर्वासन योजना का सार का प्रकाशन प्रभावित ग्राम में धारा 19 के प्रकाशन के साथ कराया गया है। इसका उल्लेख धारा 19 के (राजपत्र/समाचार अस्तित्व है।

6. ग्राम जुड़ा में पूर्व में भू - अर्जन की कार्यवाही नहीं हुई। आपत्तिकां द्वारा कि गई आपत्ति अर्पूर्णा एवं विचार के त्रिपरीक्षक की गई थी।

5. निमानुसार प्राथमिक अधिसूचना ई-राजपत्र के रूप में प्रभावित सरकार (छ.ग. शासन) की वेबसाइट में 02.10.15 को प्रकाशित की जा चुकी है। ग्राम जुड़ा में प्राथमिक अधिसूचना का अंतिम प्रकाशन 30.10.15 के अनुसार 31/12/2015 तक 60 दिन की समयावधि नियत थी। इस समय सीमा में प्राप्त आपत्ति

5. यह कि सम्पत्ति का अधिकार विधिक अधिकार के साथ साथ मानवाधिकार भी है, जिसे अतिरिक्त व छल तथा टुकड़ा नक्शा का बटकाव विधिवत नहीं किया गया है।
 4. प्राथमिक अधिसूचना के प्रकाशन के पश्चात् भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18.12.2015 को जारी किया गया था जिसमें भूमि अधिसूचनाओं को अद्यतन करवाने की नियम उल्लेखित है जिसके अनुसार भूतक व्यवस्था के नामों को लोप करना, भूतक व्यवस्थाओं के वारिसों का नामों को प्रवृत्ति करना, भूमि पर अधिकारों के रजिस्ट्री के सम्यक्दायों जैसे- विक्री, दान, विमान आदि को प्रवृत्ति करना बंधक के सभी प्रवृत्तियों को अभिलेखों प्रवृत्ति करना इत्यादी उल्लेखित है, किन्तु उक्त अधिसूचना के प्रकाशन के उपरान्त दिनांक 23.02.2016 को धारा 11 (1) में आपत्ति पर न्यायकरण हेतु नियत किया गया था किन्तु उक्त अधिसूचना में दलित विन्डुओं को नजर आंदाज करते हुए या लोक में रखते हुए आपत्तिकता के संवैधानिक अधिकार का हनन कर छल पूर्वक अनावधिक एवं तदधीनदार के द्वारा रूढ़िपूर्व में आला है।
 3. यह कि धारा 11 के बेवसाईड में प्रकाशन के पूर्व ही धारा 19 का प्रकाशन हैनिक समाचार पत्रों में कर दिया गया है। एक ओर धारा 11 के प्रकाशन के प्राक्य पूर्ण नहीं किया गया था वही दूसरी ओर धारा 19 का प्रकाशन किया जाना नहीं मू - अर्जान अधिनियम 2013 के प्रावधानों के विपरित है।
 2. यह कि भारत सरकार के द्वारा दिनांक 31.12.2014 को जारी अधिसूचना में विन परियोजना में समुचित छूट प्रदान किया गया है। जिसके तारतम्य में छ.ग. शासन के द्वारा 02.03.2015 की अधिसूचना जारी कर अध्याय 2 व 3 का प्रावधान लागू किया गया था, उक्त अधिसूचना की अंतिम दिनांक 31.08.2015 था, जबकि भारत सरकार के द्वारा लख अख्यदेश पूर्व में धूम्य ही चुका है, जिसको आधार बना कर केवल आदेश पत्रक में उल्लेखित कर छूट के दायरे में लाया गया है, जबकी उक्त दिनांक को धारा 11 के प्रावधान के प्राक्य, मुनादी, समाचार पत्र, राजपत्र, बेवसाईड में किसी भी शैलि से प्रकाशन नहीं किया गया था, ऐसी स्थिति में छ.ग.शासन के द्वारा एवं मू-अर्जान अधिकारी के द्वारा अध्याय 2 व 3 का पालन किया गया अंतिम कार्यावाही किया जाना न्याय संगत नहीं है।
 1. यह कि दिनांक 17.10.2015 को धारा (1) मू-अर्जान अधिनियम के तहत प्राथमिक अधिसूचना प्रकाशित किया गया है।
- 68 हरप्रित सिंह गुजराल आ. भुवन्द सिंह गुजराल दरगागापरा रायगढ़
- अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।
- संयुक्त स्थल जांच में ग्राम जुड़ा अधिग्रहित भूमि एवं परिसम्पत्ति का गाईड लाईन वर्ष 2015-16 के मूल्यांकन का निर्धारण करने की कृपा करें।
- अंतर्गत भूमि के मूल्यांकन का निर्धारण कर भूमि के बाजार मूल्य में जो विषमता है उसमें संशोधन कर उचित पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के धारा 26 (1) (ख) के अनुसार है। अतः आपसे करवह आग्रह है कि भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर दायों के आधार पर मू-अर्जान का मुआवजा दर दिया जाता है जो ग्रामवासियों को भागी नुकसान होने का संकोक एनटीपीसी की रेवे लार्डन जा रही है, जिसके मू-अर्जान का कार्य प्रगति पर है। अगर इन्हीं प्रावधान हैं किन्तु दोनों गावों के भूमि के बाजार मूल्य में जमीन आसमान का अंतर है। वर्तमान में इस गांव

2. मूँसि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के अधीन, पुनर्वासन एवं अन्य परिचयना को छूट प्रदान की गई थी। इस अध्यादेश के अखिला में रहते हुए कलेक्टर राधागढ़ द्वारा मूँसि अर्जन प्रकरण की प्रारंभिक अधिसूचना का अर्जमादन 31.08.2015 को कर

1. संयुक्त स्थल जांच प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया गया है कि आपत्तिकर्ता का विन्दु क्रमांक 1 से 10 तक निराकरण निम्न है :- नियमानुसार प्रारंभिक अधिसूचना ई-राजपत्र के रूप में समर्पित सरकार (छ.म. शासन) की वेबसाइट में 02.10.15 को प्रकाशित की जा चुकी है। ग्राम जुडा में प्रारंभिक अधिसूचना का अधिम प्रकाशन 30.10.15 के अनुसार 31/12/2015 तक 60 दिन की समयावधि निवत थी। इस समय सीमा में प्राप्त आपत्ति विचार के लिये स्वीकार की गई थी।

10. यह कि ग्राम जुडा के हल्का पटवारी के द्वारा आपत्तिकर्ता को बिना सूचना दिये मनमाने ढंग से नक्शा का बटकन किया गया है। आपत्तिकर्ता के स्थानित कि मूँसि ग्राम जुडा प.ह.नं. 19 तह. व जिला राधागढ़ में ख.नं. 564/2क रकबा 0.050 हेक्टर मूँसि उत्तर दिशा में विकला महेश राम कि बचत मूँसि दक्षिण में जीवदन पूर्व में रायल बिजर्स की मूँसि है। किन्तु हल्का पटवारी के द्वारा आपत्तिकर्ता के अग्रस्थित में खसरा नं. 564/2क विभिन्न ख. से बटकन किया गया है। एवं पुनः हल्का पटवारी से उक्त खसरा के बटकन कि जांच करने कि कर्तव्य अधि आपत्तिकर्ता कि मूँसि प्रभावित हो रही है। जो नवीन मूँसि अर्जन अधिनियम 2013 के प्रथमो के अनुसार मुआवजा व पुनर्वास लाभ दिनामा जावे। आपत्ति के साथ रजिस्ट्री की छाया प्रति संलग्न है।

9. यह कि दिनांक 26.06.2016 को धारा 21 मूँसि अर्जन अधिनियम के तहत नोटीस प्रकाशित किया जाता है। एवं 27.06.2016 को आपत्ति की सुनवाई हेतु निवत किया गया है। जो कि विधिक प्रक्रिया के विपरित है।

8. एक और एन.टी.पी.सी. के पुनर्वास निधि के कडिका 9.6 राजगार एवं वार्षिकी में प्रति प्रभावित एक वार 5.00 लाख दिया जावेगा या वार्षिकी पॉलिसी कीमत सूचकांक के अनुसार कम से कम 2000/-रु. प्रति माह उरन्स्थित है। जबकी 02.07.2014 जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक में मूँसि - अर्जन के मुआवजे के अतिरिक्त 30000/-रु. प्रति एकड़ अनुपातिक 20 वर्ष तक मूँसि विस्थापित परिवार को दिया जावेगा। प्रत्येक 2 वर्ष में प्रति एकड़ 500/-रु. बढ़ाया जावेगा। जबकी सूचना के अधिकार के तहत जाही गयी जानकारी में जिला कार्यालय राधागढ़ के द्वारा जिला स्तरीय पुनर्वास समिति का गठन वर्ष 2013-14 में नहीं हुआ है और न ही इस संदर्भ में सावित्रालय राधापुर में दिशा निर्देश प्राप्त हुआ है, बलाया गया। अतः न तो पूर्व में पुनर्वास स्कीम विवत बनाया गया और नही धारा 16 (5) के तहत पुनर्वास प्रतिवेदन के संदर्भ में कोई सुनवाई किया गया है। चौकि छ.म. शासन का कृषि मूँसि में निरन्तर मूँसि-स्वामी है एवं एन.टी.पी.सी. प्रस्तावक है, ऐसी स्थिति में वर्ष 2013 मूँसि-अर्जन अधिनियम के प्राधान्यों को मनमाने ढंग से लागू कर आपत्तिकर्ता/रजिस्टर्ड मूँसि स्वामी को उसके संबंधित अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, जो कि अर्जित है।

7. यह कि धारा 11 के परिशेष में आपत्तिकर्ता के द्वारा आपत्ति प्रस्तुत किया गया था, किन्तु महा प्रबंधक एन.टी.पी.सी. एवं तहसीदार के द्वारा अस्पष्ट प्रतिवेदन एवं मूँसि-अर्जन की प्रक्रियाओं के विपरित प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर मूँसि-अर्जन अधिकारी, राधागढ़ के द्वारा प्रस्तुत आपत्ति का विन्दुवार निराकरण नहीं किया गया है तथा बिना निराकरण के ही अधिम कार्यावाही की गई है, जो कि अर्जित है।

6. धारा 19 के पुनर्वासन व पुनर्व्यवस्थापना तथा धोषणा और सार्क का प्रकाशन करया जाना प्राधानित है किन्तु पुनर्वासन व पुनर्व्यवस्थापना सार्क का प्रकाशन आज दिनांक तक नहीं करया गया है। जबकी मूँसि-अर्जन अधिनियम 2013 की धारा 19 (2) की उप धारा 1 में यह स्पष्ट प्राधान है कि इस उप धारा के अधिन कोई धोषणा तब तक नहीं किया जावेगा, तब तक पुनर्वासन व पुनर्व्यवस्थापन का योजना का सार ऐसी धोषणा के साथ नहीं किया जाता। एतएवं अतिपूर्व प्रक्रियाओं का समावेश कर मात्र प्रबंधक एन.टी.पी.सी. द्वारा मूँसि प्राप्त करना चाहता है, जो कि अवैधानिक है।

दिया गया था एवं आवेदक संस्था एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा मू-अर्जन की राशि भी जमा कि जा चुकी थी।

3. धारा 11 का प्रकाशन निम्नानुसार किया गया है :-

1. छ.ग. राजपत्र - 2/10/15
2. समुचित सरकार (छ.ग.शासन) वेबसाइट (www.cg.nic.in/ e Gazette) है-राजपत्र - 2/10/2015
3. स्थानीय समाचार पत्र राजपत्र संदेश दिनांक 18/10/2015
4. क्षत्रिय समाचार पत्र हरिपुरी दिनांक 18/10/2015
5. ग्राम प्रकाशन दिनांक 08/11/2015

उपरोक्त प्रकाशन की पूर्ण करने के पश्चात ही धारा 19 का प्रकाशन करवाया गया।

4. भारत सरकार के द्वारा अधिसूचना दिनांक 18/12/15 की अधिसूचना के अन्वय 1 में उल्लेख है कि भारत सरकार समुचित सरकार के रूप में मू-अर्जन कर रही है वही इस अधिसूचना के प्रावधान लागू होंगे। प्रकरण में प्रस्तुत राजस्व अभिलेख एवं मूनि रकामी द्वारा प्रस्तुत बैंक दरतावेजों के अनुसार राजस्व अभिलेख को नियमानुसार दुरुस्त कर कार्यवाही की जा रही है।

5. मूनि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के प्रावधानों का पालन करते हुए वर्तमान में मू-अर्जन की कार्यवाही की जा रही है।

6. कमिश्नर बिलासपुर, संभाग बिलासपुर द्वारा अनुमोदित पुनर्वासन योजना का सार का प्रकाशन प्रभावित पत्र/ग्राम प्रकाशन/बैंक साइट प्रकाशन) प्रकाशन में भी किया गया है।

7. अधिनियम की धारा 11 के पश्चात् समयावधि में प्राप्त दावा/आपत्तियों का निमयानुसार जांच कर निकारण किया गया है।

8. दिनांक 02.7.2014 को जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक के विनियमों को सक्षम अधिकारी (कमिश्नर बिलासपुर) के द्वारा मूनि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं परदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 के संशुद्ध 2 के अनुसार निर्देशित कठिनाइयों का पालन करते हुए 25 जुलाई 2015 को अनुमोदित किया गया है। जिला स्तरीय पुनर्वास समिती की बैठक वर्ष 2014-15 में माननीय मंत्री एवं विधायक महोदय, कलेक्टर, सी.ई.ओ. जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी, ग्राम पंचायत आदि को सूचना देकर उपस्थिती में हुई। सभी विनियमों में चर्चा होने के पश्चात 08.7.16 को बैठक के विनियमों की प्रति सभी संबंधितों एवं पंचायत को उपलब्ध कराई गयी है।

9. धारा 21 के तहत आपत्ति की सूचनाई 27.06.2016 एवं 30.07.2016 को मू-अर्जन अधिकारी राजपत्र के कार्यालय में निपटित प्रकिया का पालन करते हुए की गई।

10. वर्तमान अर्जन अभिलेख के अनुसार हरित सिंह गुजराल आ. मू-अर्जन सिंह की आवेदित मूनि छ.नं. 564/2 क रकबा 0.050 है. एनटीपीसी सेवे लार्डन में मू अर्जन हेतु प्रस्तावित नहीं है।

69. दालाराम पिता लेखराम जालि अदरिया यह कि अनावेदकगण के ग्राम जुडा प.ह.नं.38 स्थित अपने स्वामित्व की मूनि खसरा नं. 96/1 रकबा 0.028 है. मूनि को सावधानी प्रदान अर्थात औद्योगिक प्रदान हेतु मूनि का अर्जन किये जाने का उल्लेख करते हुए सम्बन्धित अनावेदकगण खालेदार को अपने हित अधिकारी मुआवजा राशि मूनि पर अधिकार के फलस्वरूप मुआवजा में हित सम्बन्धित दावे तथा मूनि के परिमाण नस्ली सम्बन्धी अथवा आपत्ति मय अभिलेखों दरतावेजों प्रमाणों के साथ 27.06.2016 को न्यायालय में अर्जन अधिकारी राजपत्र के समक्ष करने हेतु नोटिस प्रदाय किया गया है।

संविधान आयोग (संविधान)
 संविधान आयोग (संविधान)
 संविधान आयोग (संविधान)

मूल्य का प्रकार	गाईड लाईन वर्ष 2015-16 की दर प्रति हे० में	बिडी छांट के अनुसार दर प्रति हे० में	पुनर्वास नीति के अनुसार दर प्रति एकड़
अस्थित एक फसली	1032000/-	760546/-	800000/-
स्थित एक फसली	1487000/-	760546/-	1000000/-
स्थित दो फसली	1858750/-	760546/-	1000000/-

(9) अर्जित की जा रही भूमि का उप पंजीयक, रायगढ़ द्वारा प्राप्त केन्द्रीय मूल्यांकन बीड, रायपुर द्वारा अनुमोदित गाईड-लाईन वर्ष 2015-16 की दर, आमत विकीछांट दर तथा आदर्श पुनर्वास नीति (संशोधित) की दर से तुलना में गाईड लाईन की दर अधिक होने के फलस्वरूप गाईड-लाईन वर्ष 2015-16 की दर पर अनुसूचित वर्ग पर धारा 30(3) के अनुसार 12 प्रतिशत ब्याज की राशि (16 महिने) 02.10.2015 के अनुसार बजार मूल्य पर धारा 30(3) के अनुसार 12 प्रतिशत ब्याज की राशि (16 महिने) मूल्यांकन परिगणना कर पत्रक-भागा-1 क, ख, ग, घ पत्रक तैयार किया गया है।

(8) उपरोक्त अधिग्रहित की जा रही भूमि के संबंध में स्थल जांच प्रतिवेदन दिनांक 02/01/2017 एवं पंचनामा दिनांक 10/12/2016 के साथ आवेदक निकाय, एवं तहसीलदार रायगढ़ की ओर से राजस्व निरीक्षण, हल्का पटवारी द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिवेदन मय पंचनामा प्राप्त हुआ। अधिग्रहित की जा रही भूमि का स्थल जांच कर भूमि तथा भूमि पर स्थित परिसंपत्तियों का मुआवजा निर्धारण निर्धारित वर्ष 2015-16 के गाईड-लाईन के अनुसार गणना पत्रक-भागा-1 क, ख, ग, घ तैयार कर प्रस्तुत किया गया है। जो आवेद आदेश का अंग है।

(71) आवेदक निकाय एवं तहसीलदार रायगढ़ के प्रतिवेदन में खसरा नं. 59/2 रकबा 0.012 हे. (2) ख.नं. 78/4 रकबा 0.081 हे (3) ख.नं. 342/2 रकबा 0.012 हे भूमि को प्रभावित नहीं होने तथा आवेदक निकाय द्वारा अधिनियम की धारा 93 के तहत मुक्त किये जाने हेतु प्रतिवेदित किये जाने के कारण उपरोक्त खसरा नं एवं रकबा छोड़कर मुआवजा गणना पत्रक तैयार किया गया है।

(70) अधिग्रहित खसरा नं. 300 रकबा 2.784 हे. भूमि में से स्थित रकबा 0.069 हे. भूमि तालाब भूमि को कटेकर रायगढ़ के मौखिक आदेशानुसार परिसंपत्ति मानकर मूल्यांकन किया गया है।

गांधी के मुआवजा अनुसार दिया जावे।
 संयुक्त स्थल जांच में खसरा नं. 96/1 रकबा 0.149 हे भूमि में से रकबा 0.028 हे भूमि पर अधिग्रहित की जा रही के अतिरिक्त भूमि में भू अर्जन में अधिग्रहण करने की आवश्यकता नहीं है। उक्त भूमि पर स्थित नहीं होने तथा गांधी के अनुसार मुआवजा निर्धारण किया गया है।
 गांधी के मुआवजा अनुसार दिया जावे।
 प्रभावित स्थलों में छोटी-छोटी अनेक वृक्ष हैं। जिसका जांच किया जाकर मुआवजा राशि भुगतान किया जाना न्यायोचित होगा। अनावेदकगणों को अपने भूमियों का मुआवजा ग्राम जुर्ना स्थित आसपास के ही पाना सम्भव नहीं है, इस कारण सम्पूर्ण भूमियों का भू अर्जन में शामिल कर भू अर्जन मुआवजा राशि से मुक्त किया जावे अन्यथा उपरोक्त उल्लेखित खसरा नम्बरों के भोग बचल भूमि पर कोई भी कृषि कार्य कृषि पर ही अपने परिवार का जीवन यापन करते हैं इस कारण उपरोक्त उल्लेखित भूमियों को भू अर्जन अर्जन करने सम्बन्धी कर्तव्यही की जा रही है अनावेदक का एक मात्र आय का जरिया कृषि है तथा यह की अनावेदकगण के उपरोक्त उल्लेखित खसरा नं. के कुछ भागों पर औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि

अधिगणित मूँसि पर स्थित परिसम्पत्तियाँ का मूँसावला
 (अधिसूचि 2013)
 अधिसूचि 2013

तदनुसार प्रकरण में आवड आदेश पारित किया जाता है।
 से अधिकतम देय मूँसावला की परिमाणना की गई है।

(8) देय मूँसावला कर माडूँड-लार्डन वर्ष 2015-16 की दर अधिक होने के कारण माडूँड लार्डन की दर मूँसावला महानदी भवन नया रायपुर के अधिसूचना क्र. एक-4-28/सात-1/2014/दिनांक 04.12.2014 द्वारा रायगढ़ के पत्र क्रमांक 1539/मूँ-अर्जन/2014 दिनांक 28.02.2014 एवं राजख आपदा प्रबंधन विभाग राजख एवं प्रबंधन विभाग का पत्र क्रमांक एक-4-03/सात-1/2014 रायपुर दिनांक 24.02.2014 कलेक्टर माडूँडिना परियोजना द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार अर्जित की जा रही मूँसि का मूँसावला राशि छ.ग.भासन गणना पत्रक-माग-1 क.ख.ग.घ अवाड आदेश का अंग माना जावे। महाप्रबंधक एनटीपीसी लार्डन/पार्ली काल मूँसावला का कुल मूँसावला राशि कपडे मात्र /-परिगणित होता है तथा मूँसि पर स्थित परिसंपत्ति का मूँसावला वूँडी का कुल मूँसावला राशि कपडे 96320497(अधिसूचि 2013) के अनुसार राशि कपडे निरसत लख बीस हजार चार

गम पुडूँडी की अधिगणित निजी मूँसि कुल खसरा नं. 128 कुल रकबा 15.841 है। मूँसि तथा मूँसि पर स्थित तदनुसार महाप्रबंधक एनटीपीसी लार्डन/पार्ली काल माडूँडिना परियोजना के रेल लार्डन निर्माण के लिये पुर्नवास अवाड पारित करने की कर्तव्यता प्रत्येक से की जा रही है।

(9) अधिनियम 2013 के अनुसार राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों के तहत पुर्नवास प्रतिवेदन तैयार कराने एवं प्रकरण में मूँ-अर्जन पुर्नवास और पुर्नवास/प्रमाणन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता के अधिकार

- (ख) अर्जित मूँसि पर स्थित परिसम्पत्तियाँ का मूँसावला -
 - (ग) अर्जित मूँसि पर स्थित वूँडी का मूँसावला -
 - (घ) मूँसि परिसंपत्तियाँ तथा वूँडी का मूँसावला (क+ख+ग का योग)
- रु. 1639235/-
 रु. 7235704/-
 रु. 96320497 /-

क्र.	अधिगणित मूँसि का		मूँसावला राशि	अनुसार कुल	लार्डन के	विक्री छंट के	दर से कुल	मूँसावला राशि	कुल मूँसावला की राशि	देय मूँसावला
	प्रकार	रकबा								
1	अर्जित एक	कसली	9.762	41909432/-	7424450/-	19715615/-	41909432/-	-	-	-
2	अर्जित एक	कसली	0.605	3742482/-	460130/-	1494955/-	3742482/-	-	-	-
3	अर्जित दो	कसली	5.405	41793644/-	4110751/-	13355755/-	41793644/-	-	-	-
	कुल योग	(परिसम्पत्ति)	15.841	87445558	11995331	34566325	87445558	-	-	-

(क) मूँसि का मूँसावला -

(अधीनस्थ) शिवाजी
 (अधीनस्थ) शिवाजी
 (अधीनस्थ) शिवाजी
 (अधीनस्थ) शिवाजी
 (अधीनस्थ) शिवाजी

1. आयुक्त, बिलासपुर संभाग, बिलासपुर की ओर सूचनाएं सम्बंधित।
2. कलेक्टर, श्री-अर्जुन शाखा रायगढ़ की सादर सूचनाएं सम्बंधित। निवेदन है कि प्रकरण में पारित अग्राहक मुआवजा राशि 96320497(अध्यांक :- गीं कयेंड निरस्त लाख बीस हजार चार सौ सत्तानवे रुपये मात्र /-)आर्द्धवारियों का भुगतान हेतु प्रदाय करने का कष्ट करें।
3. महाप्रबंधक, एनटीपीसी तलाईपानी कोल माईनिंग परिवर्तना घरबोडा की सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अर्थात् आप कृपया अग्राहक आग्रेड की प्रति संबंधित मॉनिटरिंग को उपलब्ध करा दें। प्रकरण में समय-सीमा के भीतर पुनर्वास अग्राहक की कार्यवाही पूर्ण किया जाना है। तथा पुनर्वास प्रतिवेदन गणना पत्रक के साथ बीस प्रस्तुत करें।
4. उप प्रतीयक रायगढ़ की सूचनाएं अर्थात्।
5. तहसीलदार रायगढ़ को अग्रेड हेतु अर्थात्।
6. रायस निरीक्षक रा.नि.मं.पुसौर को अग्रेड हेतु अर्थात्।
7. प.इ.नं.38 को अग्रेड हेतु अर्थात्।